3 **राजधानी** अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी खारिज

6 **अभिमत** सेमीकंडक्टर क्रांति भारत में

11 **विदेश** चीन ने विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण आरंभ किया

12 **स्पोर्ट्स** पंजाब किंग्स ने सीएसके को हराया

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 190
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कांग्रेस गारंटी दे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देगी

राष्ट्रीय-10

दिल्ली-एनसीआर में 131 स्कूलों में बम की धमकी, जांच में फर्जी निकली

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक साथ 131से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में बच्चों के माता-पिता व अभिभावक अपने बच्चों के लिए स्कूल पहुंच गए। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई और सभी स्कूलों में बम निरोध दस्ते व खोजी कुत्तों की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। कई घंटे की छानबीन के बाद जांच दल को कुछ भी संदिग्ध व आपत्तिजनक चीज नहीं मिली। इसके बाद पुलिस और स्कूल प्रबंधनों ने राहत की सांस ली।

इस बीच गृह मंत्रालय ने कहा है कि यह धमकी एक अफवाह प्रतीत होती है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अफवाहों पर ध्यान नहीं दे। वहीं पुलिस का कहना है कि स्कूलों को जो ईमेल मिला है, वह एक ही स्रोत से भेजा गया है जिसका मकसद दहशत फैलाना था। इसके रूस से भेजे जाने का संदेह है। उन्होंने कहा कि यह भी हो सकता है कि दोषियों ने डार्क नेट का इस्तेमाल कर अपनी पहचान गुप्त रखी हो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घटना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है, इसलिए दिल्ली पुलिस आईपीसी के कड़े प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सकती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, उसे बुधवार दोपहर 12 बजे तक विभिन्न स्कूलों से ऐसे सौ से अधिक फोन कॉल आए जिनमें बम रखे होने की जानकारी दी गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह छह बजे से ही फोन आने शुरू हो गए थे। दमकल सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें दोपहर बाद भी कॉल आते रहे और दमकल कर्मी स्कूल परिसर में मुस्तैद रहे। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के कई निजी स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

नई दिल्ली में बम की धमकी मिलने के बाद स्कूल से निकलते बच्चे। फोटोः रंजन डिमरी

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि धमकी अफवाह प्रतीत होती है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने उन सभी स्कूलों की गहन जांच की है जहां बम रखे होने की धमकी मिली थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, जांच में कुछ नहीं मिला। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच कहा कि दिल्ली के कुछ स्कूलों को बम की धमकी वाले ई-मेल मिले। दिल्ली पुलिस ने प्रोटोकॉल के अनुसार ऐसे सभी स्कूलों की गहन जांच की है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें संदेह है कि ईमेल किसी एक स्रोत से ही दिल्ली और उससे लगे नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के स्कूलों को भेजा गया। सभी स्कूलों को प्राप्त ईमेल एक जैसे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के लिए भेजे गए ईमेल के स्रोत का पता लगा लिया है और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। सक्सेना ने इसी तरह का ईमेल प्राप्त करने वाले मॉडल टाउन के डीएवी स्कूल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने बम रखे होने की धमकी वाले ईमेल पर तत्काल कार्रवाई की और बम निरोधक दस्तों और खोजी कुत्तों के साथ स्कूल परिसरों में सघन तलाशी ली। दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने भी अभिभावकों से नहीं घबराने की अपील करते हुए एक्स कहा कि कुछ स्कूलों को आज सुबह बम रखे होने की धमकी मिली। छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और स्कूल परिसरों की दिल्ली पुलिस तलाशी ले रही है। उन्होंने कहा, हम पुलिस और स्कूलों के साथ संपर्क में हैं। अभिभावकों और नागरिकों से अनुरोध करेंगे कि घबराएं नहीं। **(शेष पेज 9)**

चुनाव आयोग ने वीवीपैट की सुरक्षा बढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद चुनाव चिह्न लोड करने की यूनिट (एसएलयू) के प्रबंधन और भंडारण के लिए नया दिशानिर्देश जारी किया है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि एसएलयू को एक कंटेनर में सील व सुरक्षित किया जाए और चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कम से कम 45 दिन तक उसे स्ट्रॉंग रूम में ईवीएम के साथ रखा जाए। आयोग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को एसएलयू के संचालन और भंडारण के लिए नए प्रोटोकॉल (दिशानिर्देश) लागू करने की खातिर आवश्यक बुनियादी ढांचे और प्रावधान बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वोच्च अदालत ने पिछले शुक्रवार को चुनाव में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के अनुरोध पर एसएलयू को सील करके उनका भंडारण के निर्देश जारी किए थे। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर चिप के सत्यापन की मांग को स्वीकार कर लिया था। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नाम और उनके चुनाव चिह्न एसएलयू के जरिए वीवीपैट या पेपर ट्रेल मशीनों पर अपलोड किए जाते हैं। अभी तक, ईवीएम और वीवीपैट पर्चियों को नतीजों के बाद 45 दिन तक सुरक्षित रखा जाता था। परिणाम की घोषणा के बाद इन 45 दिन में, लोग किसी परिणाम को चुनौती देते हुए संबंधित उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं। याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा ईवीएम और वीवीपैट पर्चियां मंगाई जा सकती हैं। एसओपी के अनुसार, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र/सेगमेंट में कमीशनिंग अवधि के दौरान, सभी सिंबल लोडिंग यूनिट अपने सहायक उपकरण के साथ, जैसा भी मामला हो, रिटर्निंग ऑफिसर/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की सुपुर्दगी में रहेंगे और सुरक्षित रूप से संग्रहीत किए जाएंगे। उचित सुरक्षा के साथ कमीशनिंग परिसर में लॉकर/तिजोरी/अलमारी आदि को ताले और चाबी में रखें। आरओ/एआरओ कमीशनिंग अवधि के दौरान सिंबल लोडिंग यूनिट और उसके सहायक उपकरणों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जिम्मेदार होंगे। किसी विशेष एसी/एएस में उपयोग किए जाने वाले सहायक उपकरण सहित एसएलयू के प्रत्येक सेट को एक अलग कंटेनर में रखा जाएगा। एक कंटेनर में एसएलयू के एक से अधिक सेट और उसके सहायक उपकरण नहीं रखे जाने चाहिए।

एसएलयू कंटेनरों को सील करने के बाद, कमीशनिंग के पूरा होने के 24 घंटे के भीतर संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के पास जमा किया जाएगा। इन कंटेनरों को डीईओ द्वारा एक अलग स्ट्रांग रूम/सुरक्षित कमरे में संग्रहित किया जाएगा और दरवाजे पर एसएलयू भंडारण कक्ष के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रयुक्त एसएलयू और रिजर्व एसएलयू दोनों को एसएलयू भंडारण कक्ष में संग्रहित किया जाएगा। इनके भंडारण एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला निर्वाचन अधिकारी की होगी। एसएलयू भंडारण कक्ष डबल लॉक प्रणाली के तहत होगा और प्रत्येक ताले की सभी चाबियां दो **(शेष पेज 9)**

कांग्रेस को फिर झटका, दो पूर्व विधायकों ने पार्टी छोड़ी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में 25 मई को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। इंडिया गुट के सहयोगी आम आदमी पार्टी (आप) के साथ दिल्ली की सात में से तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है कांग्रेस के लिए मुश्किलों का दौर खत्म नहीं हो रहा है। बुधवार को भी पार्टी से नेताओं का पलायन जारी रहा, जिसके चलते कांग्रेस लड़खड़ाती सी लग रही है। लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस के दो पूर्व विधायक और पर्यवेक्षक नसीब सिंह और नीरज बसोया ने आप के साथ गठबंधन बनाने के पार्टी के फैसले और कन्हैया कुमार तथा उदित राज को लोकसभा टिकट देने के विरोध में पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, नीरज बसोया और नसीब सिंह को लिखे अलग-अलग पत्रों में, जो क्रमशः पश्चिम दिल्ली और उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीटों के लिए एआईसीसी पर्यवेक्षक हैं, ने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ता परेशान हैं और आप से गठबंधन के कारण अपमानित महसूस कर रहे हैं। लवली द्वारा आप के साथ गठबंधन का हवाला देकर इस्तीफा देने और राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस उम्मीदवारों के बयानों के बाद पार्टी की दिल्ली इकाई में दरारें उजागर होने के बाद कांग्रेस ने मंगलवार को पूर्व विधायक देवेंद्र यादव को अपनी दिल्ली इकाई का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया था। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए बसोया ने अपने पत्र में कहा, मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि यह गठबंधन दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए बदनामी और शर्मिंदगी का सबब बन रहा है और मेरा मानना है कि एक स्वाभिमानी पार्टी नेता के तौर पर मैं पार्टी के साथ अब और जुड़ा नहीं रह सकता। बसोया ने अपने पत्र में लिखा कि आप के शीर्ष तीन नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया पहले से ही जेल में हैं और उनकी पार्टी पर दिल्ली आबकारी घोटाला और दिल्ली जल बोर्ड घोटाला जैसे विभिन्न मुद्दों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने पत्र में **(शेष पेज 9)**

अमेठी, रायबरेली के लिए प्रत्याशियों की घोषणा आज होगी

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि 24 घंटे के भीतर पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) द्वारा अमेठी और रायबरेली लोकसभा के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी, जिसने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अमेठी और रारबरेली के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने का अधिकार दिया है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने एआईसीसी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में कहा, मेरी उम्मीद है कि अगले 24-30 घंटों में कांग्रेस अध्यक्ष अंतिम निर्णय ले लेंगे और उनके द्वारा लिए गए निर्णय की घोषणा की जाएगी। अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी अमेठी से और प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं, यह सीट पहले उनकी मां सोनिया गांधी के पास थी। दोनों सीटों को गांधी परिवार का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस की स्थानीय इकाइयों ने मांग की है कि परिवार के दोनों वंशज वहां से चुनाव लड़ें। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में सपा के साथ गठबंधन किया है और राज्य की 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

प्रज्वल जांच में शामिल होने को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु/नई दिल्ली

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने व उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के बाद आरोपी सांसद ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि वह जल्द ही जांच में शामिल होंगे और सच्चाई सामने आएगी। रेवन्ना के परिवार ने अपने होलेनरासिपुरा आवास पर हवन किया, जो उनके पिता जद (एस) विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना का भी घर है।

सांसद, जो अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव समाप्त होते ही देश छोड़कर चले गए, ने लगभग 3,000 स्पष्ट वीडियो के विशाल भंडार की जांच के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा है। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, चूंकि मैं पूछताछ में शामिल होने के लिए बेंगलुरु में नहीं हूं, इसलिए मैंने अपने वकील के माध्यम से सीआईडी बेंगलुरु को सूचित कर दिया है। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। विधायक और पूर्व मंत्री एच डी रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल के खिलाफ उनके पूर्व रसोइया और रिश्तेदार की शिकायत पर होलेनरासिपुरा में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रज्वल ने उनकी बेटी को वीडियो कॉल किया और आपत्तिजनक तरीके से बात की, जिससे उन्हें उसे ब्लॉक करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जद (एस) के टिकट पर हासन से फिर से चुनाव लड़ रहे सांसद ने अपने वकील अरुण जी द्वारा एसआईटी के पुलिस उपाधीक्षक को लिखा एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने अधिकारी के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा क्योंकि वह विदेश में है। इसके अलावा, मोदी को लिखे एक पत्र में, कर्नाटक सरकार ने पीएम से फरार

संसद सदस्य की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के राजनयिक और पुलिस चैनलों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पुलिस एजेंसियों का उपयोग करने जैसे अन्य कदम उठाने को कहा। प्रज्वल हासन से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार हैं, जहां शुक्रवार को मतदान हुआ। प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने के स्पष्ट वीडियो क्लिप हाल के दिनों में हासन में प्रसारित होने लगे थे, जिसके बाद राज्य सरकार ने सांसद की कथित संलिप्तता वाले अपराध की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया था।

सिद्धारमैया ने कहा, रिपोर्टों के अनुसार आसन्न पुलिस मामले और गिरफ्तारी को भांपते हुए आरोपी सांसद और लोकसभा के लिए एनडीए उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना 27 अप्रैल को ही देश छोड़कर विदेश यात्रा पर गए हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि वह अपने राजनयिक पासपोर्ट पर विदेश यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबकि एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कई महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपों की जांच के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है, उन्हें देश वापस लाना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि वह देश के **(शेष पेज 9)**

धर्मनिष्ठ राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। राम मंदिर में दर्शन से पहले उन्होंने सरयू आरती में हिस्सा लिया और यहां हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा की। फोटोः पायनियर

हिन्दू विवाह संस्कार है, पार्टी नहीं: सर्वोच्च न्यायालय

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि हिंदू विवाह नाचने-गाने, खाने-पीने या वाणिज्यिक लेनदेन का अवसर नहीं है और वैध रस्मों को पूरा किए बिना किसी शादी को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत मान्यता नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार और पवित्र बंधन है जिसे भारतीय समाज में काफी महत्व दिया जाता है। हाल ही में पारित अपने आदेश में पीठ ने युवक-युवतियों से आग्रह किया कि वे विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले ही इसके बारे में गहराई से विचार करें क्योंकि भारतीय समाज में विवाह एक पवित्र बंधन है। देश के सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने दो प्रशिक्षित वाणिज्यिक पायलटों के मामले में अपने आदेश में यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। दोनों पायलटों ने वैध रस्मों से विवाह किए बिना ही तलाक के लिए मंजूरी मांगी थी।

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा, शादी नाचने-गाने और खाने-पीने का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और उपहारों की मांग करने का अवसर नहीं है, जिसके बाद आपराधिक कार्यवाही शुरू हो सकती है। शादी कोई वाणिज्यिक

लेनदेन नहीं है। यह एक पवित्र बंधन है जो एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध स्थापित करने के लिए है, जो भविष्य में एक विकसित परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं, जो भारतीय समाज की एक बुनियादी इकाई है। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने अपने आदेश में कहाकि हिन्दू विवाह को पवित्र बताया क्योंकि यह दो लोगों को आजीवन, गरिमापूर्ण, समान, सहमतिपूर्ण और स्वस्थ मिलन प्रदान करती है। उसने कहा कि हिंदू विवाह परिवार की इकाई को मजबूत करता है और विभिन्न समुदायों के भीतर भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम उन युवा पुरुषों और महिलाओं के चलन की निंदा करते हैं जो (हिन्दू विवाह) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैध विवाह समारोह के अभाव में एक-दूसरे के लिए पति और पत्नी होने का दर्जा हासिल करना चाहते हैं और इसलिए कथित तौर पर शादी कर रहे हैं...। पीठ ने 19 अप्रैल के अपने आदेश में कहा कि जहां हिंदू विवाह सप्तपदी (दूल्हा एवं दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के समक्ष सात फेरे लेना) जैसे संस्कारों या रस्मों के अनुसार नहीं किया गया हो, उस विवाह को हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा।

हिंदुओं को आतंकवादी कहने वालों को वोट न देना: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/सोलापुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई दुश्मन देश भारत की सीमा में अतिक्रमण नहीं कर सकता। नक्सलवाद, आतंकवाद समाप्त हो गया। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं। यह कांग्रेस के समय का भारत नहीं है कि कोई थप्पड़ मारता था तो कहते थे कि रुक जाओ, कहीं माहौल खराब न हो जाए। अब कोई थप्पड़ मारेगा तो नया भारत जोरदार घूसे से उसका जबड़ा तोड़ने की ताकत रखता है।

यह बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने बुधवार को सोलापुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीराम सतपुते के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी बुधवार को दूसरी बार महाराष्ट्र के चुनावी रण में उतरे। सीएम ने कहा कि हिंदुओं को अपमानित करने के लिए इन लोगों ने क्या कुछ नहीं किया। यह वही कांग्रेस है, जिसने राम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा किया था और हिंदुओं को अपमानित करने के लिए यूपीए सरकार में हिंदू आतंकवाद का शब्द भी दिया था। सीएम ने लोगों से पूछा कि हिंदू आतंकवादी होता है क्या। देश के तत्कालीन गृह मंत्री के परिवार के लोग खूनी पंजे से चुनाव लड़ने आए हैं। आपको उनसे सावधान रहना है। इन लोगों ने यह भी कहा था कि मालेगांव विस्फोट में योगी आदित्यनाथ का भी नाम होगा। हम सीबीआई रेड कराएंगे। हमने कहा कि प्रमाण के साथ भेजना।

सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस गुमराह करने के लिए जातीय जनगणना का झुनझुना पकड़ाया है। इसके माध्यम से यह हिंदू जातियों को लड़ाएंगे और जब आरक्षण का मुद्दा इनके मुद्दे से अलग हो जाएगा। हिंदू लड़ने लग जाएगा तो आपके हक को मुसलमानों को देंगे। फिर भारत के इस्लामीकरण- तालीबानीकरण की रूपरेखा कांग्रेस तैयार कर देगी। मजहब के आधार पर फिर से बंटवारा नहीं होने देना है। सीएम योगी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पावन जन्मभूमि से आया हूं। रामजन्मभूमि आंदोलन में महाराष्ट्र के भाजपा व शिवसेना कार्यकर्ताओं ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया और सफलता अर्जित की। पीएम मोदी के प्रयास व सभी के सहयोग से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया है। यह मंदिर भव्य भारत के राष्ट्र मंदिर का चित्रण प्रस्तुत करता है। राम मंदिर इस बात का संकेत है कि हम एकजुट होकर कार्य करेंगे तो सिद्धि जरूर प्राप्त होगी।

सीएम ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर कांग्रेस के लोग नहीं बना पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। जब राम मंदिर का फैसला हो रहा था तो कहते थे कि खून की नदियां बहेंगी। मैंने कहा कि यूपी में हम हैं, मच्छर भी नहीं मरने वाला। यूपी में सात वर्ष में दंगा-कर्फ्यू तक नहीं लगा। यूपी में राम मंदिर बना है तो माफिया का राम नाम सत्य भी हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि दस वर्ष तक बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान की पूजा, महात्मा फूले

इस चुनाव के बाद इतिहास बन जाएगी कांग्रेस

● देश में जब भी कोई आपदा आती है तो राहुल गांधी इटली भाग जाते हैं: मुख्यमंत्री

लखनऊ/सांगली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को महाराष्ट्र की सांगली लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस चुनाव में जितना झूठ बोल सकती है बोल रही है, क्योंकि उसे मालूम है इस चुनाव के बाद कांग्रेस इतिहास बनने वाली है। उसको मालूम है कि इसके बाद कांग्रेस को देश की जनता पूरी तरह से ठुकरा देगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में तो जनता ने इन्हें 4 सीट तक नहीं दी, यानी राम नाम सत्य बोलने वाले चार लोग भी नहीं हैं इनके पास। अब उनके पास एक ही उपाय है की हिंदू समाज को फिर से बांटो। वो जाति के नाम पर बाटेंगे, जातीय जनगणना के नाम पर आपको गुमराह करेंगे। आपस में लड़ाने के बाद वह चुपचाप ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण का हिस्सा मुसलमानों को बांट देंगे। कांग्रेस के लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। ऐसे लोगों को हमें दोबारा सत्ता में वापस नहीं लाना है। सीएम योगी ने छत्रपति शिवाजी महाराज का नारा लगाते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र की वीर शौर्य भूमि है जिस भूमि ने भारत को अटक से कटक तक का सीमा विस्तार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। सांगली की यह भूमि शौर्य और पराक्रम की भी है,कला संस्कृति की भी है। यहां का मेहनतकस अन्नदाता और ऊर्जा से ओतप्रोत नौजवान अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करके आगे बढ़ता है। सांगली में आप सभी से लोकतंत्र के इस महापर्व पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की पावन धरा से अपील करने के लिए आपके बीच आया हूं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने भारत को बहुत कुछ दिया है। जब हम महाराष्ट्र की बात करते हैं तो जन-जन के मन में स्वराज का भाव पैदा करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मरण हर भारतवासी करता है।

फ़तवे और फ़रमान से नहीं, बाबा साहब के संविधान से चलेगा देश: अनुराग ठाकुर

● केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अयोध्या में राम लला की पूजा-अर्चना की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/अयोध्या/बस्ती/ सिद्धार्थनगर

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज अपने उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान कहा यह देश किसी फतवे या फरमान से नहीं बल्कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के संविधान से चलेगा। मोदी जी के 10 वर्षों के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के बाद अब जाति और धर्म के नाम पर वोट मांगने की राजनीति नहीं चलने वाली। अनुराग सिंह ठाकुर ने बस्ती में सांसद हरीश द्विवेदी के नामांकन व रोड शो में उपस्थित रह कर विशाल जनसभा को संबोधित किया व साथ ही डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर बुधवार को अयोध्या में राम लला की पूजा-अर्चना की। अनुराग ठाकुर ने यह बातें उत्तर प्रदेश के बस्ती में कहीं जहां कुछ नेताओं द्वारा लोगों से वोट जिहाद करने की मांग की खबरें सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य अब जिहाद और फसाद में नहीं है। ऐसी बातें करने वालों का भविष्य अब खुद खतरे में आने वाला है क्योंकि आज दिल्ली में गोरी, गजनवी और मुगलों का शासन नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों द्वारा संवैधानिक रूप से चुनी हुई सरकार का शासन है। उत्तर प्रदेश में दो शहज़ादे फिर से जाति, धर्म और तुष्टिकरण की राजनीति के आधार पर जनता को ठगने निकले हैं। मगर देश और उत्तर प्रदेश का भरोसा सिर्फ़ मोदी जी की गारंटी और कमल निशान पर है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती है इसीलिए उसने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में एससी, एसटी और ओबीसी भाइयों बहनों का आरक्षण छीन कर मुसलमानों को दिया। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण की पक्षधर रही है और सिर्फ़ तुष्टिकरण के लिए किसी विशेष धर्म को आरक्षण के देने के सख्त खिलाफ है। भाजपा ने विकास किसी कि जाति और धर्म को देखकर नहीं किया और भाजपा के विकास कार्यों का सबसे ज़्यादा लाभ हमारे मुसलमान भाइयों बहनों को मिला है। क्योंकि हम तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में बम धमाके होते थे और सरकार कुछ नहीं करती थी। हमारी सरकार आई तो हमने आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारा। विपक्ष के लोग तो संसद हमले के आरोपी अफजल गुरु की फांसी को रुकवाने के लिए रात के 2:00 बजे सुप्रीम कोर्ट गए थे। आज राहुल गांधी ने देश के टुकड़े-टुकड़े करने के नारे लगाने वाले को दिल्ली से टिकट दिया है।

मुख्तार और अतीक के नाम पर इंडी गठबंधन के लोग वोट मांग रहे: पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को फ़तेहपुर में भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति के नामांकन में हिस्सा लिया। इससे पहले हुई नामांकन सभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्तार और अतीक के नाम पर इंडी गठबंधन के लोग वोट मांग रहे हैं। ये इंडी गठबंधन वालों के लिए आदर्श हैं, ये डीरेल हो चुके लोग हैं जनता इन्हें माफ़ करने वाली नहीं है। ये प्रदेश की सभी सीटों पर हार रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सभ्य समाज में गुंडा और माफिया आदर्श नहीं हो सकते हैं। सभ्य समाज में इनका कहीं कोई स्थान नहीं है, लेकिन विपक्षियों के लिए यही समाज के अगुआ हैं, इनके लिए ये वोट के ठेकेदार हैं। लेकिन, भाजपा सरकार ने इनकी दुकानदारी पर ताला लगा दिया है। आज गुंडे, माफिया, दंगाई उत्तर प्रदेश में खुलेआम नहीं घूम सकते, बहन-बेटी, कारोबारी और आम आदमी को परेशान नहीं कर सकते। पाठक ने कहा कि संपूर्ण विपक्ष क्राइम, करप्शन और कास्ट की घिनौनी राजनीति का कॉकटेल है। यह ऐसा जहर है जो समाज को दूषित तो करता ही है, भारत की तरक्की में भी बाधक है। कांग्रेसी और इंडी अलायंस के नेता 12 लाख करोड़ के घपले के आरोपी हैं। इनके तमाम नेता जेल में हैं और तमाम बेल पर हैं। ये भ्रष्टाचारी खुद को बचाने के लिए मोदी जी और भाजपा का विरोध करते हैं। इनकी नीति, नीयत और नेता सब संदेह में हैं। उपमुख्यमंत्री ने अपील की कि सभी भाजपा उम्मीदवार को जिताने के लिए ईवीएम में कमल का बटन दनादन दबायें। आपका हर एक वोट मोदी जी को मजबूत करेगा, मोदी जी मजबूत होंगे तो भारत सशक्त होगा। यहाँ के गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति को मान, सम्मान और स्वाभिमान से जीवन जीने और अपने लक्ष्यों को हासिल करने के सम्यक अवसर मिलेंगे।

विपक्षी झूठ की दुकान चला रहे हैं: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कौशांबी में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। वे कौशांबी में भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार विनोद सोनकर के नामांकन से पहले हुई सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी मोहब्बत नहीं झूठ की दुकान चला रहे हैं। वे संविधान पर खतरे की बात कह रहे हैं, असल में सपा, बसपा और कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व खतरे में है। संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा तो इंडी अलायन्स वाले ही हैं। इन्होंने देश की चुनी हुई सौ से ज्यादा सरकारों को बर्खास्त किया है। इन्होंने संविधान से खिलवाड़ किया है, जनता इन्हें माफ करने वाली नहीं है। देश एवं प्रदेश की जनता मोदी जी के लिए ईवीएम से कमल को लबालब करने जा रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 प्रधानमंत्री मोदी के नाम की लहर चल रही थी फिर 2019 में मोदी के नाम की आंधी थी, लेकिन 2024 मोदी के नाम की सुनामी चल रही है। सपा समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी। बसपा और कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व खतरे में आ गया है। भाजपा यूपी में सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करने जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भाजपा की महाविजय होगी। यूपी की सभी सीटें भाजपा जीतने जा रही है। मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। पहले भारत दुनिया के पीछे चलता था, लेकिन अब दुनिया भारत के पीछे चलेगी। इसके लिए मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना जरूरी हो गया है। यूपी में सपा, बसपा और कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलेगा।

जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को इटावा और मैनपुरी में विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में शामिल हुए। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में यादव ने कहा कि मैनपुरी की जनता हमेशा समाजवादियों के साथ रही है। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र हर चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताने के लिए अपना रिकार्ड तोड़ देता है। हमने महसूस किया है कि जनता ने मन बना लिया है कि एक-एक वोट समाजवादी पार्टी के पक्ष में डालकर चुनाव रिकार्ड वोटों से जिताएगी। इस बार कार्यकर्ताओं और नेताओं की जिम्मेदारी ज्यादा। उन्होंने मैनपुरी में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी डिम्पल यादव को रिकार्ड वोटो से जिताने की अपील की।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री हमारे चाचा को देखते हैं तो घबरा जाते हैं। अभी कुछ दिन पहले वे एक सभा में प्रसाद को चूरन बोल गए। उनके समझ में नहीं आता क्या बोलना चाहिए। मुख्यमंत्री को भी पता है कि भाजपा जसवंतनगर से लाखों वोटों से हारेगी। जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। भाजपा के लोगों ने सब कुछ उल्टा पुल्टा कर दिया है। देश को उलझा दिया है। इन्हें हटाना जरूरी है, नहीं तो संविधान को बदल देंगे। लोकतंत्र खत्म कर देंगे। संविधान बदल कर भाजपा जनता के अधिकार छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तमाम ऐसे फैसले किए जिससे देश और जनता को नुकसान हुआ। नोटबंदी का फैसला अचानक लिया गया। सेना की पक्की नौकरी खत्म कर जवानों की नौकरी चार साल करके अग्निवीर बना दिया। भाजपा ने जानबूझ कर युवाओं के साथ ऐसा किया है। सपा इंडिया गठबंधन की सरकार में सेना की पक्की नौकरी कर दी जाएगी। पेंशन और पूरी सुविधाएं दी जाएगी। भाजपा ने नौकरियों को आउटसोर्स से तो किया ही, कई विभागों को आउटसोर्स कर दिया। भाजपा संविधान बदलने के रास्ते पर है। सरकारी विभागों का निजीकरण कर दिया। उन विभागों की नौकरियों में आरक्षण खत्म हो गयी। हवाई जहाज, टेलीफोन के विभाग, पानी के जहाज वाला विभाग सब निजी क्षेत्र में जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का बनाया हुआ संविधान इस देश के दबे-कुचले, गरीबों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, आदिवासियों की संजीवनी है। उसी से अधिकार और सम्मान मिल रहा है। यह संविधान हम सबको एक वोट डालने का अधिकार देता है। भाजपा इस अधिकार को छीनना चाहती है। यादव ने कहा कि चुनाव में मतदान के समय सभी को सावधान रहकर वोट डालना है। अपने बूथ और वोट की रक्षा करनी है। पहले दो चरणों के चुनाव में भाजपा बहुत पीछे छूट गयी है। उनके नेता चार सौ पार का नारा भूल गए हैं। उनकी भाषा में बौखलाहट है। लोकतंत्र में ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जनता भाजपा के खिलाफ खड़ी है। इसीलिए ये सब घबराए हुए हैं। भाजपा ने इलेक्टोरल बांड के नाम पर देश की तमाम कम्पनियों पर सरकारी विभागों से दबाव बनाकर हजारों करोड़ रुपए चंदा वसूला। जिन कंपनियों का कोई मुनाफा नहीं है। कोई खास बिजनेस नहीं है उनसे भी सैकड़ों करोड़ चंदा वसूला। जिन कंपनियों से चंदा वसूला उन्होंने मनमाने तरीके से अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए, जिसके कारण देश में महंगाई आसमान पर है। भाजपा ने कंपनियों से चंदा वसूला, उद्योगपति महंगाई बढ़ाकर जनता से वसूल रहे हैं। भाजपा सरकार ने उन्हें लूटने की पूरी छूट दे रखी है। खाद की बोरी से भी चोरी हो गयी। पांच-पांच किलो की कटौती कर दी। अखिलेश यादव ने कहा कि वैक्सीन को लेकर बात खुल गयी। वैक्सीन बनाने वाले खुद कह रहे कि इसका साइडइफेक्ट है। लोगों को जबदस्ती वैक्सीन लगवाई। अब जनता के मन में अलग तरह की चिंता है। भाजपा ने वैक्सीन वालों से भी चंदा वसूल लिया। श्री यादव ने कहा कि समाजवादियों को सभी लोगों, वर्गों के पार घर-घर वोट के लिए जाना चाहिए। आज हर वर्ग समाजवादी पार्टी को वोट देना चाहता है।

भाजपा ने देश के सामने संकट खड़ा किया: शिवपाल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने देश के सामने संकट खड़ा किया है। भाजपा झूठी पार्टी है। इस चुनाव में भाजपा को सबक सिखाना है। दस साल में भाजपा ने जितने भी वादे किए थे, एक भी वादे पूरे नहीं किए है। बीजेपी ने प्रदेश की जनता किसान, गरीब, नौजवान के सामने परेशानी खड़ी की। भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्ट्राचार पर बात नहीं करती है। जनता इस चुनाव में समाजवादी पार्टी को बड़े अंतर से जिताना चाहती है।

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव के परिवार पर भाजपा जितना कटाक्ष करेगी, समाजवादी पार्टी मैनपुरी में उतनी ज्यादा वोटों से जीतेगी। शिवपाल सिंह यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सिर्फ कपड़ों से संत लगते हैं उनकी भाषा संतों की नहीं है। यादव ने कहा कि बाबाजी, हम तो समाजवादी पार्टी में जिला पंचायत से लेकर प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री, नेता विरोधी दल, कोआपरेटिव बैंक अध्यक्ष सब कुछ रहा। हमने उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा की, लेकिन ये मुख्यमंत्री होकर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा से प्रत्याशी डिम्पल यादव को पहले से ज्यादा वोटों से जिताना है। जसवंतनगर में जीत का रिकार्ड तोड़ना है। 90 फीसदी से ज्यादा वोट डलवाना। साइकिल पर बटन दबाना है। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और हजारों की संख्या लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक किता भूखण्ड सं0-33, रकबा 1000 वर्गफिट, जो खसरा सं0-315 का मिनजुमला है, स्थित-ग्राम-मिर्जापुर तहसील बी0के0टी0 लखनऊ की स्वामित्व श्रृखला का "मूल विक्रय विलेख पंजीकृत दिनांक 04.03.2016 जो सुशील कुमार रावत द्वारा नैना मिश्रा के पक्ष में निष्पादित है तथा जो कार्यालय उपनिबंधक बी0के0टी0 लखनऊ में बही 1 जिल्द 8518 पृष्ठ 01-20 क्रमांक 3066 पर दिनांकित 04.03.2016 को पंजीकृत है जो दिनांक 23.04.2024 को लगभग शाम 6 बजे अतुल कुमार पाण्डेय (वर्तमान स्वामी) से अपने घर से जानकीपुरम चौराहा फोटोकापी कराने जाते समय, जानकीपुरम चौराहा पर कहीं खो गया है, उपरोक्त सम्पत्ति पल्लवी शर्मा द्वारा अतुल कुमार पाण्डेय (वर्तमान स्वामी/विक्रेता) से क्रय की जा रही है जो कि पी0एन0बी0 हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से लोन के सापेक्ष बन्धक की जायेगी। इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को ये विलेख प्राप्त हुये हो तो अधोहस्ताक्षरी को पहुँचा दे अथवा किसी प्रकार की कोई आपत्ति या हित है तो साक्ष्य व दस्तावेजो के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करे।

अमित कुमार सिंह राठौर-अधिवक्ता,
पता- चेम्बर 7, यू0जी0एफ0, कृष्णा टावर,
चकबस्त रोड, कैसरबाग, लखनऊ। मो0 9559811119

पहले दो चरण ने सत्ता परिवर्तन की नींव रख दी है: राजीव शुक्ला

अटल की विरासत की नहीं, अवसरवादी है आज की भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर राज्यसभा सांसद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजीव शुक्ला ने कहा कि यह चुनाव सत्ता परिवर्तन का है। बीते दो चरणों के मतदान से यह जाहिर हो गया है कि मोदी सरकार के खिलाफ जबरदस्त अंडर करंट है। 400 पार का नारा अब प्रधानमंत्री जी खुद ही अपने भाषणों में इस्तेमाल नहीं करते। 400 पार तो छोड़िए मोदी जी ने अब मोदी की गारंटी की बात भी कहनी बंद कर दी है और सच तो यह है कि वह फिर अपनी पुरानी बात हिन्दू मुसलमान पर आ गये हैं। राजीव शुक्ला ने यह बात बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता भी कांग्रेस के घोषणा पत्र 'न्याय पत्र' को लेकर झूठ फैला रहे हैं। राजनीति में शुचिता, मर्यादा, को एकदम खत्म कर दिया है इन लोगों ने। उन्होंने कहा कि अटल की विरासत को भी भाजपा ने भुला दिया है। शुक्ल ने कहा कि आज की भाजपा कहती है कि इस देश में जो हुआ सब 2014 के बाद ही हुआ, यह लखनऊ शहर भी 2014 के बाद बना। इस देश का तमाम विकास 2014 के बाद हुआ है। सच यह है कि देश के विकास में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का योगदान है। राजीव शुक्ला ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेई से हमारी सैद्धांतिक असहमतियां थी मगर भारतीय जनता पार्टी आज अपने ही नेता अटल बिहारी बाजपेई, मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं का नाम तक नहीं लेती ना ही प्रचार में उनका कहीं फोटो भी दिखाई देता है। श्री शुक्ला ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर रही है और आयातित नेताओं को टिकट बांट रही है। जैसे हरियाणा में 10 में 6 टिकट बाहर से आये नेताओं को दिया गया। आज भी लगभग 100 से 150 टिकट दूसरी पार्टी के नेताओं को दिये गये हैं। मंत्रिमंडल में नेताओं के बजाय अफसरों को मंत्री बनाया जा रहा है। सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय पूर्व अफसरों के पास हैं। शुक्ला ने कहा कि दो बीते चरणों के चुनाव में वोटों का प्रतिशत कम रहने का अर्थ है कि भाजपा कार्यकर्ता ही मोदी जी की भाजपा के खिलाफ खड़ा हो गया है। साथ ही महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी आम मतदाता मोदी सरकार से नाराज है।

पायनियर वर्गीकृत

आवश्यकता है

आवश्यकता है
ठा० युगराज सिंह महाविद्यालय, शान्तीनगर, फतेहपुर-212601 (उ०प्र०) में डी०एल०एड० (बी०टी०सी०) पाठ्यक्रम हेतु प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की-

प्राचार्य (01 पद), प्रवक्ता (21 पद) 1. प्राचार्य (01) यो0-55% स्नातकोत्तर+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) / एम०एल०एड० तथा अध्यापक शिक्षा संस्थान में शिक्षण कार्य का 05 वर्ष का अनुभव। 2. प्रवक्ता शिक्षा का आधार (03 पद) यो०-समाज विज्ञान / विज्ञानेत्तर विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) अथवा 50% अंकों के साथ दर्शनशास्त्र / समाजशास्त्र / मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि एवं बी०एड०/डी०एल०एड०/शिक्षा में एम०फिल०/ पीएच०डी० । 3. प्रवक्ता विज्ञान (03 पद) यो०-विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 4. प्रवक्ता गणित (03 पद) यो०-गणित विषय में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड०/एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 5. प्रवक्ता भाषा (04 पद) यो०- भाषा विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 6. प्रवक्ता मानविकी एवं समाज विज्ञान (03 पद) यो०-सामाजिक विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड०/एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 7. प्रवक्ता कला (03 पद) यो०-ललित कलाओं / संगीत / नृत्य/थियेटर विषयों में स्नातकोत्तर 50%। 8. प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा (02 पद) यो० एम०पी०एड० 50% । वेतनमान - सम्बद्धक निकाय के मानकानुसार। नोट- आवेदन पत्र, जिस पर अभ्यर्थी का मोबाइल नं० अंकित हो, दो फोटो एवं समस्त शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्र की स्व प्रमाणित छायाप्रतियों सहित विज्ञापन तिथि से 21 दिनों के अन्दर कार्यालय सचिव, ठा० युगराज सिंह महाविद्यालय, शान्तीनगर, फतेहपुर-212601 (उ०प्र०) के पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा ईमेल/व्हाट्सएप पर प्रेषित करें। अर्ह अभ्यर्थी को साक्षात्कार तिथि की सूचना महाविद्यालय द्वारा ईमेल/मो०नं०/स्पीड पोस्ट आदि के माध्यम से दी जायेगी।

सचिव
मो०नं०:8052733333, 8810759527
E-mail: tysmahavidyalaya@gmail-com

आवश्यकता है

आवश्यकता है
खुशी इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, सौरा, फतेहपुर-212664 (उ०प्र०) में डी०एल०एड० (बी०टी०सी०) पाठ्यक्रम हेतु प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की-

प्राचार्य (01 पद), प्रवक्ता (06 पद)

1. प्राचार्य (01) यो0-55% स्नातकोत्तर+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) /एम०एल०एड० तथा अध्यापक शिक्षा संस्थान में शिक्षण कार्य का 05 वर्ष का अनुभव। 2. प्रवक्ता शिक्षा का आधार (01 पद) यो०-समाज विज्ञान/विज्ञानेत्तर विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड०/एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) अथवा 50% अंकों के साथ दर्शनशास्त्र / समाजशास्त्र /मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि एवं बी०एड० / डी०एल०एड०/शिक्षा में एम० फिल०/पीएच०डी० । 3. प्रवक्ता विज्ञान (01 पद) यो०-विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड० / एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 4. प्रवक्ता गणित (01 पद) यो०-गणित विषय में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड०/एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 5. प्रवक्ता भाषा (01 पद) यो०- भाषा विषयों में स्नातकोत्तर 50%+50% एम०एड०/एम०ए० (शिक्षाशास्त्र), 6. प्रवक्ता कला (01 पद) यो०- ललित कलाओं/संगीत/नृत्य/थियेटर विषयों में स्नातकोत्तर 50%। 7. प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा (01 पद) यो०-एम०पी०एड० 50%। वेतनमान - सम्बद्धक निकाय के मानकानुसार। नोट- आवेदन पत्र, जिस पर अभ्यर्थी का मोबाइल नं० अंकित हो, दो फोटो एवं समस्त शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्र की स्व प्रमाणित छायाप्रतियों सहित विज्ञापन तिथि से 21 दिनों के अन्दर कार्यालय- सचिव, चन्द्रप्रभा हाउस, नई बाजार, खागा, फतेहपुर-212655 (उ०प्र०) के पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा ईमेल/व्हाट्सएप पर प्रेषित करें। अर्ह अभ्यर्थी को साक्षात्कार तिथि की सूचना महाविद्यालय द्वारा ईमेल/मो०नं०/स्पीड पोस्ट आदि के माध्यम से दी जायेगी।

सचिव
मो०नं०:8810759504, 9839305662
E-mail: abhaygroup@gmail.com

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

मांग सूचना

सिक्योरिटी इन्टरेस्ट एक्ट, 2002 के प्रवर्तन एवं वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निमाण की धारा 13(2) के तहत नोटिस

जबकि, **इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सरफेसी एक्ट की धारा 13(2) के अन्तर्गत निम्न ऋणियों कों मांग सूचना भेजी गई थी। चूंकि डाक द्वारा भेजी गये उक्त नोटिस को प्राप्तकर्ता के प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया। अतः इस प्रकाशन के माध्यम से ऋणियों को नोटिस प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर दर्शायी गयी राशि का भुगतान करने की मांग की जाती है अन्यथा सरफेसी एक्ट की धारा 13(12) तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 8 व 9 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत बैंक चल/अचल सम्पत्ति का कब्जा लेकर बिक्री कर देगा। उधारकर्ता(ओं)/जमानतकर्ता(ओं) को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्यता एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस चल/अचल सम्पत्ति में कोई लेन-देन न करें और इससे किसी प्रकार का लेन-देन बकाया राशि और उस पर निहित अप्रायोजित ब्याज एवं अन्य खर्चे हेतु **इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)** के अध्याधीन होगा।

क्र. सं.	ऋणकर्ता(ओं)/ज़मानतकर्ता(ओं) का नाम व पता/मांग सूचना की तिथि	बकाया धनराशि (रू) / एनपीए तिथि	सम्पत्ति का विवरण
शाखा: एसटीसी, इन्दिरा नगर			
1.	1. श्री सलीम अहमद पुत्र गुलाम अहमद (ऋणी एवं बंधककर्ता), 1/139 सेक्टर-जे जानकीपुरम बेहटा लखनऊ यूपी-226021 2. श्रीमती मीर जहा पत्नी सलीम (जमानतकर्ता), 1/139 सेक्टर-जे जानकीपुरम बेहटा लखनऊ यूपी- 226021 रहीम नगर मड़ियांव लखनऊ यूपी- 226021 मांग तिथि: 20.04.2024	रू. 6,62,661.00 दिनांक 20.04.2024 से प्रभावी + ब्याज एवं अन्य शुल्क एनपीए की तिथि: 31.03.2023	प्लॉट नंबर 17 पर बना मकान, खसरा संख्या 61 स्थित ग्राम-रहीम नगर दुदौली वार्ड फैजुल्लागंज लखनऊ, क्षेत्रफल 55.762 वर्गमीटर, **चौहद्दी: पूर्व**- प्लॉट संख्या 18, **पश्चिम**- प्लॉट संख्या 16, **उत्तर**- अराजी दीगर, **दक्षिण**- 15 फीट चौड़ी सड़क विक्रय विलेख दिनांक 07.02.2007 को बही सं. 1 जिल्द सं. 3880 पृष्ठ 125/142 क्रमांक 1352 उप-रजिस्ट्रार (चतुर्थ) लखनऊ में निष्पादित किया गया।

दिनांक: 02.05.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)

नामांकन

लखनऊ से सपा के रविदास व मोहनलालगंज लोकसभा सीट से आरके चौधरी ने किया नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा तथा मोहनलालगंज (सुरक्षित) लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी आर.के. चौधरी ने आज अपने हजारों समर्थकों के साथ अपने नामांकन पत्र जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किए। रविदास मेहरोत्रा के नाम का प्रस्ताव महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी श्री फाकिर सिद्दीकी, कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष श्री अमित श्रीवास्तव सहित श्री मुकेश शुक्ल एवं नवीन धवन बंटी ने किया। आर.के. चौधरी के प्रस्तावकों में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी सहित सी.एल.वर्मा, अभिषेक मिश्रा एवं सतेन्द्र रावत शामिल रहे है। रविदास मेहरोत्रा का नामांकन जुलूस 19-विक्रमादित्य मार्ग लखनऊ से हजरतगंज, जनपथ मार्केट, लालबाग, नजीराबाद, अमीनाबाद होते हुए लखनऊ कलेक्ट्रेट पहुंचा। यह जुलूस समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में निकला। इस जुलूस पर लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा की। जिस रास्ते से श्री मेहरोत्रा गुजरे वहां लोगों ने रोककर उनका स्वागत किया। पूरे रास्ते भर अखिलेश यादव जिंदाबाद, रविदास मेहरोत्रा जिंदाबाद के नारे लगते रहे।

रविदास मेहरोत्रा के जुलूस में दर्जनों गाड़ियों, स्कूटर, बाइक के अलावा पैदल पार्टी कार्यकर्ता, नेता, महिलाएं, अधिवक्ता, युवा संगठनों के पदाधिकारी तथा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेता, कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शामिल रहे।

मेहरोत्रा का कैसरबाग में लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नावेद अहमद ने स्वागत किया। कई अन्य स्थानों पर भी उनका एकत्र जनसमुदाय ने स्वागत किया। श्री रविदास मेहरोत्रा ने रास्ते में दोनों तरफ खड़े लोगों का अभिवादन किया। जनता ने भी उनका उत्साहपूर्ण अभिनंदन किया। रविदास मेहरोत्रा के नामांकन जुलूस में वंदना मिश्रा, डॉ. मधु गुप्ता, मीरा वर्धन, विधायक अरमान, रेहान खान, पूजा शुक्ला, मोहम्मद एबाद, कामरान बेग, देवेन्द्र सिंह जीतू, सुरेन्द्र बाल्मीकि, डॉ. फिदा हुसेन अंसारी, विजय सिंह, फखरूल हसन चांद, पवन मनोचा, राम सिंह राणा, सुभाष श्रीवास्तव, हमजा विलाल, प्रदीप शर्मा, नीरज यादव, दिनेश कन्नौजिया, सर्वेश यादव, रोहित श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, अनुराग मिश्र, ताराचंद, रूबिया खां, शहजाद आलम, संदीप पोद्दार, हाजी इशहाक सिद्दीकी, मोहम्मद शकील, पायल सिंह, आसिम मार्शल, सुरेश यादव, राजकुमार मौर्य, जालिम सिंह, अमित कन्नौजिया, रमेश यादव, संजय कश्यप, शमशुद्दीन इदरीशी, ललित तिवारी, देवीबख्श सिंह, अपर्णा सिंह, शर्मिला महाराज, विवेक यादव, शाहीन फातिमा, जान आलम खां, डॉ. गोविन्द राम, अरविन्द यादव, जयराम कन्नौजिया, मुन्नी पाल, मेहनाज खां, शालिनी राज, डिम्पी राज, गीता लोधी, सलमा, शीबा खान, विजयलक्ष्मी, लता जायसवाल, शबनम खां, किरन बाला, सुनील तंतुआ, विनोद धीमान आदि अपने तमाम साथियों के साथ शामिल रहे। इस जुलूस में सहयोगी कांग्रेस की ओर से अमन यादव, मनीष लोधी, फखरूल इस्लाम, सतपाल सिंह, किश्वर जहां, यूनुस खान, डॉ0 मोहम्मद, इमरान, मोहम्द वायस आदि भी शामिल रहे।

मोहनलालगंज (सुरक्षित) लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आर.के. चौधरी समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय कैसरबाग लखनऊ से पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ सर्वश्री जगदीप यादव, तेज बहादुर सिंह, सुशीला सरोज, श्याम किशोर, राजेन्द्र यादव, गोमती यादव, सोनू कन्नौजिया, राजबाला रावत, अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, अशोक यादव, राशिद अली, शब्बीर खान, वीर बहादुर सिंह, प्रेमलता यादव, आदर्श सिंह, मायाराम वर्मा, ललिता लोधी राजपूत, ममता रावत, मनोज सिंह चौहान, चंद्रशेखर यादव, मनोज पाल, सोनिक मौर्य, उमाशंकर शर्मा, अजय रावत, गुड्डू लोधी सहित कांग्रेसी नेता सर्वश्री रूद्र दमन सिंह, बबलू सिंह, सुनील गौतम आदि भी सैकड़ों समर्थकों, सहयोगियों के साथ नामांकन जुलूस में शामिल रहे।

सीवर सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत के मामले में दो अभियंता निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर सीवर लाईन सफाई के दौरान दम घुटने से दो मजदूरों की मौत का मामला सामने आया है। इस मामले में प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए दो अभियंताओं को निलबित कर दिया गया। इस मामले में जल निगम शहरी के प्रबंधक निदेशक ने सहायक अभियंता मुनिस अली और अवर अभिंयता गुडलक वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही कार्यदाई संस्था के के स्पन लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई। जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम सीवर की सफाई के दौरान दो मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। दोनों रिश्ते में बाप-बेटे थे। सूचना मिलने पर पुलिस, जलकल विभाग और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक 2 घंटे तक दोनों सीवर में ही फंसे रहे। इसके बाद दोनों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। एक की मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि दूसरे की इलाज के दौरान मौत हो गई। ये मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र के रेजिडेंसी पार्क का है। बुधवार को जलकल निगम के दो कर्मचारी 20 फीट गहरे सीवर की सफाई करने के लिए उतरे थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक उनके बास सेफ्टी इक्विपमेंट नहीं था। इसी दौरान जहरीली गैस से दम उनका दम घुटने लगा। जिससे वह बेहोश हो गए। सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड और नगर निगम की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर मजदूरों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक एक ने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे को बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान सीतापुर के सरवनपुर गांव के रहने वाले सोबरन यादव और उसके बेटे सुशील यादव के तौर पर हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस मामले में जल नगरीय के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार मिश्र के मुताबिक दोनों कर्मचारी बिना सूचना के ही सीवर में उतरे थे। साथ ही इसके जिम्मेदार इंजीनियरों पर भी एक्शन लिया जाएगा। लखनऊ के जलविभाग ने सीवर से जुड़े काम एक प्राइवेट कंपनी मैसर्स केके स्पन को दिया हुआ है। जिसकी एक हफ्ते पहले सीवर में गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी और अब 2 मजदूरों की जान चली गई है। इस मामले में जलकल विभाग की भी बड़ी लापरवाही सामने आई है।

कोविशील्ड वैक्सीन मामले की सर्वोच्च स्तर पर न्यायिक जांच हो: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- **जानलेवा दवाइयों को अनुमति देना किसी की हत्या के षड्यंत्र के बराबर है**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि एक व्यक्ति को 2 वैक्सीन के हिसाब से लगभग 80 करोड़ भारतीयों को कोविशील्ड वैक्सीन दी गयी है, जिसके बारे में उसका मूल फ़ार्मूला बनानेवाली कंपनी ने कहा है कि इससे हार्ट अटैक यानी हृदयघात का ख़तरा हो सकता है। जिन लोगों ने वैक्सीन के साइड एफ़ेक्ट के कारण अपनों को खोया है या जिन्हें वैक्सीन के दुष्परिणामों की आशंका थी, अब उनका शक़ और डर सही साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों की ज़िंदगी से खिलवाड़ करनेवालों को जनता कभी माफ़ नहीं करेगी। अखिलेश ने कहा कि इस मामले में सर्वोच्च स्तर पर न्यायिक जाँच हो। उन्होंने कहा कि ऐसी जानलेवा दवाइयों को अनुमति देना किसी की हत्या के षड्यंत्र के बराबर है और इसके लिए ज़िम्मेदार सभी पर आपराधिक मुक़दमा चलना चाहिए। सत्ताधारी दल ने वैक्सीन बनानेवाली कंपनी से राजनीतिक चंदा वसूलकर जनता की जान की बाज़ी लगायी है। न क़ानून कभी उन्हें माफ़ करेगा, न जनता।

हाईकोर्ट से अब्बास अंसारी की जमानत याचिका खारिज

- **कहा, कानून बनाने वाला कानून तोड़े यह उचित नहीं**

विधि संवाददाता। लखनऊ

चित्रकूट जेल से भागने की साजिश रचने व अन्य आरोपों के मामले में निरुद्ध विधायक अब्बास अंसारी की जमानत याचिका हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दी है। पीठ ने अपने आदेश में अब्बास अंसारी को नसीहत भी दी है। कहा है कि वह एक जिम्मेदार पद पर है। लिहाजा उसका आचरण उच्च कोटि का होना चाहिए। यह कदापि उचित नहीं है कि कानून बनाने वाला ही कानून तोड़ता दिखाई दे। पीठ का कहना था कि जेल में लगे कैमरों और गवाहों के बयान के आधार पर इस मामले में अभियुक्त की संलिप्तता प्रथम दृष्टया स्थापित हो रही है तथा उसके बैकग्राउंड और उसके परिवार के इतिहास को देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि आरोप निराधार हैं।

जस्टिस जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश अब्बास अंसारी की याचिका पर दिया है। पीठ ने 24 अप्रैल को जमानत याचिका पर अभियुक्त व राज्य सरकार के वकीलों की बहस के पश्चात अपना आदेश सुरक्षित कर लिया था। बुधवार को पीठ ने अपना आदेश पारित किया। इस मामले में अभियुक्त अब्बास पर जेल से भागने की साजिश रचने के साथ-साथ जेल में नियमों की अनदेखी कर पत्नी से मुलाकात करने, गवाहों को धमकी देने व रंगदारी की वसूली की साजिश में शामिल होने तथा सुविधाओं के लिए जेल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उपहार, पैसा व प्रलोभन देने आदि के आरोप हैं। इस मामले में सबसे पहले अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो व ड्राइवर नियाज अंसारी को पुलिस एवं प्रशासन ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया था। इसके बाद निखत बानो को चित्रकूट जेल के पास मकान की व्यवस्था कराने एवं बिना पर्ची के मुलाकात कराने के आरोप में फराज खान को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही जेल वार्डन जगमोहन, जेलर संतोष कुमार, जेल अधीक्षक अशोक कुमार सागर व डिप्टी जेलर चंद्रकला की भी गिरफ्तारी हुई। इस मामले में अब्बास अंसारी, उनकी पत्नी निखत बानो, ड्राइवर नियाज अंसारी, फराज खान एवं नवनीत सचान के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। 11 फरवरी 2023 को इस वारदात की रिपोर्ट उप निरीक्षक श्याम देव सिंह ने थाना कोतवाली कर्वी में दर्ज कराई थी।

छुट्टी के दिन का शपथ पत्र दाखिल करना डीएम को पड़ा भारी

विधि संवाददाता। लखनऊ

- **हाईकोर्ट ने हाजिर होने का दिया आदेश**

अवमानना के एक मामले में रविवार के दिन सायं साढ़े छह बजे का शपथ पत्र दाखिल करना अयोध्या के जिलाधिकारी नीतीश कुमार को भारी पड़ गया है। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उन्हें अगली सुनवाई पर उपस्थित होने का आदेश दिया है। साथ ही यह बताने को कहा है कि क्या वह स्वयं हाईकोर्ट परिसर में उपस्थित थे। पीठ ने इसी के साथ सीनियर रजिस्ट्रार को भी आदेश दिया है कि वह सम्बंधित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को सुरक्षित कर लें तथा अगली सुनवाई पर पेश करें। पीठ ने सम्बंधित ओथ कमिश्नर मो. जावेद को भी हाजिर होने का आदेश दिया है। मामले की अगली आठ मई मई को होगी। जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश भोला नाथ शर्मा की अवमानना याचिका पर दिया है। यह याचिका पेंशन भुगतान के आदेश का अनुपालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए दाखिल की गई है। बुधवार को याचिका पर जिलाधिकारी, अयोध्या का सशपथ अनुपालन शपथ पत्र सुनवाई के दौरान दाखिल किया गया। पीठ ने पाया कि उक्त शपथ पत्र 28 अप्रैल की शाम साढ़े छह बजे मुख्य स्थाई अधिवक्ता के कार्यालय मे तैयार किया जाना दर्शाया गया है। जबकि 28 अप्रैल को रविवार होने की वजह से मुख्य स्थाई अधिवक्ता का कार्यालय बंद था। वहीं सरकारी वकील ने बताया कि जिलाधिकारी नीतीश कुमार के कार्यालय के अधिकारियों ने उन्हें उक्त शपथ पत्र दिया था। सरकारी वकील के दफ्तर में उक्त शपथ पत्र को रिकॉर्ड पर लेने का प्रार्थना पत्र व इंडेक्स तैयार किया गया था। पीठ ने इन तथ्यों के सामने आने के बाद जिलाधिकारी नीतीश कुमार को तलब कर पूछा है कि क्या वह 28 अप्रैल को शाम साढ़े छह बजे हाईकोर्ट परिसर में स्वयं उपस्थित थे अथवा नहीं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए एलयू से जुड़े कालेज गांव व वार्डों को लेंगे गोद

- **एलयू वीसी ने लखनऊ हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के कालेजों को दिया सुझाव, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कालेज होंगे सम्मानित**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव के दोनों चरणों में मतदाताओं की अपेक्षाकृत भागीदारी न होने को देखते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि से सम्बद्ध लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के कालेजों को अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। कुलपति ने इसके लिए गांवों सहित वार्डों को गोद लेने का सुझाव देते हुए मतदाताओं को जागरूक करने को कहा है।

स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि हम सभी मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। मतदान हमारा अधिकार है। वर्तमान में लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 की प्रक्रिया चल रही है तथा आगामी दिवसों में लखनऊ विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जनपदों यथा लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मतदान होना है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि भारतीय संसदीय प्रणाली व्यवस्था को सुदृढ़ एवं मजबूत बनाये जाने के उद्देश्य से मतदान करना एवं समाज के समस्त मतदाताओं को जागरूक कर शत प्रतिशत मतदान कराना हम सभी का नैतिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्य है। ऐसे में कुलपति प्रो. राय ने इन जिलों में संचालित कालेजों को सुझाव दिये हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित प्रत्येक महाविद्यालय एक ग्राम तथा नगरीय क्षेत्र के महाविद्यालय एक वार्ड को गोद लेकर शिक्षकों/छात्रों / राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा समाज के गणमान्य नागरिकों से सहयोग / उनकी सक्रिय भागीदारी कराते हुए शत प्रतिशत मतदान कराने में अपना सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं योगदान करने वाले महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत / सम्मानित किया जायेगा।

प्रत्येक मतदेय स्थल पर पैरामेडिक्स व आशा कार्यकर्ताओं की तैनाती के निर्देश

- **भीषण गर्मी व लू से बचाव के लिए उपलब्ध करायी जाए मूलभूत सुविधायें: नवदीप रिणवा**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा भीषण गर्मी व लू से बचाव सम्बन्धी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन के 2 चरणों के मतदान दिवसों के अनुभव के आधार पर अवशेष पांच चरणों के मतदान वाले जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदेय स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदेय स्थल पर मूलभूत सुविधाओं में पर्याप्त छाया, पीने का पानी, पंखे के साथ कतार में लगे बुजुर्गों, महिलाओं व दिव्यांगजनों के बैठने हेतु कुर्सियां, स्कूल बेंच आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। प्रत्येक मतदान केन्द्र व मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) पर पैरामेडिक्स व आशा कार्यकर्ताओं के साथ पर्याप्त ओआरएस एवं मेडिकल किट उपलब्ध कराए जाएं। इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेक्टर टीम के पास एक पैरामेडिक कर्मी भी उपलब्ध कराये जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सेक्टर आफिसर्स द्वारा मतदान प्रक्रिया के दौरान भीषण गर्मी से बचाव से संबंधित बुनियादी ढांचे के प्रावधानों की सावधानीपर्वूक समीक्षा की जाय। मई के महीने में भीषण गर्मी व लू से बचाव हेतु व्यापक तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए। जनपदों में एनएचएम या अन्य योजनाओं के तहत उपलब्ध आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा को अलग-अलग उपयुक्त स्थानों पर रखा जाये, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से मतदान केन्द्रों व मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर भेजा जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सेक्टर आफिसर्स द्वारा मतदान प्रक्रिया के दौरान भीषण गर्मी से बचाव से संबंधित बुनियादी ढांचे के प्रावधानों की सावधानीपर्वूक समीक्षा की जाय। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस संबंध में सेक्टर आफिसर्स से लिखित आख्या प्राप्त किया जाए।

देश में नक्सलवाद व आतंकवाद का कारण बनीं कांग्रेस की नीतियां: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से मुखातिब हुए। महाराष्ट्र दौरे पर जाने से पहले वे कांग्रेस पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद यह दिशाहीन और आज नेतृत्व विहीन भी हो गया। दिशाहीनता का ही दुष्परिणाम है कि कांग्रेस के तमाम नेताओं ने लगातार भारत की सभ्यता, संस्कृति को कोसने, अपमानित करने और सनातनता को हर प्रकार से बदनाम करने के कुत्सित प्रयास किए हैं। यूपीए सरकार के समय यही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखने को मिली थी, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने भगवा आतंकवाद के नाम पर भारत की सनातन संस्कृति को अपमानित व दुनिया के सामने बदनाम करने की कुत्सित चेष्टा की थी। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद का कारण बनीं।

सीएम ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। जम्मू कश्मीर के उग्रवाद-आतंकवाद, पूर्वोत्तर की अराजकता पर भी अंकुश लग गया है। यूपीए सरकार के समय लगभग 17 राज्यों के 115-120 जनपद ऐसे थे, जो नक्सली हिंसा की चपेट में थे। उस सरकार में आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं थी, यही कारण था कि देश में अराजकता और अव्यवस्था थी पर अब नक्सलवाद को नियंत्रित कर लिया गया है। देश के एकाध राज्यों के दो-तीन जनपदों तक यह सीमित हो गया है। बहुत शीघ्र यहां से भी नक्सलवाद का अंत होगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है। आतंकवाद की जड़ जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरी तरह समाप्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया। पूर्वोत्तर के राज्यों के उग्रवाद व अराजकता को नियंत्रित करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई। कांग्रेस सरकार भारत की सनातन सभ्यता व संस्कृति को अपमानित व बदनाम करती थी, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रही है। भारत का गौरव अब पुनर्स्थापित हुआ है।

सीएम ने कहा कि विश्वास है कि कांग्रेस सनातनियों को बदनाम करने, उनके हिस्से पर सेंधमारी करने, जाति-खेमों में बांटने का कुत्सित प्रयास कर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही थी। जनता उस कांग्रेस को पूरी तरह दरकिनार करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ जुड़ रही है। 4 जून को जब 2024-लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

रामलला के दर पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

● अयोध्या में हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन-पूजन, सरयू मैया का किया दुग्धाभिषेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/अयोध्या

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को अयोध्या में रामलला का दर्शन किया। राष्ट्रपति ने सरयू आरती की। इससे पहले उन्होंने सरयू मैया का दुग्धाभिषेक कर पूजन किया। यहां उन्होंने 2100 बत्ती से आरती की। राष्ट्रपति बुधवार शाम करीब चार बजे महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर पहुंचीं। यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री/अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महामहिम राष्ट्रपति का फूल माला से भव्य स्वागत किया।

एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंची। वहां गद्दीनशीन महंत प्रेमदास व पुजारी हेमंत दास के सहयोग से उन्होंने संकटमोचन हनुमान के श्रीचरणों में अपनी हाजिरी लगाई। हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन कर आरती की और मंदिर की परिक्रमा की। हनुमानगढ़ी दर्शन पूजन के बाद राष्ट्रपति ने सरयू तट स्थित साकेत होटल में विश्राम कर अल्पाहार किया। वहां से राष्ट्रपति सरयू आरती करने पहुंचीं। राष्ट्रपति ने करीब आधे घंटे तक सरयू का दर्शन पूजन और आरती की। इस दौरान उन्होंने सरयू आरती के समिति के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास से सरयू की महिमा के बारे में जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रपति ने भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप विग्रह का विधि-विधान से दर्शन पूजन कर राम लला की आरती उतारी। श्रीराम का दीदार कर वे भावविभोर हो गईं। उनके स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद कुबेर टीला पहुंची, जहां उन्होंने कुबेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन किया।

सीएम योगी आज मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद में करेंगे जनसभा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी गुरूवार 02 मई को मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद के प्रवास पर रहेंगे। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 11:20 बजे मैनपुरी के क्रिश्चन कॉलेज तिराहा से महाराणा प्रताप चौक तक रोड शो करेगे। इसके पश्चात् दोपहर 01 बजे रामलीला ग्राण्उड जीटी रोड़ एटा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। तत्पश्चात् दोपहर 02:25 बजे गिरधारी इण्टर कॉलेज, सिरसागंज, फिरोजाबाद में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह गुरूवार 02 मई को लखनऊ के प्रवास पर रहेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह जी सायं 05 बजे होटल हॉलीडे इन, निकट एयरपोर्ट, लखनऊ में माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ संगठनात्मक बैठक में सम्मिलित होंगे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक गुरूवार 02 मई को बरेली और हमीरपुर के प्रवास पर रहेंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक दोपहर 12 बजे इनवर्टीज युनिवर्सिटी बरेली में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 03 बजे चौरा देवी मंदिर के मैदान, हमीरपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रदेश सरकार में मंत्री बेबीरानी मौर्य गुरूवार 02 मई को आगरा के प्रवास पर रहेंगी तथा आगरा में जनसम्पर्क करेंगी। प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद गुरूवार 02 मई को हाथरस तथा गोरखपुर के प्रवास पर रहेंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री श्री संजय निषाद सुबह 11:45 बजे छाबी मियाबाग, हाथरस में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे तथा सायं 05 बजे सरस्वती मैरिज हॉल महादेवा बाजार, खजनी, गोरखपुर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरूण गुरूवार 02 मई को बदायूं के प्रवास पर रहेंगे तथा बदायूं में जनसम्पर्क करेंगें। प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर गुरूवार 02 मई को प्रतापगढ़ के प्रवास पर रहेंगे। अनिल राजभर सुबह 11 बजे निर्मला शीतला प्रसाद मैरिज हॉल, रानीगंज, प्रतापगढ में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु गुरूवार 02 मई को जौनपुर के प्रवास पर रहेंगे। दयाशंकर मिश्रा दयालु सुबह 10 बजे जौनपुर में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री संजय गंगवार गुरूवार 02 मई को शाहजहांपुर के प्रवास पर रहेंगे। संजय गंगवार सुबह 11 बजे रैनेसा स्कूल तिलहर, शाहजहांपुर में आयोजित किसान सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री श्री सुरेश राही गुरूवार 02 मई को एटा के प्रवास पर रहेंगे तथा सुबह 10 बजे एटा में जनसम्पर्क करेंगें। प्रदेश सरकार के मंत्री श्री दिनेश खटीक गुरूवार 02 मई को सम्भल के प्रवास पर रहेंगे तथा सम्भल में जनसम्पर्क करेंगें। प्रदेश सरकार मंत्री में विजय लक्ष्मी गौतम गुरूवार 02 मई को हाथरस के प्रवास पर रहेंगी तथा हाथरस में जनसम्पर्क कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। प्रदेश सरकार के मंत्री नरेन्द्र कश्यप गुरूवार 02 मई को आगरा के प्रवास पर रहेंगे। नरेन्द्र कश्यप सायं 05 बजे महाराजा अग्रसेन भवन, लोहा मण्डी, आगरा में आयोजित पिछड़ा वर्ग मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रदेश सरकार में मंत्री प्रतिभा शुक्ला गुरूवार 02 मई को उन्नाव के प्रवास पर रहेंगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज सीतापुर, बरेली व बदायूं में

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी गुरूवार 02 मई को बरेली, बदायूं, सीतापुर और लखनऊ के प्रवास पर रहेंगे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी दोपहर 12 बजे राम लीला मैदान निकट हार्टमैंन कॉलेज बरेली में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे तथा दोपहर 01:30 बजे इस्लामिया इण्टर कॉलेज का मैदान, बदायूं में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। इसके पश्चात् दोपहर 3:30 बजे पक्का तलाब के सामने निकट तहसील लहरपुर, सीतापुर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगें। तदोपरान्त सायं 05 बजे होटल हॉलीडे इन, निकट एयरपोर्ट, लखनऊ में आयोजित संगठनात्मक बैठक में मार्गदर्शन करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी गुरूवार 02 मई को बरेली, बदायूं, सीतापुर और लखनऊ के प्रवास पर रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी दोपहर 12 बजे श्री राम लीला मैदान निकट हार्टमैंन कॉलेज बरेली व दोपहर 01:30 बजे इस्लामिया इण्टर कॉलेज का मैदान, बदायूं तथा दोपहर 3:30 बजे पक्का तलाब के सामने निकट तहसील लहरपुर, सीतापुर में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की जनसभा में सम्मिलित रहेगें। तदोपरान्त केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी के साथ सायं 05 बजे होटल हॉलीडे इन, निकट एयरपोर्ट, लखनऊ में आयोजित संगठनात्मक बैठक में सम्मिलित होंगे।

विद्यार्थियों की सामर्थ्य को बढ़ाने और निखारने में शिक्षक की बड़ी भूमिका

● राज्यपाल की अध्यक्षता में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर का 74वां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर का 74वां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। कुलाधिपति एवं राज्यपाल इस कार्यक्रम में यहाँ राजभवन से ऑनलाइन जुड़ीं हुई थीं। कार्यक्रम को ई-माध्यम से सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के साथ-साथ आज मई दिवस तथा महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य के स्थापना दिवस की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के आयोजन से परम्पराओं का स्मरण होता है, मूल्यांकन का अवसर मिलता है और भविष्य की योजनाओं पर भी विचार होता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में गोरखपुर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व की चर्चा भी की और पं. दीनदयाल उपाध्याय को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी।

समारोह में राज्यपाल ने दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय को कल यू.जी.सी. से ग्रेड-1 का दर्जा प्राप्त हो जाने की विशेष बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय में सभी की कार्य-कुशलता का परिणाम है कि विश्वस्तरीय, एशिया स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर पर विविध रैंकिंग में विश्वविद्यालय निरंतर उल्लेखनीय स्थान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि नैक में 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त होने के परिणाम स्वरूप ही विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अनुदान से 100 करोड़ का अनुदान प्राप्त हो सका है, जिसका उपयोग विद्यार्थियों के हित में किया जायेगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में नये पाठ्यक्रमों के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सामर्थ्य को बढ़ाने और निखारने में शिक्षक की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय के समुचित विकास के लिए शार्ट-टर्म और लांग-टर्म योजनाएं बनाने के लिए भी प्रेरित किया। राज्यपाल ने समारोह में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में अग्रणी विद्यार्थियों को पदक देकर सम्मानित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विश्वविद्यालय की रैंकिंग के लिए किए जाने वाले दावों को पुष्ट करने हेतु प्रमाण प्रस्तुत करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने समारोह में आए पुरातन छात्रों को विशेष सम्मान के साथ सम्बोधित किया और उन्हें अपनी शिक्षा की मातृ-संस्था में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के हित में योगदान देने के लिए प्रेरित भी किया। समारोह में राज्यपाल ने ई-माध्यम से सैमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम का शुभारम्भ तथा विश्वविद्यालय के परीक्षा पोर्टल 'सर्व' को लांच किया। सैमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम में विद्यार्थी नयी तकनीक जैसे ए.आई., इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डाटा, कोडिंग, प्रोग्रामिंग आदि सीख सकेंगे। जबकि 'सर्व' पोर्टल से विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से सर्टिफिकेट और डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित मिष्ठान बिजनौर से राजभवन भ्रमण पर आए बी फार्मा के छात्र/छात्राओं को प्रदान कर उन्हें विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के बारे में बताया। राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न आज विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में कुल 112 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त विविध गतिविधियों में प्रतिभागिता कर उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समारोह में राजभवन से अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, अन्य अधिकारीगण तथा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टण्डन, समारोह में आए सम्मानित एल्युमुनाई छात्र, ऑनलाइन जुड़े, विश्वविद्यालय के अमेरिका एवं नेपाल चैप्टर के एल्युमुनाई छात्र, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी तथा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रेणी-1 का दर्जा प्राप्त करने पर राज्यपाल ने दी बधाई

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली को अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा मूल्यांकन में श्रेणी-1 विश्वविद्यालय का ग्रेड दिए जाने पर हार्दिक बधाई देते हुए निरंतर उन्नयन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि विश्वविद्यालयों द्वारा विविध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकनों में रैंकिंग उन्नयन करते हुए अब यह उपलब्धि प्राप्त करना प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण है। बता दें कि विश्वविद्यालयों द्वारा यूजीसी की कैटेगरी-1 का जो दर्जा हासिल किया है, उससे विश्वविद्यालय को एकेडमिक तथा एडमिनिस्ट्रेटिव ऑटोनामी प्राप्त होगी।

कागजों पर चल रहा सफाई अभियान

● सिसेण्डी की गलियों में जमा हो रहा नालियों का पानी बीमारियों का खतरा बढ़ा

संवाददाता। मोहनलालगंज

सिसेण्डी की गलियों में संचारी रोग नियंत्रण अभियान फेल नजर आ रहा है। नालियां चोंक होने से गलियों में गन्दा पानी जमा हो रहा है।जिससे मोहल्ले में मच्छरजनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। लेकिन ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं।

मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत सिसेण्डी में कुछ माह पूर्व अनगिनत लोगों के बुखार की चपेट में आकर बीमार पड़ने के बावजूद गांव की सफाई व्यवस्था चौपट है। गांव की कुछ गलियों में जलनिकासी का पुख्ता इंतजाम नही है। लिहाजा नालियों का गन्दा पानी उफनाकर सड़क पर भर रहा है। गन्दे पानी से उठ रही दुर्गन्ध ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। जलभराव और गन्दगी से इन मोहल्लों में संक्रामक रोग फैलने का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में भी ग्राम पंचायत की गलियों में व्यापक सफाई और जलनिकासी कराने के प्रयास नदारद हैं। इस संदर्भ में एडीओ पंचायत अशोक यादव का पक्ष लेने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नही हो सका।

बेसिक शिक्षकों को इंटरनेट के लिए मिलेंगे प्रतिमाह 200 रुपए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को इंटरनेट के लिए प्रतिमाह 200 रुपये मिलेंगे।

इस बावत बुधवार को स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा ने आदेश जारी कर दिये हैं। इस राशि का परिषदीय प्राइमरी स्कूल, अपर प्राइमरी स्कूल तथा कम्पोजिट विद्यालयों में उपयोग किये जा रहे टैबलेट्स के संचालन के लिए सिम कार्ड एवं इंटरनेट की सुविधा के लिए किया जा सकेगा। ये राशि उन शिक्षकों को दी जाएगी जिनको टैबलेट दिए गए हैं। सिम स्थानीय स्तर पर कनेक्टिविटी और नेटवर्क के आधार पर खरीदे जाएंगे। इसके लिए दो माह की धनराशि भी स्वीकृति कर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर प्रार्थना सभा आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाज ,देश, तथा किसी भी संस्था को खड़ा करने में विशेष भूमिका निभाने वाले कामगारों, कर्मचारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको शाखा लखनऊ के द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस' के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना -सभा विद्यालय के डैफोडिल सदन द्वारा आयोजित की गई। इस प्रार्थना- सभा में सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं द्वारा एक सुमधुर गीत प्रस्तुत किया गया। सीनियर-विभाग की कक्षा ग्यारह की छात्रा राशि ने मजदूर वर्ग के जीवन -संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए ,सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए अपनी सुन्दर भावनाएँ अभिव्यक्त कीं। कक्षा चार और पाँच के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हमारे विद्यालय के सेवारत श्रमिक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों कोमल और मनोज ने अपने उद्गार भी अभिव्यक्त किये। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या मनीषा अंथवाल ने हमारे विद्यालय-संस्था में कार्यरत सभी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए ,उनकी उन्नति और प्रगति की कामना करते हुए ,विद्यालय परिवार कीओर से उनका आभार प्रकट किया तथा उन्हें उपहार भी वितरित किये।

हैट्रिक की ओर भाजपा, विपक्ष कर रहा हर दांव आजमाइश

सतीश सिंह। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में एक-एक सीट को लेकर बीजेपी, सपा-कांग्रेस और बसपा में जद्दोजहद दिख रही है। चौथे चरण के मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ ही भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्ष हर दांव आजमा रहा है। ऐसे में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सियासी हलचल बढ़ गयी है। फर्रूखाबाद, इटावा, उन्नाव में जहां बीजेपी की कोशिश हैट्रिक लगाने की है, वहीं विपक्ष इस जीत को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है।

फर्रुखाबाद लोकसभा सीट

पोटैटो सिटी के नाम से मशहूर फर्रूखाबाद सीट से समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया अपनी कर्मभूमि फर्रुखाबाद से वर्ष 1962 में सांसद चुने गए थे। इस बार यहां से भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद मुकेश राजपूत पर भरोसा जताया है। वहीं सपा ने नवल किशोर शाक्य और बीएसपी ने क्रांति पाण्डेय को मैदान में उतारा है। पिछले लोकसभा चुनाव की बात करें तो 2019 में बीजेपी के मुकेश राजपूत ने बसपा के मनोज अग्रवाल को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सपा के रामेश्वर सिंह यादव को शिकस्त दी थी। जबकि 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सलमान खुर्शीद ने बसपा के नरेश चंद अग्रवाल को हराया था। 2011 के जनगणना के मुताबिक फर्रुखाबाद की कुल जनसंख्या 23,70,591 है जिसमें 80.25 फीसदी ग्रामीण और 19.75 फीसदी शहरी आबादी है। इस सीट पर अनुसूचित जाति की आबादी 16.11 फीसदी है। इसके अलावा फर्रुखाबाद संसदीय सीट पर राजपूत और ओबीसी समुदाय में लोध और यादव मतदाताओं के साथ-साथ ब्राह्मण मतदाता काफी निर्णायक भूमिका में हैं। फर्रुखाबाद संसदीय सीट के तहत पांच विधानसभा सीटें अलीगंज, कायमगंज, अमृतसर भोजपुर और फर्रुखाबाद विधानसभा क्षेत्र आते हैं। फर्रुखाबाद लोकसभा सीट पर 2019 तक 16 बार लोकसभा सभा चुनाव हो चुके हैं। कांग्रेस ने यहां से 7 बार जीत हासिल की है। इसके अलावा बीजेपी ने 4, सपा ने 2 और जनता पार्टी ने 2 बार जबकि जनता दल और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी को एक-एक बार जीत मिली है।

इटावा लोकसभा सीट

इटावा जनपद की पहचान समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव की कर्मस्थली के रूप में की जाती है। अब इटावा उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में भी शामिल हो गया है। इटावा में स्थित लायन सफारी पार्क इटावा को नई पहचान दे रहा है। इस बार यहां से भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद रामशंकर कठेरिया को मैदान में उतारा है। वहीं सपा से कमलेश कुमार और बसपा से सारिका सिंह मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के रामशंकर कठेरिया ने सपा के कमलेश कुमार को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के अशोक दोहरे ने सपा के प्रेमदास कटारिया को हराया था। जबकि 2009 के लोकसभा चुनाव में सपा के प्रेमदास ने बसपा के गौरीशंकर को हराया था। 2011 के जनगणना के मुताबिक इटावा की कुल जनसंख्या 23,74,473 है जिसमें 76.36 फीसदी ग्रामीण और 23.64 फीसदी शहरी आबादी है। यहां पर अनुसूचित जाति की आबादी 26.79 फीसदी है। इस संसदीय सीट पर ओबीसी समुदाय में यादव और शाक्य मतदाताओं के साथ-साथ राजपूत मतदाता काफी निर्णायक भूमिका में हैं।

इटावा लोकसभा सीट के अंतर्गत कुल पांच विधानसभा सीटें इटावा, भरथना, दिबियापुर, औरैया और सिकंदरा विधानसभा सीटें आती हैं। वर्ष 1967, यानी मुलायम सिंह यादव ने जब से राजनीति में कदम रखा तब से यह जनपद प्रदेश की राजनीति में खासा रसूख रखता है। 1998 में भाजपा की सुखदा मिश्र सांसद रही और 2014 में अशोक दोहरे रहे। इसके बाद 2019 में भाजपा के राम शंकर कठेरिया को जीत हासिल हुई। 2022 में विधानसभा चुनाव में यहां की 5 में से 3 सीटों पर बीजेपी को जीत मिली थी।

उन्नाव लोकसभा सीट

औद्योगिक नगरी कानपुर से सटे उन्नाव लोकसभा सीट की अपनी ही राजनीतिक खासियत है। कानपुर शहर से लगे होने के नाते उन्नाव चमड़े के कारोबार के लिए दुनियाभर में मशहूर है। इस बार यहां से भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद स्वामी सचिदानंद हरि साक्षी को मैदान में उतारा है। वहीं सपा से अन्नू टंडन और बसपा से अशोक पाण्डेय मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के साक्षी महाराज ने सपा के अरूण शुंकर शुक्ला को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में साक्षी महाराज ने फिर अरूण शंकर शुक्ला को शिकस्त दी। जबकि 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अन्नू टंडन ने सपा के अरूण शंकर शुक्ला को हराया था। उन्नाव लोकसभा सीट पर 2011 के जनगणना के मुताबिक कुल जनसंख्या 31,08,367 है जिसमें 82.9 फीसदी ग्रामीण और 17.1 फीसदी आबादी शहरी है। इस सीट पर अनुसूचित जाति की आबादी 30.52 फीसदी है। 2008 में परिसीमन के बाद उन्नाव सीट का इतिहास बदल दिया गया और तब 6 विधानसभा सीटों भगवंतनगर, पुरवा, सफीपुर, मोहन, बांगरमऊ और उन्नाव सदर को मिलाकर एक नई लोकसभा सीट बना दी गई थी। एक समय यह क्षेत्र कांग्रेस का मजबूत दुर्ग हुआ करता था, लेकिन 90 के दशक के शुरुआत में बीजेपी न सिर्फ इस क्षेत्र में बल्कि पूरे राज्य में अपनी जगह मजबूत करती चली गई। उन्नाव संसदीय सीट के संसदीय इतिहास की बात करें तो आजादी के बाद से 2019 तक 16 बार लोकसभा चुनाव और एक बार उपचुनाव हुए हैं। इनमें से 9 बार कांग्रेस चुनाव जीतने में सफल रही तो चार बार बीजेपी को जीत मिली थी। सपा, बसपा और जनता पार्टी एक-एक बार जीतने में कामयाब रहीं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद पर सुनवाई जारी

● सीपीसी के आदेश सात नियम 11 के तहत मुकदमे की पोषणीयता पर बहस हुई

संवाददाता। प्रयागराज

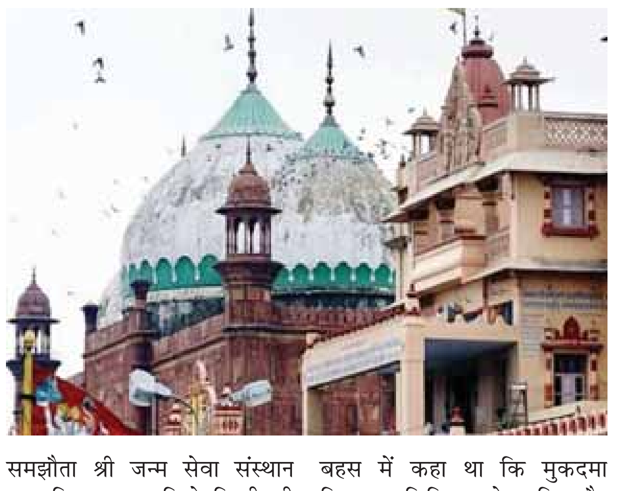

इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी। बुधवार को भी सीपीसी के आदेश सात नियम 11 के तहत मुकदमे की पोषणीयता पर बहस हुई। मुकदमे की पोषणीयता के बिंदु पर अधिवक्ता राजेंद्र माहेश्वरी रमा गोयल बंसल और अधिवक्ता हरिशंकर जैन तर्क प्रस्तुत किए। श्री जैन की बहस गुरुवार को भी जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान 1968 में समझौते के प्रश्न पर मुस्लिम पक्ष के तर्कों के उत्तर में हिंदू पक्ष की ओर से कहा गया कि समझौते में देवता पक्ष नहीं थे और न ही 1974 में पारित अदालती डिक्री में समझौता श्री जन्म सेवा संस्थान द्वारा किया गया। जिसे किसी भी समझौते में शामिल होने का अधिकार नहीं था। संस्थान का उद्देश्य केवल रोजमर्रा की गतिविधियों का प्रबंधन करना था और उसे इस तरह का समझौता करने का कोई अधिकार नहीं था।

इससे पहले तस्लीमा अजीज अहमदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बहस में कहा था कि मुकदमा मियाद अधिनियम से बाधित है। उनके अनुसार पक्षकारों ने 12 अक्टूबर 1968 को समझौता किया था और कहा था कि 1974 में तय किए गए एक दीवानी मुकदमे में समझौते की पुष्टि की गई है। समझौते को चुनौती देने की सीमा तीन साल है लेकिन मुकदमा 2020 में दायर किया गया है और इस प्रकार यह मुकदमा मियाद अधिनियम से बाधित है। हिंदू पक्ष की ओर से तर्क दिया गया कि मुकदमा विचारणीय है विचारणीय न होने संबंधी याचिका पर प्रमुख साक्ष्यों के बाद ही निर्णय लिया जा सकता है।

यह भी कहा गया कि इस मामले में पूजा स्थल अधिनियम 1991 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। 1991 के अधिनियम में धार्मिक चरित्र को परिभाषित नहीं किया गया है। स्थान संरचना का धार्मिक चरित्र केवल साक्ष्य द्वारा तय किया जा सकता है। जिसे केवल सिविल कोर्ट द्वारा तय किया जा सकता है। इसके लिए ज्ञानवापी मामले में पारित फैसले का भी उल्लेख किया गया। जहां अदालत ने माना था कि धार्मिक चरित्र का फैसला केवल सिविल कोर्ट द्वारा किया जा सकता है। बुधवार को सुनवाई के दौरान आशुतोष पांडेय व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए।

उन्होंने प्रतिवादियों द्वारा पेन ड्राइव को अस्वीकार करने की अर्जी पर आपत्ति प्रस्तुत की जिसे रिकॉर्ड पर लिया गया है। इसकी प्रतिलिपि प्रतिवादियों के अधिवक्ताओं को दी गई। वाद संख्या चार में वादी संख्या तीन से पांच के अधिवक्ता विनय शर्मा ने आपत्तियों का जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने उन्हें गुरुवार को जवाब दाखिल करने को कहा।

वाद संख्या 13 पर वादी के लिए अधिवक्ता राजेंद्र माहेश्वरी और रमा गोयल बंसल ने बहस की। बाद संख्या नौ में वादी के लिए अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने अपने तर्क प्रस्तुत किए। अधिवक्ता तस्नीम अहमदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से और एमिकस क्यूरी मनीष गोयल नसीरुज्जमां हरे राम त्रिपाठी प्रणव ओझा तनवीर अहमद और मोहम्मद अफजल भी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने दो वकीलों रणविजय सिंह और मोहम्मद आसिफ को जारी की नोटिस

● जिला अदालत में वादकारी से मारपीट और पीठासीन अधिकारी को भयभीत करने का मामला

● पुलिस कमिश्नर से अदालत की सुरक्षा व्यवस्था पर रिपोर्ट तलब

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालत प्रयागराज में वकीलों के झुंड द्वारा न्याय कक्ष और जज के चेंबर में घुसकर वादकारियों से मारपीट करने और जज से दुर्व्यवहार करने को प्रथम दृष्टया आपराधिक अवमानना करार दिया है और दो वकीलों रणविजय सिंह और मोहम्मद आसिफ को नोटिस जारी कर सफाई मांगी है कि क्यों न उन्हें आपराधिक अवमानना करने के लिए दंडित करने की कार्यवाही की जाए। कोर्ट ने इन दोनों वकीलों के जिला अदालत परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी है और जिला जज से घटना की सीसीटीवी फुटेज देखकर अवमानना करने वाले अन्य वकीलों की संलिप्तता पर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से अदालत परिसर की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है और कहा है कि जिला जज के निर्देशानुसार पुलिस बल मुहैया कराये। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति एम ए एच इदरीसी की खंडपीठ ने जिला जज द्वारा पीठासीन अधिकारी की रिपोर्ट पर संदर्भित अवमानना रिफरेंस की सुनवाई करते हुए दिया है। हाईकोर्ट की तरफ से अधिवक्ता सुधीर मेहरोत्रा ने पक्ष रखा। मालूम हो कि प्रयागराज जिला अदालत में मुलायम सिंह बनाम तरसू लाल केस की सुनवाई चल रही थी कि रणविजय सिंह जो अधिवक्ता है भीड़ के साथ कोर्ट रूम में आये और पीठासीन अधिकारी पर रणविजय सिंह और अन्य बनाम खुर्शीद अहमद और अन्य केस की तत्काल सुनवाई का दबाव डाला और वादकारी मोनीस परवेज व उनकी बीबी से मारपीट की।

वह बचाव में पीठासीन अधिकारी के चेम्बर में गये तो वहा भी मारा पीटा। पीठासीन अधिकारी ने वहां से निकल कर सीजेएम के चेंबर में जा अपनी जान बचाई। कहा उनके जीवन को भय है।एसीपी एसएचओ को सूचित किया गया।

जब पुलिस आई तब पीठासीन अधिकारी अपने चेंबर में जा सकी और घटना की रिपोर्ट जिला जज को की। जिसे जिला जज ने हाईकोर्ट को प्रेषित किया और कार्यवाही की सिफारिश की। जिसपर कोर्ट ने अवमानना केस दर्ज कर यह आदेश दिया है।

रिहंद से वाराणसी के लिए एसी बस सेवा का शुभारंभ

बीजपुर, सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद परियोजना में एनटीपीसी रिहंद के कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों हेतु एनटीपीसी रिहंद से वाराणसी के लिए बुधवार को एसी बस सेवा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना प्रमुख पंकज मेदीरत्ता नें सह अतिथियों के साथ फीता काटकर किया। यह एसी बस सेवा एनटीपीसी रिहंद के कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को सुविधा प्रदान करेगी। इस बस सेवा के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षित व आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। यह बस सप्ताह में छह दिन मंगलवार से रविवार तक चलेगी। बस एनटीपीसी रिहंद से सुबह 7 बजे चलकर मुर्धवा मोड़ होते हुए दोपहर 1 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचेगी। वापसी में वाराणसी एयरपोर्ट से 3 बजे चलकर रिंहद रात 9 बजे पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख पंकज मेदीरत्ता ने कहा कि इसके माध्यम से लोगों को आवागमन करने में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य महाप्रबंधक देवदत्त सिन्हा संजय असाटी एस एस प्रधान बृज किशोर पाण्डेय धर्मेंद्र कुमार गिरि विभिन्न यूनियन व एसोसिएशन के प्रतिनिधि व यात्री उपस्थित रहे।

खनिक अभिनंदन दिवस पर श्रमवीरों को किया नमन

● नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में खनिक अभिनंदन दिवस 2024 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

● देश की ऊर्जा आपूर्ति हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले खनिकों को किया नमन

संवाददाता। सोनभद्र

बुधवार को भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में खनिक अभिनंदन दिवस 2024 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएमडी एनसीएल बी. साईराम मनीष कुमार रजनीश नारायण जितेंद्र मलिक सुनील प्रसाद सिंह श्रमिक संघों के जेसीसी सदस्य अजय कुमार श्याम धर दूबे अशोक पाण्डेय महासचिव सीएमओएआई सर्वेश सिंह विभागाध्यक्ष एवं अन्य कर्मियों ने शहीद स्मारक एवं खनिक प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश की ऊर्जा आपूर्ति हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले खनिकों को नमन किया।

इस दौरान सीएमडी एनसीएल बी. साईराम ने अपने उद्बोधन की शुरुआत में वृहद एनसीएल परिवार को श्रमिक अभिनंदन दिवस की बधाई दी। उन्होंने श्रम को मानव सभ्यता एवं विकास की कुंजी के रूप में परिभाषित किया। औद्योगिक क्रांतियों के उपरांत उद्योगों में सृजित हुए नए अवसरों एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने विगत चार दशकों के कालखंड को आविष्कार का कालखंड बताया। विगत वर्ष में देश की ओर से कोयला उत्पादन प्रेषण व ओवरबर्डेन में मिले लक्ष्यों को हासिल करने पर उन्होंने टीम एनसीएल को बधाई दी।

वर्तमान में कोयला उद्योग के सतत स्थायित्व के आलोक में किए जा रहे कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कोयला उद्योग के भविष्य को उज्जवल बताया। उन्होंने एनसीएल की विविधीकरण प्रयासों की सराहना करते हुए निगाही में स्थित 50 मेगावाट सोलर प्लांट के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए एनसीएल की नेट जीरो कंपनी बनाने के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों में पदस्थ उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया।

शहीदों को याद कर मनाया गया मजदूर दिवस

डाला, सोनभद्र। नगर में स्थित डाला शहीद स्थल बस स्टैंड पर मजदूर श्रमिक संघ डाला इंटक यूनियन के बैनर तले मजदूर ने मजदूर दिवस बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक से मनाया गया। बुधवार सुबह ग्यारह बजे से डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ इंटक यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सर्व प्रथम दो जून 1991 को गोली काण्ड में शहीद मजदूरो के स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शहीदों को याद किया तब पश्चात यूनियन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राहगीरों समेत आसपास क्षेत्रों के मजदूरों स्कूली बच्चों बुजुर्ग महिला पुरूष तमाम लोगों में शर्बत वितरण किया गया। एक मई को पूरी दुनिया में मजदूर दिवस रूप मनाई जाती हैं। इस दिन श्रमिको के लिए खास दिन होता है कामगार दिवस के नामों से भी जाना जाता है। ये दिन मजदूरों के अधिकार न्याय और कामकाजी स्थिति पर बात करने दिक्कतों को जानने और सुधार करने से जुड़ा हुआ है। डाला श्रमिक संघ महामंत्री उत्तम मिश्रा ने मजदूरों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

क्विक न्यूज

व्यक्तित्व से झलकता है नए भारत का आत्मविश्वास

प्रयागराज। देश की सबसे आगे रहने वाली पेंट और डेकोर कंपनी एशियन पेंट्स क्रिकेट आइकन विराट कोहली को अपने आने वाले नए लांच नियो भारत लेटेक्स पेंट के ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की घोषणा गर्व से करती है। नियो भारत लेटेक्स पेंट के साथ एशियन पेंट्स इस डायनामिक उद्योग में अपनी मौजूदगी का विस्तार करके और इसे सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाकर पेंट की श्रेणी में क्रांति लाएगा। नियो भारत लेटेक्स पेंट हर तरह से क्रांतिकारी है। क्योंकि इसमें विशेष पॉलिमर तकनीक है जो बेहतर फिनिश ज्यादा कवरेज और क्लीनेबिलिटी देती है। यह प्रगति के रंग जो कि नियो भारत की टैग लाइन है। उन लाखों भारतीयों को समर्पित है जो बेहतर जीवन की तलाश में हैं और एशियन पेंट्स का लक्ष्य उनकी यात्रा में उनके साथ कदम से कदम मिला कर चलना है। आगामी लांच और उसके ब्रांड एंबेसडर के लिए अपना उत्साह दर्शाते हुए एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने कहा हमारा आने वाला लांच नियो भारत लेटेक्स पेंट एशियन पेंट्स के इतिहास में सबसे बड़े मौकों में से एक है और विराट कोहली का इस जबरदस्त ब्रांड के चेहरे के रूप में होना हमारे उत्साह को बढ़ाता है। आज कोहली को खेल और भारतीय टीम को कुछ इस तरह से बदलने का श्रेय दिया जाता है। जैसा कई दूसरे लोग नहीं कर पाए। उनकी लोकप्रियता किसी खास इलाके तक सीमित नहीं है। उनके व्यक्तित्व से नए भारत का आत्मविश्वास झलकता है।

आंखों पर कम तनाव के साथ सुरक्षा होगी सुनिश्चित

प्रयागराज। सबसे भरोसेमंद सेव प्रदाता रियलमी ने आज अपनी चैंपियन सीरीज़ रियलमी सी सीरीज़ में सी पैसठ फाइव जी लांच किया है। इस नए स्मार्टफोन में कई इनोवेटिव फीचर्स के साथ शानदार डिज़ाईन है जो यूज़र्स को स्मार्टफोन का बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। रियलमी सी सीरीज़ अपनी आधुनिक फास्ट चार्जिंग कैमरा टेक्नोलॉजी और डिज़ाईन के लिए उद्योग में कई मानक स्थापित कर चुकी है। सी सीरीज़ का हर नया स्मार्टफोन चार महत्वपूर्ण क्षेत्र चार्जिंग कैमरा स्टोरेज और डिज़ाईन में बेहतरीन और आकर्षक अपडेट्स के साथ सेगमेंट का नेतृत्व कर रहा है। अनुज सिद्धार्थ डिप्टी डायरेक्टर मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस मीडियाटेक ने कहा मीडियाटेक डायमेंसिटी 63 सौ फाइवजी स्मार्टफोंस में तीव्र गेमिंग और बेहतरीन कैमरा क्वालिटी को सपोर्ट करता है। बैटरी लाईफ बढ़ाने के लिए इसमें टीएसएमसी छह एनएम क्लास चिप होती है। उन्होंने कहा रियलमी सी पैसठ फाइवजी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 63 सौ मीडियाटेक फाइवजी आता है जो बेहतरीन एफिशियंसी परिस्थिति के अनुरूप इंटैलिजेंट विशेषताएं मीडियाटेक हाईपर इंजन गेमिंग टेक्नोलॉजी प्रदान करता है। सी पैसठ फाइवजी एक क्रांतिकारी स्मार्टफोन है। जिसका उद्देश्य युवाओं को किफायती मूल्य में बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है। इसमें विश्व का पहला मीडियाटेक डायमेंसिटी चिपसेट लगा है। जो आंखों पर कम तनाव के साथ सर्वोत्तम क्वालिटी सुनिश्चित करता है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

सकलडीहा, चन्दौली। कोतवाली क्षेत्र के तुलसी आश्रम रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार को सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब महिला रेलवे ट्रैक पार कर पशुओं को भूसा लाने खेत जा रही थी। सूचना पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। नोनार तुलसी आश्रम गांव निवासी दयाराम यादव की पत्नी 45 वर्षीय सुशीला देवी सुबह भूसा लाने खेत पर जा रही थी। जैसे ही वह तुलसी आश्रम रेलवे के समीप रेल लाइन पर पहुची तो प्लेटफार्म पर डाउन लाइन पर पैसेंजर ट्रेन खड़ी थी। खड़ी ट्रेन देख वह रेल लाइन पार करने लगी। बताया जाता है कि इस बीच अप लाइन पर भी कोई एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। जिसको वह देख नही पाई। इससे उसकी चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

विशुनपुरा पंचायत भवन से कंप्यूटर सहित हजारों की चोरी

सकलडीहा, चन्दौली। डेढ़ावल चौकी अंतर्गत विशुनपुर गोहदा गांव के मॉडल पंचायत भवन से मंगलवार की देर रात चोरों ने कंप्यूटर बैटरी सहित करीब 70 हजार का सामान लेकर चंपत होगये। सुबह घटना की जानकारी होने पर प्रधान प्रतिनिधि अभय यादव ने चौकी पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे डेढ़ावल चौकी प्रभारी घटना को लेकर जांच में जुट गये। चौकी प्रभारी ने शीध्र ही चोरी की घटना का खुलासा करने का दावा किया। विशुनपुर गोहदा गांव के पंचायत भवन को बीते वर्ष मॉडल पंचायत भवन बनाया था। जहां पर सीसी कैमरा, कंप्यूटर, इंटवर्टर, बैटरी सहित अन्य सामान लगाकर डिजिटल करण किया गया था। मंगलवार की देर रात चोरों ने दरवाजे का कुंडी तोड़कर उसमें रखा कंप्यूटर, बैटरी, इंवर्टर, की वोर्ड, माउस,कैमरा रिकार्डर, मॉनिटर, पावर सप्लाई सीपीयू सहित अन्य करीब 70-80 हजार के सामान लेकर चंपत हो गये।

सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज अकबरपुर में हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह की उपस्थिति में सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज अकबरपुर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा मतदाता जागरूकता गुब्बारे उड़ाकर स्वीप कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को वोट के महत्व तथा मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभिन्न स्कूलों में स्वीप कार्यक्रम के तहत अनेक प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं, एक तरफ जहां विद्यार्थियों को वोट के महत्व के बारे में बताया जा रहा है, वहीं जनपद के विभिन्न स्कूलों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु प्रश्नोत्तरी, रंगोली,मेंहदी, भाषण आदि प्रतियोगिताएं भी कराई जा रही हैं। स्कूली बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक, मतदाता जागरूकता गीत और नृत्य के माध्यम से मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। कॉलेज में बच्चों ने मतदाता जागरूकता हेतु भारत के नक्शे में मानव श्रृंखला बनाई तथा उसके पश्चात विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अधिक से अधिक वोट डालने के लिए प्रेरित किया। मतदान करने हेतु सभी को शपथ दिलाया गया।*जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे इन कार्यक्रमों में जो जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, उसे अपने तक सीमित न रखकर अपने अभिभावकों और आस-पड़ोस के मतदाताओं को भी दें।

हाईकोर्ट बार के पदाधिकारियों का आज होगा शपथ ग्रहण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित 28 सदस्यीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 02 मई को शाम चार बजे बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी हॉल में संपन्न होगा। मुख्य चुनाव अधिकारी वी एम जैदी चुनाव अधिकारी आर सी सिंह विनोद कांत वशिष्ठ तिवारी प्रभाकर अवस्थी और चंदन शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष अनिल तिवारी महासचिव विक्रांत पांडेय उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी अखिलेश कुमार मिश्रा सुभाष चंद्र यादव नीरज त्रिपाठी नीलम शुक्ला संयुक्त सचिव प्रशासन सुमित कुमार श्रीवास्तव संयुक्त सचिव महिला आंचल ओझा संयुक्त सचिव लाइब्रेरी अभिजीत पांडेय संयुक्त सचिव प्रेस पुनीत कुमार शुक्ला कोषाध्यक्ष रणविजय सिंह कार्यकारिणी सदस्य उदिशा त्रिपाठी मनीषा सिंह किरन सिंह अभिषेक मिश्रा अवधेश कुमार मिश्रा अभिषेक तिवारी आदि शपथ लेंगे।

न्यायालय में परिचर्चा के दौरान हुई सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा

प्रयागराज। बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में आयोजित परिचर्चा में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां की चर्चा की गई। अधिवक्ता मृत्युंजय तिवारी की अगुवाई में पुस्तकालय हाल में आयोजित परिचर्चा में कहा गया कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार ने अधिवक्ताओं के हित में कई कल्याणकारी काम किए हैं। बताया गया कि अधिवक्ता कल्याण निधि के तहत जहां अधिवक्ता की अचानक मृत्यु पर परिवार को 5 लाख रूपए की धनराशि देने का प्रावधान किया गया। इसके लिए साढ़े 66 करोड रुपये आवंटित किए गए हैं। जिससे अधिवक्ताओं के निधन पर उनके परिवार जनों के दावे का भुगतान किया जाता है। इसके अलावा जिला न्यायालय में अधिवक्ता चैंबर निर्माण के लिए भी राज्य सरकार ने 608 करोड़ रुपये दिए हैं। बताया गया कि त्वरित न्यायिक योजना के अंतर्गत झांसी सुल्तानपुर वाराणसी प्रतापगढ़ संतकबीरनगर सिद्धार्थनगर देवरिया बलरामपुर गोरखपुर में 1131 लाख रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा कासगंज जिला न्यायालय के लिए 525 लाख लखनऊ के लिए 488 लाख श्रावस्ती के लिए 485 लख रुपये दिए गए। इसके अलावा 3758 युवा अधिवक्ताओं को एक करोड़ 60 लाख रुपये दिया गया। इसके अलावा महोबा हाथरस चंदौली शामली औरैया हापुड़ अमेठी चित्रकूट सोनभद्र सहित कुल 10 जनपदों में एकीकृत कोर्ट कैंपस बनाया जा रहा है। कमर्शियल कोर्टों का भी निर्माण कराया जा रहा है। जिससे की वादकारियों को सस्ता और सुलभ न्याय मिल सके।

परिचर्चा के दौरान अधिवक्ता बीपी शुक्ला अरविंद मिश्रा पुरुषोत्तम मौर्य राम मोहित यादव प्रदीप द्विवेदी मनीष द्विवेदी शारदा पति त्रिपाठी बृजेश श्रीवास्तव सभाजीत सिंह ध्रुव कांत चतुर्वेदी सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

विशेष अभियान चला कर मतदान के लिए लोगों को किया जाएगा जागरूक: डीएम

● कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित करते हुए उन पर की गई नोडल अधिकारियों की तैनाती

● विविध प्रकार की गतिविधियां संचालित करने के दिये गये निर्देश

संवाददाता। सोनभद्र

जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बताया कि जनपद में गत लोक सभा चुनाव में 40 प्रतिशत से कम मतदान वाले बूथों को चिन्हित करते हुए विशेष मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं। जनपद के कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित करते हुए उस पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की है।

कम प्रतिशत मतदान वाले बूथों के नोडल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि वह इन बूथों पर मतदाता जागरूकता हेतु विशेष अभियान चलाकर जन जन को मतदान करने हेतु जागरूक किया जाये और आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन व विधान सभा उप निर्वाचन दुद्धी में अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की जाये। इसके अन्तर्गत शत प्रतिशत मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार के प्रयोग हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाये गत लोक सभा चुनाव वर्ष 2019 में 40 प्रतिशत से कम टर्नआउट वाले बूथों में चुनावी पाठशाला चुनावी चौपाल मतदाता जागरूकता रैली चित्रकला भाषण निबंध स्लोगन रंगोली आदि कार्यक्रमों के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान चलाकर मतदाताओं को जागरूक किया जाये।

गत लोक सभा चुनाव में कम टर्नआउट वाले बूथों पर नोडल अधिकारी नामित करते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित बूथों पर कम मतदान होने का कारण का पता लगाकर परीक्षण करते हुए और कारण का निदान करते हुए आगामी लोक सभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु अन्तर्विभागीय समन्वय कर आशा आंगनवाड़ी छात्रों शिक्षकों ग्राम प्रधानों ग्राम पंचायत सचिव ग्राम पंचायत अधिकारी सफाई कर्मचारियों बी0एल0ओ, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से विभिन्न प्रकार की मतदाता जागरूकता की गतिविधियां संचालित की जाये।

स्वीप अभियान के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित गतिविधियों हेतु नोडल अधिकारी के रूप में जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान उपायुक्त मनरेगा जिला पंचायत राज अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक सहायक विकास अधिकारी पंचायत खण्ड विकास अधिकारी चोपन अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अनपरा, खण्ड विकास अधिकारी म्योरपुर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत पिपरी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत रेनुकूट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी पिपरी को इस अभियान हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है जागरूकता अभियान हेतु 184 बूथों को चिन्हित किया गया है इस दौरान उप श्रमायुक्त पिपरी द्वारा इस जागरूकता अभियान के दौरान औद्योगिक अधिष्ठनों से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु विशेष रूप से औद्योगिक प्रतिष्ठानों के मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया जाये।

भाजपा युवा मोर्चा के युवा सम्मेलन को लेकर हुआ बैठक का आयोजन

● युवाओं की उर्जा का सही प्रयोग राष्ट्र के निर्माण में अति महत्वपूर्णः जिला प्रभारी

सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा होने वाले युवा सम्मेलन को लेकर एक बैठक सम्पन्न हुयी बैठक मे बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह व विशिष्ठ अतिथि जिलाध्यक्ष नन्दलाल मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विशाल पाण्डेय व संचालन जिला महामंत्री विनय श्रीवास्तव व रजनीश रघुवंशी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुये जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि आप सब युवा पीढ़ी काफी उर्जावान है युवाओं की उर्जा का सही प्रयोग राष्ट्र के निर्माण मे अति महत्वपूर्ण है, उन्होने बताया कि 12 मई को युवा साथियों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया है।

युवा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आने वाला समय युवाओं का है, इस लोकसभा चुनाव मे युवाओं को अपनी ताकत दिखानी है। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नन्दलाल कहा कि आप सभी युवा साथी अधिक से अधिक इस सम्मेलन मे भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें। बैठक की अध्यक्षता करते हुय जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा विशाल पाण्डेय ने आये हुये सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भारत मे 70 करोड़ युवा है 140 युवा हाथ है। आज भारत ज्ञान विज्ञान में विकास मे दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनता जा रहा है इस मौके पर विधानसभा संयोजक शितला आचार्य कृष्णमुरारी गुप्ता परशुराम केशरी माला चौबे कमलेश चौबे कृष्णा पटेल अभय पटेल अतुल पाण्डेय उत्कर्ष पाण्डेय दीशान्त द्विवेदी सहित युवा मोर्चा के साथी उपस्थित रहे।

संचारी अभियान में मीरज़ापुर जिला मंडल में प्रथम तथा प्रदेश में चौथे पायदान पर

मीरज़ापुर। जिले में संचारी अभियान को चलाया जा रहा है जिसमें जिला प्रदेश में चौथे पायेदान को हासिल करने में सफल रहा है। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिले में मुख्य चिकित्साधिकारी की देख रेख में संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 30 अप्रैल तक चलाया गया। इसके तहत अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार जिला प्रदेश में चौथे पायेदान व मण्डल में प्रथम स्थान पाने में कामयाब रहा है। इस पर सभी कर्मचारियों को बधाई दी और पुरस्कृत करने का भी कार्य किया जायेगा। पिछले अभियान के तहत जिले का खराब प्रदर्शन होने के कारण 37 वें स्थान पर चला गया है इसके बाद विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के मेहनत का नतीजा है कि इस बार जिले का प्रदेश स्तर पर अच्छा प्रदर्शन दिख रहा है। इस अभियान में विभाग के अलावा डब्लू एच ओ के अलावा यूनीसेफ भी अपनी भूमिका को अदा कर रहा है। इसके साथ ही फेमिली हेल्थ इण्डिया भी कार्य कर रही है जो कि केवल मलेरिया पर जागरूक करने का कार्य केवल 111 गांवो में कर रही है ।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार ओझा ने बताया कि विभाग द्वारा जनपद में कुल 1108 मातृ बैठक, 370 वी0एच0एन0सी0 बैठक आशा व ए0एन0एम0 के माध्यम से 978 विद्यालय रैली, 933 स्कूलों में छात्रों का संवेदीकरण तथा 225 स्वयं सेवी संस्था समूह की बैठक कराया गया। इसके अलावा 9107 पम्पलेट्सए 540 बैनर, 14255 पोस्टर प्रचार सामग्री के रूप में बांटा गया। पंचायती राज विभाग द्वारा 205 ग्राम प्रधानों तथा ग्रामवासियों का संवेदीकरण किया गया। इसके अलावा 644 नये शौचालयों का निर्माण कार्य भी पूरा कराया गया। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अन्तर्गत नगरपालिका परिषद द्वारा 12 वार्डो के सभी नालियों की सफाई तथा कचड़ा निस्तारण कार्य कराया गया इसके साथ ही फागिंग भी करायी जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा 724 प्रतिज्ञा रैली, 708 एस0एम0सी0 मीटिंग, घर घर जाकर 724 जागरूकता रैली, स्कूलों की साफ सफाई तथा स्कूलों में मेलों का भी आयोजन किया गया।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 मई, 2024

त्रूदो की रणनीति
खालिस्तानियों को समर्थन

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो की टोरंटो में एक आयोजन में उपस्थिति के समय खालिस्तान-समर्थक नारे लगाए गए। भारत ने इस घटना का विरोध किया है। इस बार टोरंटो में हुए एक आयोजन में खालिस्तान-समर्थक नारेबाजी ने भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव पैदा कर दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो भी इस आयोजन में उपस्थित थे, जिससे लगता है कि कनाडा सरकार ने इस कृत्य को स्वीकृति दी है। घटना के बाद कनाडा सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद भारत ने नई दिल्ली में कनाडा के राजनयिक को तलब कर इस घटना पर अपनी घोर असहमति दर्ज कराई। सांस्कृतिक विविधता तथा समावेशन को प्रोत्साहित करने वाले इस आयोजन में अचानक कुछ लोग 'अलगाववादी आंदोलन' खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाने लगे। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने विभिन्न मुद्दों पर दोनों देशों के बीच जारी वार्ता को नुकसान पहुंचाया है। भारत के लिए यह घटना संवेदनशील है क्योंकि वह खालिस्तान आंदोलन को अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा मानता है। भारतीय अधिकारी खासकर राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में 'खालिस्तान-समर्थन' के किसी प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लेते हैं। इसलिए भारत सरकार ने बिना कोई समय गंवाये कनाडाई अधिकारियों से अपने सरोकारों का साझा किया। कनाडाई राजनयिक को तलब करना भारत की अप्रसन्नता का स्पष्ट संकेत है और इससे मामले की गंभीरता का पता चलता है। इस बीच कनाडा में हुई इस घटना ने 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की सीमा तथा ऐसी घटनाओं के राजनयिक संबंधों पर प्रभावों के बारे में चर्चा छेड़ दी है।

भले ही कनाडा स्वतंत्र भाषण एवं समागम के सिद्धान्तों का सम्मान करता हो,

पर उसकी धरती पर उसके प्रधानमंत्री की उपस्थिति में खालिस्तान-समर्थक नारेबाजी खासकर राजनयिक संदर्भ में ऐसी कार्रवाइयों के औचित्य पर सवाल उठाती है। बहु-सांस्कृतिकता तथा विविधता के पैरोकार त्रूदो ने अब तक इस घटना पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। लेकिन उम्मीद है कि वे राजनयिक प्रभावों तथा भारत के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने के महत्व पर गौर करते हुए उचित समय पर इस मुद्दे को संबोधित करेंगे। कनाडा में खालिस्तानियों की जड़ों को देखते हुए ऐसी किसी घटना की संभावना का अनुमान पहले से ही था। ऐसे में कनाडा के प्रधानमंत्री को पहले से ही सुनिश्चित करना चाहिए था कि ऐसी घटना न हो जिससे सरकार की छवि खराब हो तथा भारत के साथ संबंधों में तनाव पैदा हो। वास्तव में अपनी धरती पर खालिस्तानियों का 'तुष्टीकरण' कनाडा के लिए भी समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि इतिहास स्वयं को दुहराता है तथा ऐसे तत्वों को शरण देने वाली सरकारों को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ा है। यह घटना खासकर संवेदनशील भू-राजनीतिक मुद्दों पर अनिवासी राजनीति के प्रबंधन की जटिलता भी रेखांकित करती है। कनाडा में सिखों की बड़ी संख्या है जिनमें से अनेक के भारत के साथ मजबूत संबंध हैं और 'खालिस्तान आंदोलन' के बारे में उनके विचार अलग-अलग हैं। कुल मिला कर टोरंटो घटना विश्व राजनीति के परस्पर जुड़ाव तथा संप्रभुता, एकता व विविध दृष्टिकोणों के बीच सम्मान के सिद्धान्तों की सुरक्षा में सतर्कता को प्रकट करती है। यह घटना इस बात की भी याद दिलाती है कि परस्पर निर्भर एवं आपस में पूरी तरह जुड़ी दुनिया के एक कोने में बोले गए शब्द या की गई कार्रवाइयों का पूरी दुनिया पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और इससे वर्षो तक अंतरराष्ट्रीय संबंध भी प्रभावित होते हैं।

भारत में सेमीकंडक्टर क्रांति

भारत की प्रतिभा, उसके संसाधन तथा ढांचागत संरचना की स्थिति उसे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्रांति का अवसर देती है। भारत इस क्षेत्र में दुनिया भर में अग्रणी बनने की ओर बढ़ रहा है।

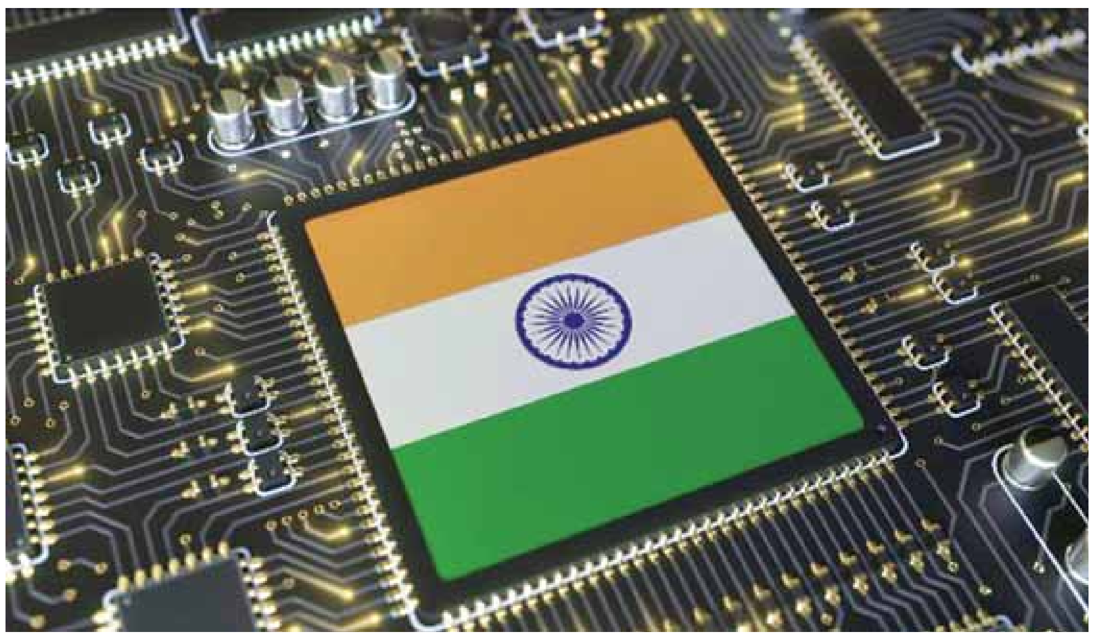

ए.एस. मित्तल
(लेखक, उद्योग जगत से संबद्ध हैं)

वर्तमान समय में हमारा जीवन लगातार तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे में सेमीकंडक्टर समाज का आवश्यक आधार बन गए हैं। ये छोटी-छोटी चिपें हमारे एलेक्ट्रानिक उपकरणों, संचार व्यवस्थाओं तथा यहां तक कि कृषि उपकरणों, चिकित्सा उपकरणों व वाहनों के लिए जरूरी हो गई हैं। भारत ने तकनीक में इस 'मौन क्रांति' की सामाजिक-आर्थिक व रणनीतिक संभावनाओं को पहचाना है। वह जीवन्त सेमीकंडक्टर परिस्थितिकी तंत्र तथा इसके लिए प्रशिक्षित कार्यबल के विकास का निर्माण करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

भारत का लक्ष्य सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के साथ विश्व नेता बनने का है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि सेमीकंडक्टर उद्योग एक मिलियन से अधिक रोजगार सृजित कर सकता है जिसमें सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियर, निर्माण इंजीनियर, आरएंडडी वैज्ञानिक, आपरेटर, तकनीकविद तथा चिप डिजाइन व सेमीकंडक्टर फैब्रीकेशन, पैकेजिंग तथा बिक्री सुविधाओं में अगले पांच साल में कुशल कामगार शामिल हैं। नेशनल असोसियेशन आफ साफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज़-नैस्काम तथा जिनोव की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 'पिछले साल दिसंबर की तिमाही में भारत में स्थापित नए वैश्विक क्षमता केन्द्रों में से लगभग 30 प्रतिशत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में थे। इससे फ्रंट एंड डिजाइन, क्षमता परीक्षण तथा पोस्ट-सिलिकान वैलीडेशन में स्थानीय प्रतिभा के विकास में बढ़ती दिलचस्पी प्रकट होती है।' दुनिया की प्रमुख चिप डिजाइन कंपनियों ने भारत में अपने डिजाइन व आरएंडडी सेंटर स्थापित किए हैं। इनमें इंटेल, टेक्सास इन्स्ट्रूमेंट्स, एमडी, एनविडा और क्वालकाम शामिल हैं।

एएमडी ने हाल ही में बैंगलुरू में अपने सबसे बड़े वैश्विक डिजाइन सेंटर की स्थापना की है। मार्च में 'इंडियाज़ टेकएड: चिप्स फार विकसित भारत' आयोजन में तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया जिनमें 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टाटा एलेक्ट्रानिक्स ने ताइवान की पावर चिप सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कार्पोरेशन-पीएसएमसी के सहयोग से गुजरात के ढोलेरा में देश का पहला सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया है जिसमें 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसके साथ ही उसने असम के मोनगांव में 27,000 करोड़ के निवेश से एक और प्लांट स्थापित किया है जिसमें 2026 में चिपों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। अमेरिका के सेमीकंडक्टर निर्माता माइक्रान इंडिया का प्लांट 22,500 करोड़ के निवेश से गुजरात के सानंद में स्थापित किया गया है। उम्मीद है कि यह दिसंबर में पहली 'मेड इन इंडिया' मेमोरी चिप्स का उत्पादन शुरू कर देगा।

चंद्रयान-3 मिशन में योगदान करने वाले सेमीकंडक्टर कार्पोरेशन आफ इंडिया-एससीएल ने मोहाली प्लांट में अपनी चिप सुविधा को अद्यतन बनाने का प्रस्ताव किया है जिस पर 20,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके साथ ही उसने इसरो तथा अन्य अंतरिक्ष शोध संगठनों के साथ वैश्विक स्तर पर सहयोग शुरू किया है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में फिलहाल 95 प्रतिशत आयात निर्भरता है। भारत के वर्तमान सेमीकंडक्टर चिप परिस्थितिकी तंत्र की तेज प्रगति के बावजूद भारत अभी अमेरिका, ताइवान, चीन, जापान, मलेशिया, सिंगापुर व दक्षिण कोरिया पर सेमीकंडक्टरों के लिए निर्भर है जहां से लगभग 95 प्रतिशत सेमीकंडक्टरों का आयात होता है। आयात पर यह निर्भरता घटाने के लिए भारत ने सेमीकंडक्टर उद्योग के जीवन्त स्वदेशी रणनीतिक महत्व को स्वीकार किया है। इसने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन-आईएसएम की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत क्षेत्र में नए प्रवेश करने वालों को 50 प्रतिशत पूंजीगत खर्च, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन-पीएलआई तथा डिजाइन-आधारित प्रोत्साहन-डीएलआई का प्रस्ताव किया गया है। इसके लिए 76,000 करोड़ रुपये की धनराशि रखी गई है। इसके साथ ही राज्य सरकारों ने भी प्रोत्साहनों, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी तथा क्षमता विकास पर ध्यान केन्द्रित किया है। कौशल में कमी को संबोधित करने के लिए एलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों में चिप डिजाइन में 85,000 से अधिक इंजीनियरों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य बनाया है। इस प्रकार के केन्द्रित प्रयासों से उपयुक्त नीति निर्माण की सहायता से वह परिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का इरादा है जो इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर तंत्र तैयार कर सके।

चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध के कारण पैदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण कंपनियों को चीन के बाहर अपने वैकल्पिक उत्पादन आधार तलाशने पर मजबूर किया है। उद्योग द्वारा स्थान बदलने के इन प्रयासों के कारण भारत और दक्षिणपूर्वी एशियाई देश, जैसे मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और इंडोनेशिया को भविष्य में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए पसंद किया जा रहा है। भारत ने इस परिस्थितिकी तंत्र में सही समय पर और रणनीतिक रूप से प्रवेश किया है। यह वैश्विक सप्लाई श्रृंखला में विविधता लाने तथा भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन तथा उत्पादन व तकनीकी विकास में अग्रणी बनाने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इससे देश के नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बड़े पैमाने पर विकसित होंगे। भारत में इस उद्योग के विकास की वर्तमान परिस्थितियां बहुत अच्छी हैं।

बैंगलुरू और हैदराबाद भारत में सेमीकंडक्टर वैश्विक क्षमता केन्द्रों-जीसीसी के दो तिहाई को स्थान देते हैं। यह देश में सेमीकंडक्टर जीसीसी का लगभग 55 प्रतिशत है। 95 अन्य जीसीसी इकाइयों तथा 50,000 के कुशल कार्यबल के साथ यह भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। वर्तमान समय में भारत का सेमीकंडक्टर बाजार लगभग 15 बिलियन डालर है जिसके 2026 तक 55 बिलियन डालर पहुंचने की आशा है। वर्तमान समय में स्मार्टफोन व वियरेबल्स, आटोमोबाइल हिस्से, कंप्यूटर व डेटा स्टोरेज का इस बाजार के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा है। वास्तव में विभिन्न प्रकार के सेमीकंडक्टरों का उत्पादन एक अत्यधिक जटिल प्रक्रिया है जिसमें सबसे छोटे स्तर पर भी पूर्ण सटीकता जरूरी है। चूंकि वैश्विक स्तर पर चिपों की दुनिया पूरी तरह एक दूसरे से जुड़ी है, इसलिए भारतीय कंपनियों को ताइवान व दक्षिण कोरिया की कंपनियों से सहयोग करने की आवश्यकता है ताकि वे अद्यतन तकनीक तक अपनी पहुंच बना सकें तथा इसका प्रयोग ज्यादा से ज्यादा चिपों में कर सकें। इन क्षेत्रों में आटोमोबाइल मशीनें, स्मार्ट चिकित्सा उपकरण, 6जी तथा उसके बाद के भावी संचार उपकरण तथा सभी प्रकार के एलेक्ट्रानिक्स में एआई शामिल हैं। भारत को इस क्षेत्र में, खासकर उत्कृष्ट चिप डिजाइन व फैब्रीकेशन में उपयुक्त कौशल तैयार करना होगा। वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण उद्योग में लगभग 2.3 मिलियन अत्यन्त कुशल कामगार हैं जिनमें से लगभग 25 प्रतिशत वरिष्ठ इंजीनियर भारतीय हैं।

इस प्रतिभा को अपने पास बनाए रखने तथा नई प्रतिभा आकर्षित करने के लिए भारतीय कंपनियां ताइवान के चिप निर्माता केन्द्र शिंचू में रोडशो कर रही हैं। संचार एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है, 'अमेरिका से अनेक युवा इंजीनियरों ने भारत लौटने का निर्णय किया है। इसके उलट ताइवान, सिंगापुर और मलेशिया में इस क्षेत्र में काम करने वाले इंजीनियरों की औसत आयु 45 वर्ष है और वे ज्यादा अनुभवी हैं। हमें उम्मीद है कि उनमें से अनेक भारत के हाईटेक निर्माण क्रांति में हिस्सा लेने के लिए भारत वापस आएंगे।' इस प्रकार भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का भविष्य असाधारण संभावनाओं वाला है। यह देश के परिष्कृत तकनीकी परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, देश की आर्थिक प्रगति का संचालन करता है तथा देश को खोज के मामले में दुनिया भर में अग्रणी बनाता है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस क्षेत्र में प्रवेश करने तथा यहां काम करने वाली भारतीय प्रतिभाओं के लिए दुनिया भर में अवसर प्रदान करता है। भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की तेजी से होती प्रगति को देख कर विदेशों में कार्यरत भारतीय युवा इंजीनियर भारत लौटने की तैयारी कर रहे हैं। भारत स्पष्ट रूप से सेमीकंडक्टर उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहता है। अपनी प्रतिभा, संसाधनों व ढांचागत संरचनाओं को देखते हुए भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है और वह आने वाले वर्षों में पूरी दुनिया में अग्रणी बनने की ओर बढ़ रहा है।

भारत में बौद्धिक संपदा की भूमिका

> "भारत नवाचार का उपयोग करके, परिवर्तन को अपनाकर और जोखिम लेने वाली संस्कृति विकसित कर जापान के मेजी परिवर्तन के बाद का अनुकरण कर सकता है।"

कृष्णा सरमा
(लेखक, कारपोरेट क्षेत्र से जुड़े हैं)

15 अगस्त, 2022 को 76वें स्वतंत्रता दिवस के भाषण में, प्रधानमंत्री ने जय अनुसंधान पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी नवाचारों पर ध्यान देने के साथ नवाचार का आह्वान किया। 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर, प्रतिस्पर्धी और 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है। नवाचार में प्रमुख उत्पादकता लाभ हासिल करने की क्षमता है और यह राष्ट्र को सभी क्षेत्रों में उच्च मूल्य वर्धित उत्पादों और सेवाओं की ओर छलांग लगाने की अनुमति देगा।

पिछले कुछ वर्षों में, विश्व स्तर पर हमने ज्ञान अर्थव्यवस्था से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आभासीता के युग में एक मौलिक और तेजी से बदलाव देखा है। उसी समय के दौरान, महामारी की अभूतपूर्व प्रकृति और पैमाने ने नए इलाज – टीके, दवाएं और निदान खोजने के लिए एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व की पुष्टि की।

वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान आधार की विरासत वाले देश के लिए, भारत में निजी क्षेत्र ने पहले अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) में मामूली निवेश किया है। भारत ने अपनी अनूठी चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार के प्रति एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है। आधार प्लेटफ़ॉर्म से शुरू होने वाला परिवर्तनकारी डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा इसका एक उदाहरण है। इसी तरह, सार्वजनिक स्वास्थ्य, दवाओं की पहुंच और सामर्थ्य और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के संबंध में चिंताओं की पृष्ठभूमि में, बायोफार्मास्युटिकल क्षेत्र में नवाचार के लिए भारत का दृष्टिकोण मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व वाले सहयोगी नवाचार पर आधारित है, जहां निजी क्षेत्र केवल प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जबकि कई मामलों में, सार्वजनिक रूप से समर्थित अनुसंधान प्रारंभिक खोज का स्रोत प्रदान करता है, यह निजी क्षेत्र है जिसे नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना होगा और उन्हें बाजार में लाना होगा। सभी क्षेत्रों में तेजी से बदलते बाज़ार में अग्रणी बनने के लिए, निजी क्षेत्र का नवाचार महत्वपूर्ण है। कोई नवप्रवर्तन को कैसे मापता है? एक तरीका यह निर्धारित करना हो सकता है कि कोई कंपनी अपने राजस्व के प्रतिशत के रूप में अनुसंधान एवं विकास पर सालाना कितना खर्च करती है। चूंकि पेटेंट एक आविष्कार के लिए विशेष अधिकार सुरक्षित करते हैं, किसी कंपनी के नवोन्वेषी सूचकांक को अतिरिक्त रूप से ग्रेटेड पेटेंट की संख्या, दायर किए गए पेटेंट आवेदनों, चाहे फाइलिंग कई देशों में हो, पेटेंट की गुणवत्ता आदि से आंका जा सकता है।

भारत में आईपीआर व्यवस्था पर वाणिज्य पर संसदीय स्थायी समिति की 161वीं रिपोर्ट (जुलाई 2021) में चिंता व्यक्त की गई है कि पिछले चार वर्षों में भारत में पेटेंट की संख्या में वृद्धि की दर अमेरिका और चीन की तुलना में बहुत कम रही है। यह कहा जाता है कि यह आर और डी पर सूक्ष्म खर्च से सह-संबंधित है जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.7 प्रतिशत है। विश्व स्तर पर, सबसे अधिक अनुसंधान और विकास व्यय वाली कंपनियां अमेज़ॅन, मेटा, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल कॉर्प जैसी बड़ी तकनीकी अमेरिकी कंपनियां और रोश, जे एंड जे, फाइजर, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब और मर्क एंड कंपनी जैसी बायो-फार्मास्युटिकल कंपनियां हैं। यह सूची इसमें चीन की तीन कंपनियां भी शामिल हैं – हुआवेई, टेनसेंट होल्डिंग्स और अलीबाबा; दक्षिण कोरिया से सैमसंग; और वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसे यूरोपीय ऑटोमोबाइल निर्माता।

बायोफार्मास्युटिकल क्षेत्र के संबंध में, 1970 में दवाओं के लिए उत्पाद पेटेंट संरक्षण को हटाने से रिवर्स इंजीनियरिंग की अनुमति मिली, जिससे घरेलू जेनेरिक उद्योग की तेजी से वृद्धि हुई और भारत को %दुनिया की फार्मेसी% बनने में मदद मिली। हालाँकि, उसी समय, प्रभावी पेटेंट संरक्षण की कमी ने अनुसंधान एवं विकास में कॉर्पोरेट निवेश और नए अणुओं की खोज पर गहरा प्रभाव डाला। 2013 में लॉन्च किया गया ज़ाइडस कैडिला का सारोग्लिटाज़र अब तक एकमात्र ऐसा यौगिक है जिसे पूरी तरह से स्वदेशी रूप से खोजा गया था।

भारत में अपनी शक्तियों का लाभ उठाकर, परिवर्तन को अपनाकर और जोखिम लेने वाली संस्कृति को बढ़ावा देकर अपनी नवोन्मेषी भावना को बढ़ावा देने की क्षमता है। मीजी रेस्टोरेशन के बाद विदेशी प्रौद्योगिकियों के आयातक और नकलकर्ता से लेकर नवाचार में एक वैश्विक पावरहाउस बनने तक जापान का परिवर्तन, जिसने दुनिया के तकनीकी परिदृश्य को परिभाषित किया है, इस बात का उदाहरण है कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। नवप्रवर्तन के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए कोई आशा की किरण नहीं है। ब्रायस हॉफमैन ने अपनी पुस्तक रेड टीमिंग में दिखाया है कि कैसे विघटनकारी नवाचार के लिए आलोचनात्मक और विरोधाभासी सोच की आवश्यकता होती है। इसलिए, वैज्ञानिक स्वभाव और जोखिम लेने और उद्यमशीलता की भावना को विकसित करने के लिए, हमारी शिक्षा प्रणाली को रटने और अनुरूपता पर जोर देने की सख्त जरूरत है। दूसरा, हमें नवाचार का व्यावसायीकरण करने के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच घनिष्ठ सहयोग को सख्ती से आगे बढ़ाना चाहिए। यह बहुत गर्व की बात है कि आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर राहुल पुरवार ने कैंसर के इलाज के लिए पहली स्वदेशी रूप से विकसित सेल और जीन थेरेपी के लिए विपणन अनुमोदन प्राप्त किया।

अंतिम लेकिन कम से कम, एक मजबूत, सार्थक और पूर्वानुमानित बौद्धिक संपदा अधिकार प्रणाली आविष्कारकों और निवेशकों को आविष्कारशील गतिविधि में जोखिम पूंजी निवेश करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है – एक बहुत ही उच्च जोखिम वाला उपक्रम है।

आप की बात

दलबदल की बीमारी

दलबदल की बीमारी से कोई भी राजनीतिक दल अछूता है। किन्तु चुनाव के मौसम में और मतदान के ऐन वक्त पर कांग्रेसी तथा निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेने, पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का जो सिलसिला इस चुनाव में तेजी से देखने को मिल रहा है, ऐसा पिछले किसी चुनाव में देखने को शायद ही मिला हो। आखिर कांग्रेस से इतने नाराज लोग भाजपा में शामिल होने को आतुर क्यों हो रहे हैं? सूरत से कांग्रेसी उम्मीदवार का पर्चा रद्द होने और निर्दलियों द्वारा नाम वापस लेने के बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। इसके बाद इंदौर के कांग्रेसी उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस लेकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। पहले भी अलग-अलग और समूह के समूह कांग्रेस से अलग हुए और भाजपा या अन्य पार्टियों में शामिल हो गए। शायद ऐसे लोगों को कांग्रेस नेतृत्व की नीतियां ठीक नहीं लग रही है या उन्हें वो डूबती नाव लग रही है। चुनावों से ज्यादा जनता में दलबदल की मौजूदा बीमारी की चर्चा हो रही है जो संक्रामक रूप धारण कर चुकी है। यह बीमारी जनता में राजनीतिक दलों व राजनेताओं के प्रति भारी अविश्वास का कारण बन सकती है। इस परिघटना पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

कनाडा में खालिस्तानी

जस्टिन त्रूदो की मौजूदगी में कनाडा के टोरंटो में हुए एक आयोजन में खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाते रहे। इस प्रकरण पर भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। कनाडा का प्रशासन तंत्र शासन के इशारे पर और वोटों की राजनीतिक के चलते पूरी तरह से खालिस्तानियों का समर्थक बन गया है और उसने अपने देश को खालिस्तानी आतंकवादियों व अलगाववादियों का सुरक्षित स्वर्ग बना दिया है। पूर्व में भी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या पर हत्यारों का गुणगान करते हुए वहां झांकी निकाली गई थी तथा जमकर भारत-विरोधी नारेबाजी की गई थी। मगर कनाडा सरकार ने उस समय ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी और अब भी उससे कठोर कार्रवाई की उम्मीद कम है। भारत सरकार को ही अब कनाडा से सखती के साथ पेश आना होगा। भारत सरकार को वहां पढ़ने गए छात्रों तथा काम कर रहे युवाओं को खालिस्तानियों के शिकंजे में आने से बचाना होगा। हालांकि, कनाडा में रहने वाला सिख समाज अधिकांशत: खालिस्तान-समर्थक नहीं है और वह भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। कनाडा में रहने वाले सिखों को भी अब अपने भीतर के चरमपंथी तत्वों का विरोध करना होगा।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

बाल विवाह

हर साल आखातीज या अक्षय तृतीया पर कुछ समाजों में सामूहिक विवाहों का आयोजन किया जाता है। अक्सर ही इन सामूहिक विवाहों में कम उम्र के लड़के-लड़कियों के विवाह भी कर दिए जाते हैं। हालांकि, पहले की तुलना में इस बार अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की घटनाओं को सुर्खियों में स्थान नहीं मिला, लेकिन इसका कारण संभवत: देश में आम चुनाव संबंधी खबरों की भरमार है। लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज भी देश में बाल-विवाह की निंदनीय पृथा जारी है। कम उम्र में विवाह करना कानूनी तौर पर तो अपराध है, इससे बच्चों-बच्चियों के भावी विकास और पूरे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, सरकारी योजनाओं तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा फैलाई जन-जागरूकता के कारण बाल-विवाह की घटनाओं में काफी कमी आई है। लेकिन इसके बावजूद समाज के बहुत गरीब लोग अथवा कट्टरपंथी धार्मिक सोच के कारण भी कुछ लोग बच्चियों व किशोरियों का बालिग होने के पहले ही विवाह कर देते हैं। पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू कर और जमीनी स्तर पर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कर बाल विवाहों पर स्थाई रूप से रोक लगाने का काम किया जा सकता है।

–**एमएम राजावत,** शाजापुर

मजदूरों की पीड़ा

पहली मई या मजदूर दिवस पर विश्व के मजदूरों को एक संदेश दिया जाता है कि तमाम देशों की सरकारें आपके साथ हैं और आपके कल्याण के लिए काम कर रही हैं। लेकिन सवाल है कि क्या खासकर शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों की परेशानियों को हल निकाला गया है या इसके गंभीर प्रयास किए गए हैं। बाकी दुनिया की तरह भारत में भी मजदूरों की पीड़ा का कोई अंत नहीं है। पिछले काफी सालों से देश में विभिन्न पार्टियों की सरकारों ने शोषणकारी ठेकेदारी प्रथा को ही बढ़ावा दिया है। एक समय था कि देश में सरकारी कामकाज में स्थाई रूप से काम करने वाले मजदूरों के लिए ठेकेदारी प्रथा नहीं थी, लेकिन अब अधिकांश नियमित सरकारी काम भी ठेकेदारों के माध्यम से होते हैं। ऐसे कामों में मजदूरों का सरकारों द्वारा निर्धारित मिलने वाली न्यूनतम मजदूरी भी सुनिश्चित नहीं होती है। महंगाई तथा अन्य जरूरतें बढ़ने के बावजूद मजदूरों की मजदूरी में आवश्यक वृद्धि नहीं हुई है। इनको कोई सामाजिक सुरक्षा भी उपलब्ध नहीं है और ठेकेदार अपनी मर्जी से उनको काम पर रखते और हटा देते हैं। मजदूरों की पीड़ा दूर करने के प्रयास होने चाहिए।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

विश्व मजदूर दिवस पर डीएम ने श्रमिकों से किया संवाद

- मतदाताओं को जागरूक करेंगे जिले के श्रमिकः नेहा शर्मा
- जिले की गलियों में धूम मचा रहा 'मेरा गोंडा, मेरी शान' गीत

संवाददाता। गोंडा

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जिला पंचायत सभागार में विश्व मजदूर दिवस पर जनपद के श्रमिकों के साथ मतदाता जागरूकता संवाद कार्यक्रम का आयोजन कराया। उन्होंने बताया है कि मतदान के लिए हम सभी श्रमिक सभी मतदाताओं को मतदान के दिन शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक करेंगे। इस दौरान श्रमिकों ने मतदाता जागरूकता के संबंध में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। जनपद के सभी श्रमिक ने एक साथ मेरा गोण्डा मेरी शान का नारा लगाते हुए कहा कि अबकी बार सभी लोग जनपद में शत-प्रतिशत मतदान करने लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे।

डीएम ने कहा कि हमारे जनपद के सभी श्रमिक शत-प्रतिशत मतदान के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रमिक संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी की इस पहल को हम लोग पूरे जनजन तक जरूर पहचायेंगे कि आगामी 20 मई को अधिक से अधिक संख्या में निकल कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। साथ ही अपने घर के आसपास के लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

उन्होंने बताया कि विगत 30 मार्च से निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम के तहत वाकथॉन के साथ वृहद कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में व्यापार एवं उद्योग बन्धु के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नागरिक व वृद्धजनों तथा पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों, युवा संवाद कार्यक्रम, ट्रासजेण्डर्स संवाद कार्यक्रम, लाइनमैन संवाद कार्यक्रम, महिला समूह से संवाद कार्यक्रम, मिनी मैराथन दौड़, जनपद सभी ग्राम प्रधानों के साथ संवाद कार्यक्रम, अधिवक्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, डिप्टी कलेक्टर नेहा मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए चन्द्र शेखर, उपश्रमायुक्त देवीपाटन अनुभव वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, सहायक श्रमायुक्त मोहम्मद अब्बास, श्रम प्रवर्तन अधिकारी योगेश दीक्षित, संदीप सिंह, मंच संचालक रघुनाथ पाण्डेय, तथा सभी मजदूर पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने हेतु तैयार किया गया जागरूकता गीत मेरा गोण्डा मेरी शान... खूब धूम मचा रहा है। यह जागरूकता गीत जनपद में संचालित सभी स्वच्छता वाहनों, ई-रिक्शा समेत अन्य माध्यमों से गांव-गांव तक पहुंच रहा है। उधर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी इस गीत का अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की पहल पर तैयार किए गए इस गीत के माध्यम से जनपदवासियों को आगामी 20 मई को होने वाले मतदाता के लिए प्रेरित किया गया है। इसकी गीत को लोकगायक शेनदत्त सिंह ने अपनी आवाज दी है। गीत कबीर का और संगीत प्रकाश सोनी का है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह गीत गोंडा के प्रत्येक मतदाता को समर्पित है, जो अपने राष्ट्रीय कर्तव्य पर ध्यान देता है और सभी बाधाओं को पार करते हुए अपना वोट डालता है। यह गीत नए मतदाताओं एवं भविष्य के मतदाताओं व युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करता है। साथ ही सौ वर्ष की आयु के मतदाताओं, सैनिक मतदाताओं, पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

डीएम ने बताया कि मतदाता जागरूकता हेतु जनपद में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार एक मई से जनपद में ग्राम पंचायतों में ई-रिक्शा के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

पीस पार्टी के प्रत्याशी गिरिवर सिंह ने नामांकन पत्र किया दाखिल

संवाददाता। संतकबीरनगर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु बुधवार को पीस पार्टी के प्रत्याशी गिरवर सिंह द्वारा रिटर्निंग आफिसर/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया गया। नामांकन के तीसरे दिन 11 व्यक्तियों द्वारा कुल 23 सेटों में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। आज नामांकन पत्र प्राप्त करने वालों में निर्दलीय से अश्वनी कुमार पुत्र लालमनि, रविन्द्रनाथ पाण्डेय पुत्र यमुना प्रसाद, सत्यनारायन पुत्र राममिलन प्रजापति, सत्यवंत प्रताप सिंह पुत्र सिंघासन सिंह, रामचन्द्र पुत्र जयराम गुप्ता, रामकृष्ण द्विवेदी पुत्र रामलाल द्विवेदी एवं दानिश असरफहेतु बदरेआलम पुत्र जमालुद्दीन ने नामांकन पत्र प्राप्त किया। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा से रामाकान्त पाण्डेय पुत्र रामदयाल पाण्डेय, आजाद अधिकार सेना से सतीश सिंह पुत्र अशोक सिंह, मौलिक अधिकार पार्टी से श्याम कुमार राव पुत्र रामनवल एवं भारतीय आरक्षण मुक्ति दल (अटल बिहारी हेतु) हरेन्द्र कुमार उपाध्याय पुत्र ओंकारनाथ उपाध्याय द्वारा नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। उल्लेखनीय है कि नामांकन पत्र प्राप्त किये जाने एवं नामांकन पत्रों को दाखिल/जमा किये जाने की अंतिम तिथि आगामी 06 मई 2024 सायं 3 बजे तक निर्धारित है।

बसपा के जिलाध्यक्ष बनाये गए झिनकान प्रसाद

संतकबीरनगर। बहुजन समाज पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव नामांकन के समय में जिलाध्यक्ष को बदल दिया है। धर्मदेव प्रियदर्शी को हटाते हुए झिनकान प्रसाद के हाथ में कमान सौपा है। झिनकान प्रसाद विश्वसनीय व पुराने बहुजन समाज पार्टी के सक्रिय सिपाही के साथ-साथ पूर्व में जिलाध्यक्ष पद पर रहे है और राजनीति का एक अच्छा अनुभव भी है। झिनकान प्रसाद के कार्यकाल में बसपा संगठन मजबूत रहा समीक्षा उपरान्त बसपा शीर्ष नेतृत्व ने जनपद संतकबीरनगर के जिलाध्यक्ष पद का जिम्मेदारी झिनकान प्रसाद को सौपी है।

बाउंड्री विहीन प्राथमिक विद्यालय बना आवारा पशुओं का बसेरा

जगदीशपुर, अमेठी। सरकार जहां विद्यालय के रखरखाव के लिए लाखों करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है वही जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते बाउंड्री विहीन प्राथमिक विद्यालय आवारा पशुओं का बसेरा बन गया है जहां विद्यालय के बच्चे आज सुरक्षित नहीं है तो वही आला अधिकारी बेखबर होकर कुंभकर्णी नींद में सो रहे हैं। विकास खण्ड के अंतर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालय मरौचा तेतार पुर मे ग्राम प्रधान व सचिव की अनदेखी के चलते विद्यालय की व्यवस्था डावाडोल होती जा रही है वहां का नजारा यह है कि विद्यालय का बाउंड्री वॉल ना होने के चलते रसोईया जब भोजन पकाती है तो आवारा पशु अंदर घुसकर राशन तक चट कर जाते हैं तो वहीं जब बच्चों को भोजन परोसा जाता है तो आवारा पशु आकर अपना तांडव मचाते हैं जिससे भोजन छोड़कर बच्चों को भागना पड़ता है विद्यालय के शिक्षकों से मिली जानकारी के अनुसार आवारा पशुओं के अलावा बंदर भी आकर बच्चों को परेशान करते हैं जिससे बच्चों के पठन-पाठन में व्यवधान उत्पन्न होता है। यह सब जानते हुए भी ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधान ने अब तक स्कूल की तरफ ध्यान नहीं दिया।

धार्मिक उन्माद एवं शान्ति व्यवस्था बिगड़ने की सम्भावना पर गिरफ्तारी गलतः आमोद कंठ

- इंचार्ज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने किया रिमांड निरस्त, विवेचक से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता। रायबरेली

इंचार्ज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमोदकंठ ने बछरावां थाना क्षेत्र के टेला बरौला गांव में धार्मिक चबूतरे को तोड़ने व धार्मिक उन्मान फैलाने के आरोपियों की पुलिस रिमाण्ड की याचना को न केवल खारिज कर दिया, बल्कि अभिरक्षा में मौजूद तीनों आरोपियों को रिहा भी कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मात्र धार्मिक उन्मान एवं शान्ति व्यवस्था बिगाड़ने की सम्भावना के आधार पर पुलिस लोगों को गिरफ्तार करना शुरू कर देगी तो वह किसी भी व्यक्ति को बिना किसी पर्याप्त आधार तथा बिना उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों का पालन किये दण्ड प्रक्रिया संहिता के नियमों की अवहेलना करते हुए गिरफ्तारी किये जाने का बिना कोई कारण दशति हुए हिरासत में ले लेगी।

जिससे संविधान में प्रतिपादित अनुच्छेद-21 के अधिकार नागरिकों को नहीं प्राप्त हो सकेंगे। अदालत ने कहा कि अभियुक्त महफुजुलहक, सनी खां उर्फ मजहरूलहक तथा मजम्मिल खां की अपराध संख्या-283/2024 धारा-147, 295 व 506 में गिरफ्तारी स्वीकार करने का आधार पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा अदालत ने अभियुक्तों के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेन्द्र सिंह भदौरिया की इस दलील को स्वीकार किया कि पुलिस ने धारा-41ए, दप्रसं की नोटिस का तामीला नहीं कराया है, जो आवश्यक था। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि उच्चतम न्यायालय की विधि व्यवस्था अरनेश कुमार-बनाम-बिहार राज्य एवं अन्य क्रि.अ.सं.-127/2014 में यह विधि व्यवस्था दी गयी है कि सभी मामले जिनमें सजा 7 वर्ष से कम है।

ऐसे मामले में धारा-141ए, द.प्र.सं. का नोटिस दिया जाना अनिवार्य है, साथ ही मजिस्ट्रेट पर यह दायित्व है कि ऐसे मामले में सामान्य तथा मैकेनिकल रूप में रिमांड स्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए। अदालत का मानना था कि पुलिस ने केस डायरी में ऐसा कोई उल्लेख नहीं किया है कि अभियुक्त ने विवेचना में सहायता अथवा भागने का कोई प्रयास किया तथा जांच में सहयोग न करने का कोई कोई कथन किया हो। इसके अलावां अभियुक्तों को जिन धाराओं में हिरासत में लिया गया है वे अपराध जमानतीय प्रकृति के हैं। न्यायाधीश ने मामले की विवेचना कर रहे विवेचक सुमन कुमार कुशवाहा से एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है कि क्यों न माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने के कारण प्रक्रीर्ण वाद दर्ज कर कार्यवाही की जाए।

दिव्यांगजनों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी निशा अनंत व मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्वीप सूरज पटेल के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित कराये जा रहे है। इसी क्रम में आज तहसील अमेठी में दिव्यांगजनों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर जनसामान्य से आगामी 20 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गयी। इस दौरान दिव्यांगजनों द्वारा विभिन्न स्लोगनों यथा वृद्ध, युवा, महिला, दिव्यांग-चलो करें हम सब मतदान, पहले मतदान फिर जलपान आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया।

क्विक न्यूज

प्रेम प्रसंग में तंग आकर युवक ने पिया फिनायल

शिवगढ़, रायबरेली। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत शिवगढ़ के रहने वाले 22 वर्षीय युवक प्रसुन्नदत्त ने प्रेम प्रसंग में तंग आकर फिनायल पी लिया, जिससे युवक की हालत बिगड़ गयी। जिसे परिजनों द्वारा आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ ले जाएगा जहां उपस्थित चिकित्साधिकारी डॉ.अनिल कुमार ने युवक की हालत गम्भीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के पश्चात युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। युवक की मां राजरानी ने बताया उसके बेटे प्रसुन्नदत्त की 3 वर्ष से एक लड़की से बातचीत होती किन्तु पिछले 1 वर्ष से दोनों में बातचीत नही हो रही थी। उन्होंने बताया कि 1 साल बाद कल मंगलवार को लड़की ने फोन किया और घर आ गई बोली शादी करेंगे तो प्रसुन्नदत्त से ही शादी करेंगे। समझाया बुझाया गया कि लड़का अभी नौकरी की तैयारी कर रहा है नौकरी के बाद शादी की जायेगी, जिसको लेकर दबाव बनाने लगी। जिससे परेशान होकर सदमें उनके बेटे ने फिनायल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। चिकित्साधिकारी डा.अनिल कुमार ने बताया युवक की हालत अच्छी नही है जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

गबन के आरोपी ग्राम पंचायत अधिकारी की जमानत अर्जी खारिज

संतकबीरनगर। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि धर्मसिंहवा थाना अंतर्गत ग्राम रैधरपार के संपूर्णननंद उपाध्याय ने प्रार्थना पत्र दिया कि ग्राम पंचायत रैधरपार के पूर्व ग्राम प्रधान जैसराम साहनी ने पंचायत के व्यक्तियों का कूटरचित जॉब कार्ड बनाकर और बैंक का पासबुक अपने पास रखकर मनरेगा मजदूरी के तहत फर्जी काम दिखाकर बैंक के कर्मचारियों को अपने प्रभाव में रखकर सरकारी लाखों रूपयो का गबन कर लिए हैं। उन्होंने अपनी प्रार्थना पत्र में बताया कि मृतक व्यक्तियों का फर्जी जॉब कार्ड बनाकर पैसा गबन किया गया है तथा फर्जी काम दिखा कर भी सरकारी धन का गबन किया गया है। मामले में थाना धर्मसिंघवा में जैसराम साहनी व अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत हुआ तथा पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की गई। दौरान विवेचना तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी असदुल्ला का नाम प्रकाश में आया। आरोपी अब्दुल्ला ने सत्र न्यायालय में जमानत अर्जी प्रस्तुत किया जिसका जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने विरोध किये और तर्क दिए की ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा शासकीय धन का दुरुपयोग कर गबन किया गया है।

अवध विश्वविद्यालय में टूरिस्ट गाइड प्रोग्राम के अंतर्गत हुआ व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता। अयोध्या

डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में टूरिस्ट गाइड प्रोग्राम के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सिंचाई एवं जल संसाधन, उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव डॉ0 हीरालाल रहे। उन्होंने प्रशिक्षु टूरिस्ट गाइड को संबोधित करते हुए कहा कि एक अच्छा गवर्नेंस का होना किसी भी स्थान को प्रसिद्धि प्रदान करता है। अयोध्या का अच्छा प्रशासन ही अयोध्या को प्रसिद्धि दिला रहा है।

उन्होंने कहा कि गाइड का कार्य है कि प्रशासन के साथ मिलकर अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को अन्य लोगों तक पहुचाएं। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गाइडिंग में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की बहुत ही उपयोगिता है। टूरिस्ट गाइड जितने ही इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से जागरूक होंगे, उतने ही आपकी मांग बढ़ती जाएगी। टूरिस्ट गाइड प्रशासन के गाइड लाइन का अनुकरण करना होगा। अयोध्या की सुन्दर छवि बनाने का कार्य करें क्योंकि पहले वह व्यक्ति आप ही हैं जो किसी भी अतिथि से मिले उनमें फर्स्ट इम्प्रेशन डाल सकते है।

कार्यक्रम में व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि प्रशिक्षु टूरिस्ट गाइड को अयोध्या के पौराणिक स्थलों की जानकारी रखनी होगी। गाइडिंग के लिए प्रशासन का सहयोग जरूरी है।

इसके लिए अपने स्किल को और बेहतर करना होगा। कार्यक्रम में प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 महेंद्र पाल सिंह, डॉ0 आशीष पटेल, डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 रामजी सिंह, डॉ0 राकेश कुमार, डॉ0 रविन्द्र भारद्वाज सहित अन्य शिक्षक एवं प्रशिक्षु टूरिस्ट गाइड मौजूद रहे।

नगर पंचायत ने किया प्लास्टिक बैंक का निर्माण

बछरावां, रायबरेली। नगर पंचायत बछरावां में पुराने कबाड़ से निर्मित प्लास्टिक बैंक का निर्माण किया गया और उन बैंकों को नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के विभिन्न स्थानों पर रखा गया और लोगों से उनमे कूड़ा डालने की अपील की गई। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए नगर पंचायत बछरावां के सभासद एवं ब्रांड एंबेसडर कुंवर वीरभान सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर नगर पंचायत बछरावा के अधिशासी अधिकारी राम आशीष वर्मा के निर्देशन में नगर पंचायत बछरावां में पुराने कबाड़ से निर्मित प्लास्टिक बैंकों को कस्बे के प्रमुख स्थान जैसे बस स्टॉप, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंद्रा जनरल स्टोर, विजय क्लीनिक सहित अन्य स्थानों पर रखा गयाद्य इस मौके पर सभासद धर्मेंद्र कुमार, सभासद मोहम्मद नदीम, डॉक्टर विजय शुक्ला नीरज साहू, बब्बू शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ईंट भट्ठा मालिकों ने बैठक कर जीएसटी सहित अन्य समस्याओं पर की चर्चा

संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय स्थित एक होटल में बुधवार को जिला ईट निर्माता समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सुधीर जैन और संचालन समिति के अध्यक्ष रवि उदय पाल ने किया। बैठक में जनपद के ईट भट्ठा मालिकों ने जीएसटी जमा करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। समिति के अध्यक्ष रवि उदय पाल ने कहा कि जनपद के ईट भट्ठा मालिक समय से जीएसटी जमा करें। जिससे भविष्य में होने वाली परेशानी से बचा जा सके।

उन्होंने कहा कि जीएसटी ने जमा करने से भट्ठा मालिकों के समक्ष तमाम समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं इससे बचने के लिए जीएसटी को समय-समय पर जमा करना अनिवार्य है। बैठक में फैसल खान, बबलू सिंह, सुभाष जैन, राम आशीष उपाध्याय, रामू चौधरी, राजेश चौरसिया, अनूप जैन, सुशील सावलानी, मोहम्मद इरफान खा, सुड्डु खान, जनार्दन चौधरी, वाहिद खान, बृजेश यादव, दीपू यादव, बुधीराम यादव, घनश्याम चौधरी, जमाल अंसारी, अब्दुल बारी, गुलाम हुसैन, अशोक राय, कमल सावलानी, शैलेंद्र कुमार, चंद्रशेखर सिंह सहित अन्य भट्ठा मालिक उपस्थित रहे।

अवध विवि के स्नातक, परास्नातक व अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शुरू हुई आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवासीय परिसर के स्नातक, परास्नातक, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों व विश्वविद्यालय के संघटक राजकीय महाविद्यालयों के समस्त पाठ्यक्रमों तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई। जिसकी अंतिम तिथि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 15 जून निर्धारित की गई है। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर इस आशय का पत्र कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र द्वारा 30 अप्रैल दिन मंगलवार को जारी कर दिया गया है। कुलसचिव ने बताया कि आवासीय परिसर व संघटक राजकीय महाविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित एलएलबी त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के साथ एमएड, बीपीएड व एमपीएड पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 हेतु प्रवेश के लिए आवेदन शुरू कर दिए गए है। जिसकी अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्राप्त आवेदन-पत्रों के सापेक्ष काउंसिंलिंग प्रक्रिया 20 जून से प्रारम्भ होगी। वहीं विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में एलएलबी, एलएलएम व एमएड एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन 06 जुलाई को किया जाना प्रस्तावित है। वही इन पाठ्यक्रमों के प्रवेश परीक्षा परिणाम की घोषणा 15 जुलाई की जायेगी। विवि आवासीय परिसर के प्रवेश समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू कर दिए गए है। परिसर के पाठ्यक्रमों में आवेदन के सापेक्ष मेरिट के आधार पर प्रवेश लिया जायेगा। जिसकी काउंसिंलिंग 20 जून से संबंधित पाठ्यक्रम के विभागों में कराई जायेगी।

प्रचंड गर्मी पर भाजपा के कार्यकर्ताओं का उत्साह पड़ा भारी, नामांकन के जुलूस में उमड़ा विशाल जनसमूह

- भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह ने उत्तराखंड सीएम धामी के साथ किया नामांकन

संवाददाता। अयोध्या

प्रचंड गर्मी पर भाजपा के कार्यकर्ताओं का उत्साह भारी पड़ा। रामकथा पार्क से निकलकर प्रेस क्लब तक पहुंचने वाले नामांकन जलूस के दौरान बढ़ा हुआ तापमान व तीव्र गति से चलती लू बेअसर दिखी। जयघोष करते भाजपा के कार्यकर्ता जलूस के आगे पैदल चल रहे थे। इसके बाद मोटरसाईकिल का काफिला व भाजपा के दो रथ चल रहे थे। एक रथ पर महंत कमलनयन दास, महंत मिथिलेश नंदनी शरण, आचार्य चित्रांशु, महंत मैथिली शरण, महंत वैदेही बल्लभ शरण दास, महंत परशुराम दास, जगदीश दास, मनीष दास, लोक सभा प्रभारी बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, दूसरे रथ पर पूर्व सांसद विनय कटियार, सांसद लल्लू सिंह, मंत्री दया शंकर सिंह, राज्यमंत्री सतीश शर्मा, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, एमएलसी हरिओम पाण्डेय, विधायकों में वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, डा अमित सिंह चौहान, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू व गोरखनाथ बाबा सवार थे।

जलूस के स्वागत के लिए कुछ-कुछ दूरी पर शिविर लगे हुए थे। जुलूस के पूर्व मार्ग पर दर्जनों स्थानों पर भाजपा के साथ विभिन्न संगठनों ने शिविर लगाए थे। जिसमें शरबत का वितरण किया जा रहा था। जलूस पर शिविर में खड़े लोगों द्वारा जय श्री राम के जयघोष के साथ जलूस पर पुष्पवर्षा कर रहे थे। नामांकन जलूस की व्यवस्था की जिम्मेदारी युवा मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने सम्हाल रखी थी। जलूस के दौरान इस बात का ख्याल रखा जा रहा था कि मार्ग पर चलने वालों को जाम की वजह से कोई दिक्कत न आने पाये।

जिसके लिए युवा मोर्चा के पदाधिकारी वाहनों को पास करा रहे थे। भाजपा के शीर्ष पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को उत्साहवर्धन करने के लिए जलूस में पैदल चल रहे थे। जलूस के आगे चल रहे डीजे पर भाजपा के सम्बंधित गीत बज रहे थे। नामांकन जलूस के दौरान सड़क की दोनां पटरियों पर खड़े लोग भाजपा के समर्थन में अपना हाथ उठा रहे थे। जगह-जगह लगे स्वागत शिविर में सुबह से स्वागत के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा थे। जलूस के पहुंचते ही पुष्प वर्षा करके इसका स्वागत किया गया। गठबंधन की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल ,अपना दल, सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ता भी जलूस में शामिल हुए।

नामांकन जुलूस में क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह, जिपंअ रोली सिंह, लोक सभा संयोजक बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, प्रभारी श्रीकृष्ण शास्त्री, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अवधेश पाण्डेय बादल, कमला शंकर पाण्डेय, अभिषेक मिश्र, पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, पूर्व चेयर मैन विजय गुप्ता, मनमोहन जायसवाल, तेजेन्दर पाल सिंह टिंकल, मनोज श्रीवास्तव, अरूण तिवारी, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, करूणाकर पाण्डेय, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, राघवेन्द्र पाण्डेय, आलोक सिंह रोहित, मनोज जायसवाल, ब्लाक प्रमुख कप्तान सिंह, आदि शामिल रहे।

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा कर रही सिलसिलेवार बैठक

संवाददाता। रायबरेली

लोकसभा चुनाव को मद्देनज़र रखते हुए भारतीय जनता पार्टी, जिले के सभी मंडलों में बैठकें कर रही है। आज बछरावां मंडल में बैठक आयोजित की गयी मंडल बैठक के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष बुद्धी लाल पासी रहे। बैठक में जिलाध्यक्ष ने मंडल के सभी पदाधिकारियों से लो.स. चुनाव के सम्बन्ध में एक एक पदाधिकारी से उनके द्वारा किये कए कार्यो के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा किया और जिले में चल रहे कार्यक्रमों अभियानों के सन्दर्भ समीक्षा की।

जिससे होने वाले चुनाव में लो.स. रायबरेली सहित पार्टी की ऐतिहासिक विजय का डंका बजेगा। गरीब, किसान,युवा,सभी को केंद्र और राज्य की योजनाओ का मिल रहा लाभ पार्टी सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास मूलमंत्र के साथ मोदी की गारंटी मोदी सरकार ऐतिहासिक विजय की ओर अग्रसर है। जिला मीडिया प्रभारी विनय शुक्ला ने बताया कि लो.स. क्षेत्र 36 रायबरेली के सभी 22 मंडलों में मंडल बैठक आयोजित हुई है जिसमें मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसी क्रम में नगर पश्चिम की बैठक जिला कार्यालय अटल भवन में संपन्न हुई द्य नगर पश्चिम की बैठक में मुख्य अतिथि महामंत्री शरद सिंह रहे। इस बैठक में नगर के प्रभारी शिवेंद्र सिंह ने बताया कि अब तक रायबरेली जिले में 22 मंडलों में 110 नुक्कड़ सभाएं संपन्न हो चुकी हैं जिससे विपक्ष के नेताओं में गांधी परिवार का गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली में प्रत्याशी उतारने का साहस नहीं हो पा रहा है। हरचंदपुर मंडल की बैठक में मुख्य अतिथि जिले के प्रवासी क्षेत्रीय मंत्री विकास सिंह ने मंडल से पदाधिकारी को बूथ के 20 करणीय कार्यों के बारे में बताया। नगर पूर्वी मंडल की बैठक जिले के प्रभारी पीयूष मिश्रा जी ने ली और नामांकन के दिन नगर क्षेत्र में अपार जनसमूह एकत्रित करने व बूथ पर आयुष्मान कार्ड के फॉर्म 70 साल के ऊपर वाले वृद्ध व्यक्तियों के भराने के लिए निर्देश दिया।

भाजपा से साध्वी तो बसपा से मनीष ने भरा पर्चा

● दोनों प्रत्याशियों ने एक-एक सेट में दाखिल किया नामांकन पत्र

● आधा दर्जन प्रत्याशियों ने कड़ी सुरक्षा के बीच दाखिल किया पर्चा

फतेहपुर। लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति एवं बसपा प्रत्याशी डा. मनीष सचान ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी सी. इंदुमती के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा प्रत्याशी की ओर से उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत अन्य विधायक आदि लोग शामिल रहे। इनके समेत कुल आधा दर्जन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तो वहीं छह लोगों ने नामांकन पत्र भी खरीदा।

शहर के शादीपुर स्थित एक गार्डेन में भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति के नामांकन के लिए सुबह 10 बजे से जिले भर से पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, केबिनेट मंत्री राकेश सचान के अलावा तमाम विधायक पहुंचे थे। दोपहर 12 बजे साध्वी निरंजन ज्योति ने अपना नामांकन कराया। नामांकन से पूर्व भाजपा प्रत्याशी तांबेश्वर मंदिर में जाकर मत्था भी टेका और पूजा अर्चना किया। वहीं बसपा प्रत्याशी डा. मनीष सचान भी पार्टी पदाधिकारियों के साथ डीएम कोर्ट में जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा एवं बसपा प्रत्याशियों ने एक-एक सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। बुधवार को कुल छह प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं आधा दर्जन लोगों ने नामांकन पत्र भी प्राप्त किया।

अन्य दलों ने भी दाखिल किया पर्चाः बुधवार को भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के उम्मीदवार रामबिहारी निवासी बाजार दक्षिणी बिंदकी, ने एक सेट में नाम निर्देशन पत्र का फार्म दाखिल किया। वहीं निर्दलीय बीरेंद्र सिंह निवासी आवास विकास कालोनी एक सेट, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के उम्मीदवार राजेश कुमार पटेल निवासी नेवादा प्रतापगढ़ ने एक सेट, परिवर्तन समाज पार्टी के उम्मीदवार कमलेश कुमार सिंह निवासी कंधईपुर धूमनगंज प्रयागराज ने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया।

माननीयों के साथ पुलिस की झड़पः भाजपा प्रत्याशी के साथ कई विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष आदि कलेक्ट्रेट के सीमा पर पहुंचे तो पटेल नगर से कचहरी रोड में पुलिस द्वारा लगाए गए बैरियर पर प्रत्याशी के निकलने बाद अंदर जाने से रोक दिया गया तो माननीयों का पारा चढ़ गया। एसडीएम एवं पुलिए अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। बाद में माननीयों को अंदर जाने दिया गया और शेष लोगों को वहीं रोक दिया गया।

यूपी में सीटे जीतेंगे अस्सी, विपक्षियों की जली रस्सीः बृजेश पाठक

फतेहपुर। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि लोकसभा चुनाव में फ्तेहपुर की सीट पर इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो जायेगी। उन्होंने नारा दिया कि 100 वोटों में 75 प्रतिशत वोट हमारा है बाकी बचे 25 प्रतिशत में भी बंटवारा है। बंटवारे में भी हमारा है। भाजपा चुनाव कार्यालय में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि फ्तेहपुर में सपा की साइकिल पंचर हो गई है। जो उड़कर सैफई चली गई है। 4 जून को 4 बजे 400 सीटें भाजपा के खाते में गिरेंगी। बृजेश पाठक ने मंच से 'यूपी में सीटें जीतेंगे अस्सी, विपक्षियों की जली रस्सी' का नारा भी दिया। पाठक ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम कर रही है। बृजेश पाठक ने कहा कि हर घर नल से जल के लिए हमे 400 पार सीटों पर विजय हासिल करना जरूरी है।

निर्वाचन के दृष्टिगत जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट को दिया प्रशिक्षण

● निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि क्षम्य नहीं होगीः डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित सम्पन्न कराने हेतु जोनलए सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में दो पालियों में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक सिंह ने जोनलए सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा कि चुनाव को स्वतंत्रए निष्पक्षए पारदर्शितापूर्ण और सुरक्षित सम्पन्न कराना हम सबकी जिम्मेदारी हैए इसलिए प्रशिक्षण में जो जानकारियां दी जा रही है उसे भली भांति समझ लें, जहां शंका हो उसका समाधान यथासमय कर लिया जाय। निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि क्षम्य नहीं होती है। ईवीएम वीवीपैट के संबंध में जो भी जानकारी दी जा रही है उनको गंभीरता से समझ लेए ताकि निर्वाचन के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक आर्दश आचार संहिता का पूर्ण पालन करेंगे इस मौके पर अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, जिला विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक अचल मिश्रा, डीआईओ एनआईसी विकास गुप्ता, सहायक निर्वाचन अधिकारी अजीत पाण्डेय सहित सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

ईवीएम और वीवीपैट का हुआ द्वितीय रेंडमाइजेशन

लखीमपुर खीरी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 की निर्वाचन प्रकिया को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण ढंग से सुव्यवस्थित सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बुधवार को जिले में विद्यमान दोनो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सभी आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदेय स्थलों के लिए ईवीएम और वीवीपैटों का द्वितीय रेंडमाइजेशन हुआ। 28. खीरी संसदीय क्षेत्र की सामान्य प्रेक्षक आरण् सीतालक्ष्मी, 29.धौरहरा संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक श्रीधर चेरुकुरीए सीडीओ अनिल कुमार सिंह सिंह ने दोनों संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशियों, उनके अभिकर्ताओं, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम और वीवीपैटों का रेंडमाइजेशन कार्य कराया गया। ईवीएम और वीवीपैट का द्वितीय रेंडमाइजेशन में जिले के कुल बूथ 2890 के सापेक्ष 125 प्रतिशत कंट्रोल यूनिटए 125 प्रतिशत बैलेट यूनिट और 135 प्रतिशत वीवीपैट का रैंडमाइजेशन हुआ।

हत्यारोपी पति व उसके साथी को अमराहट पुलिस ने किया गिरफ्तार

● अमराहट डेरा नहर के किनारे महिला का शव फेंककर भागे थे आरोपी

कानपुर देहात। बीते दिनों अमराहट थाना क्षेत्र के अमराहट डेरा नहर के किनारे यूकेलिप्टस के बाग में महिला की हत्या कर शव फेंके जाने के मामले में पुलिस ने हत्यारोपी पति व उसके साथी को गिरफ्तार करने में सफ्लता पायी। हत्यारोपियों के पास से पुलिस ने एक हत्या में प्रयुक्त अर्टिका कार भी बरामद की है।

बीते दिनो अमराहट डेरा नहर के यूकेलिप्टस के बाग में महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गयी थी, मृतका के मायकेजनों ने आकर मृतका की पहचान राहुल की पत्नी मोहल्ला पढीन दरवाजा औरैया की थी, मृतका की माँ ने अपनी मृतक पुत्री के पति राहुल कुमार, ससुर वीरेन्द्र, देवर बादल, व सास के खिलाफमुकदमा औरैया में दर्ज करवाया गया था। अमराहट थाना पुलिस ने वुधवार को राहुल कुमार व उसके साथी रोहित को अर्टिगा कार के साथ गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों ने बताया कि हम लोगों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर राहुल कुमार की पत्नी की हत्या कर उसके श्ज्ञव को एक चादर में लपेटकर प्लास्टिक के बोरे में भरकर अमराहट थाना क्षेत्र अमराहट डेरा जाने वाले रास्ते पर नहर के किनारे यूकेलिप्टिस के बाग में फेंककर भाग जाना स्वीकार किया है।

भाजपा लोस प्रत्याशी अजय मिश्र 'टेनी' ने किया जनसम्पर्क

लखीमपुर। आज दिनांक 01.05.2024 को भारतीय जनता पार्टी के 28 खीरी लोकसभा प्रत्याशी अजय मिश्र 'टेनी' ने विधानसभा निघासन के विकासखण्ड निघासन के ग्राम बनवीरपुर, बेलरायां एवं विकासखण्ड रमियाबेहड़ के ग्राम बोझिया फार्म, मझरा पूरब, नरेन्द्रनगर बेली, बोकरिहा, सेमरी एवं जगतापुर में जनसम्पर्क किया। इसके साथ ही नगर पंचायत निघासन के निघासन बाजार वार्ड गांधीनगर में सफाई मजदूर स्वाभिमान सम्मेलन में भी रहे। भाजपा के 28 खीरी लोकसभा प्रत्याशी अजय मिश्र ने विधानसभा निघासन के विकासखंड निघासन के ग्राम बनवीरपुर, बेलरायां एवं विकासखंड रमियाबेहड़ के ग्राम बोझिया फार्म, मझरा पूरब, नरेन्द्रनगर बेली, बोकरिहा, सेमरी एवं जगतापुर में जनसम्पर्क एवं नगर पंचायत निघासन के निघासन बाजार वार्ड गांधीनगर में सफाई मजदूर स्वाभिमान सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस है यह दिन विशेष रूप से पूरे देश में श्रमिकों की सामाजिक, आर्थिक,

राजनैतिक और शैक्षिक समस्याओं और कैसा उसका स्तर है इस पर प्रतिवर्ष इस पर चर्चाएं तो होती है लेकिन कई जगहों पर कई ऐसे पिछड़े देश है कई हम जैसे विकासशील देश है। उसमें अलग अलग तरह की चुनौतियां होती है विकसित देशों में अलग चुनौतियां होती है। सभी समस्याओं का समाधान हो इस दृष्टि से इस श्रमिक दिवस पर हम लोग चिन्तन मनन भी करते है और इस दिन विशेष को श्रमिकों को समर्पित करते हुए किस तरह से जल्दी से जल्दी उनकी समस्याओं का समाधान हो उस तरफ भी ध्यान आकर्षित होता है। हमारे देश में आजादी से पहले बहुत सारे ऐसे समाज थे जो कई अलग.अलग कारणों से समाज की मुख्य धारा से पीछे हो गए थे उसमें हमारा वाल्मीकि समाज भी था संविधान में बाबा साहब ने ऐसे प्राविधान किए थे कि ऐसे सभी समाज वह अनु. जाति के हो या अनु. जाति वर्ग में भी अलग.अलग क्षेत्रों से आते हो सबके लिए सामाजिक राजनैतिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर में ऐसे बढ़ोत्तरी की जाए इस तरह से उनके लिए काम किए जाए उनको सुविधाएं दी जाए। उनकी जरूरतें पूरी की जाए और अतिरिक्त संरक्षण देते हुए उनको समाज की मुख्य धारा में लाया जाए उस दृष्टि से संविधान में प्राविधान तो बाबा साहब ने बहुत अच्छे.अच्छे किए थे लेकिन दुर्भाग्य से उस समय इस देश में एक ऐसी सरकार थी जिसने संविधान को अपने कामों में इस तरह से ले करके संविधान को संविधान सम्वत के बजाए अपनी सुविधा और समाज में इस तरह से सरलता से आपका दुरूपयोग कर सके ऐसा उस समय की सरकारों ने किया जिससे निश्चित रूप से आपका समाज जिसको देश की स्वतंत्रता के बाद बहुत शीघ्र ही समाज की ऊंची धारा में आ जाना चाहिए था वह और पिछड़ता चला गया विशेषतः अगर आप बात करेंगे तो जम्मू कश्मीर में उस समय जो हमारे देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री से एक ऐसा समझौता किया और जम्मू कश्मीर में धारा 370 लगवाई उस दौरान वाल्मीकि समाज के लोग लाखों की संख्या में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा उनको अनेक प्रलोभन दे करके जम्मू कश्मीर में बसाया तो गया लेकिन पूरी तरह से उनके अधिकारों को कैद कर लिया गया।

क्विक न्यूज

सीओ सदर ने पैदल भ्रमण कर लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सीओ सदर नें दलबल के साथ नगर में पैदल भ्रमण कर जहां एकओर सुरक्षा का अहसास कराया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होने नागरिकों से शान्ति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। इस दौरान उन्होनें कहा कि निष्पक्ष व निर्भीकता से चुनाव कराने के लिये पुलिस पूरी तरह तैयार है। बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देशन में सीओ सदर कमलेश कुमार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश शर्मा ने पुलिस बल के साथ नगर के जीटी रोड, तिर्वा रोड, गांधी नगर सहित प्रमुख मार्गों पर पैदल भ्रमण कर नागरिकों को सुरक्षा का एहसास कराया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। साथ ही चुनाव के दौरान अराजकता फैलाने वाले अराजकतत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी भी दी। इस दौरान उपनिरीक्षक राजेश प्रताप सिंह, कांस्टेवल विनीत कुमार, विनय कुमार, अमन सिंह, मोनू कुमार, गगन कुमार सहित महिला कांस्टेवल प्रियंका रानी आदि मौजूद रहे।

महिलाओं ने मेंहदी लगाकर मतदाताओं को किया जागरुक

मौदहा, हमीरपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर पंचायती राज विभाग ग्राम पंचायत परछा में आंगनवाड़ी कार्यकत्री सहित गांव की तमाम महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। हमीरपुर लोकसभा सीट के लिये मतदाताओं को जागरुक करने के लिये पंचायती राज विभाग सहित तमाम विभाग लोगों को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को क्षेत्र के ग्राम पंचायत परछा में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने गांव में भ्रमण कर महिलाओं के हाथों में मेहंदी लगाकर ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर गांव की अन्य महिलाओं को भी अपने मन के प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर कहा कि आगामी 20 मई को अवश्य सभी लोग मतदान करें क्योंकि मतदान देश का पर्व होता है।

रिश्वत के आरोप में वरिष्ठ लिपिक निलंबित

हमीरपुर। रिश्वत लेने के आरोप में जिला समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ सहायक को बुधवार को निलंबित कर दिया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर पटेल ने बताया कि वरिष्ठ लिपिक तुषार ने अनुसूचित जाति अत्याचार उत्पीड़न योजना में रिश्वत लेने की शिकायत की गयी थी। जांच में दोषी पाये जाने पर विभाग के निदेशक के आदेश पर लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। पटेल ने बताया कि निलंबित लिपिक द्वारा विभाग में वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, अभ्युदय योजना का कार्यभार देखा जा रहा है। किसी को कोई सूचना व साक्ष्य देना होतो वह विभाग में आकर सूचित कर सकता है।

पुराने विवाद के चलते मां बेटे को पीटा, मामला दर्ज

राठ। अनीता पत्नी भारत सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम करीब साढ़े छह बजे वह अपने पुत्र सुमित के साथ बाइक से कस्बा राठ से गांव जा रही थी। तभी सैना रोड आरा मशीन के पास पुरानी रंजिश के चलते संकेत पुत्र रामहेत, मनीष पुत्र राजेश निवासीगण लींगा और अभिषेक ने उसके पुत्र की बाइक रोक ली। बताया कि सुमित पुत्र के साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर पुत्र के साथ मारपीट करने लगे। बताया कि जब वह पुत्र को बचाने गई तो उसे भी मारा-पीटा। मारपीट से उसके सिर व पुत्र के शरीर में चोटें आईं हैं। पीड़िता ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पति की मारपीट से आहत होकर महिला ने खाया जहर

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के बहपुर गांव निवासी अन्नू पत्नी धर्मेंद्र कुमार अहिरवार ने बताया कि मंगलवार की सुबह घरेलू मामले के चलते पति ने बेहरमी से मारपीट कर दी। मारपीट से उसके शरीर में चोटें आईं हैं। बताया कि पति की मारपीट से आहत होकर उसके जहरीला पदार्थ खा लिया।

औषधि निरीक्षक ने दवाओं विक्रेताओं से की मतदान करने की अपील

लखीमपुर खीरी। आगामी लोकतंत्र के महापर्व में में मतदान प्रतिशत बढाने को लेकर जिला प्रशासन पुरजोर कोशिश कर रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारी अपने अपने विभाग के अधिकारी कर्मचारी व विभाग से जुड़े लोगों से लगातार संवाद करते हुए आगामी होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए मत प्रतिशत बढ़ाने की अपील कर रहे हैं।

युवक की हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र मे आठ वर्ष पहले हुई युवक की हत्या के दो दोषियों को न्यायाधीश अजय सिंह की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हैं। कोर्ट ने 50 हजार के अर्थदंड से भी दण्डित किया हैं। अभियोजक महेन्द्र सिंह ने बताया कि किशनपुर थाना क्षेत्र के कुम्हारन डेरा रायपुर भसरौर राज बहादुर का 40 वर्षीय पुत्र कल्लू निषाद 31 मई 2016 को खागा तारीख मे गया था। कल्लू रात तक घर नहीं पहुंचा। दूसरे दिन 1 जून कि सुबह कल्लू का शव राम किशन के खेत मे पड़ा मिला। मामले मे पुलिस ने राज बहादुर की तहरीर पर प्रकाश निवासी कुआँपुर गाजीपुर, श्री चंद्र निवासी थूरियानी रायपुर भसरौर और छिद्दू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने प्रकाश और श्री चंद्र के खिलाफआरोप पत्र कोर्ट मे दाखिल किया था। मामले मे अभियोजक की तरफसे आठ गवाह पेश हुए। बुधवार को न्यायाधीश अजय सिंह की कोर्ट मे मामले की अंतिम सुनवाई हुई।

सर्राफा व्यवसाई को घायल कर जेवरात सहित नगदी लूटी

खागा (फतेहपुर)। खखरेरू थाना क्षेत्र के बिछियावा गांव के समीप मंगलवार की रात दो बाइकों में सवार चार अज्ञात लुटेरों ने दुकान बंद कर घर वापस जा रहे सर्राफा व्यवसाई की बाइक में टक्कर मारकर गिरा दिया और मार-पीट व घायल कर डिग्गी से सोने चांदी व नगदी रुपए वाला बैग लेकर फरार हो गए। सर्राफा व्यवसाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर जांच में जुटी। खागा कस्बा नीम टोला मुहल्ला निवासी मुन्ना सोनी पुत्र रामसेवक सोनी थाना खखरेरू थाना क्षेत्र के आलमपुर गेरिया गांव में सर्राफा का व्यवसाय करते थे। 30 अपैल को देर शाम समय लगभग साढ़े सात बजे दुकान बन्द कर घर वापस मोटरसाइकिल से लौट रहे थे। तभी घात लगाए दो बाइकों में चार सवार लुटेरों ने बिछियावा गांव के समीप पहुंचते ही सर्राफा व्यवसाई की बाइक में अपनी बाइक आगे-पीछे लगाकर गिरा दिया और मारना पीटना शुरू कर दिया। जिससे सर्राफा व्यवसाई के बाएं हाथ में गम्भीर प्रहार कर डिग्गी से सोने चांदी व नगदी रुपए वाला बैग छीन कर फरार हो गए। उपचार हेतु सामु. स्वास्थ्य केन्द्र हरदो लें जाया गया। जहां पर डाक्टरों ने गंभीर हालत देखकर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सर्राफा व्यवसाई ने बताया कि दो बाइकों में चार लुटेरे सवार थे। बाइक में टक्कर मारकर गिरा दिया और डिग्गी से सोने चांदी वाला बैग छीनने लगे। जिसका विरोध करने पर बाएं हाथ में गंभीर प्रहार कर दिया। बैंग में लगभग 38 हजार रुपए नगद व दुकान का कीमती सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खखरेरू थाना क्षेत्र के आलमपुर गेरिया गांव में खागा के मुन्ना सोनी पुत्र रामसेवक सोनी की सर्राफे की दुकान है और देर शाम दुकान बन्द कर घर खागा की ओर जा रहे थे। तभी बिछियावा गांव के समीप दो बाइकों में सवार 04 लुटेरों ने बाइक में टक्कर मारकर डिग्गी में रखा लगभग 30 हजार रुपए नगद व सोने चांदी के कुछ आभूषण छीनकर फरार हो गए।

पूर्व सांसद ने किया लोस सपा कार्यालय का उद्घाटन

● सर्वसमाज का हित व सम्मान सपा में सुरक्षित हैः छोटे सिंह यादव

गुरसहायगंज (कन्नौज)। समाजवादी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बूथ स्तर पर डोर टू डोर पहुंचकर आम जन मानस को पार्टी की नीतियों व उपलब्धियों एवं सिद्धांतों से अवगत कराकर अधिक से अधिक मतदान के लिये जागरूक करें। कहा कि सर्व समाज के लोगों का हित व सम्मान सपा में ही सुरक्षित है।

यह बात बुधवार को नगर के जीटी रोड स्थित चकोर फीलिंग स्टेशन के पीछे लोकसभा सपा कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन करने के उपरान्त पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव नें कही। पूर्व विद्यायक अरबिन्द सिंह यादव नें कहा कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव की सफ्लता के लिये जीजान से जुटकर अधिक से अधिक लोगों को बूथों तक पहुंचाकर मतदान करानें का कार्य करें। पूर्व विद्यायक ताहिर हुसैन सिददीकी नें कहा कि यह फ्क्र की बात है कि सपाध्यक्ष अखिलेश कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड रहे हैं जिससे विपक्षी दल के खमों में हलचल पैदा हो गई है।

समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव/समाजसेवी अनिल आर्य नें कार्यकर्ताओ में हुंकार भरते हुये आपसी गिले शिकबे भुलाकर एक जुट होकर पार्टी हित में कार्य करने के लिये प्रेरित किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि सपाध्यक्ष की जीत तय है। हम सब को जीत के अंतर को बढानें और उसे ऐतिहासिक बनानें का काम करना है। इस दौरान मनोज दीक्षित, बउअन तिवारी, कांग्रेस प्रदेश सचिव विजय मिश्र, ऊषा दुवे, संजीव दुवे मुन्ना, क्षत्रिय नेता राजसिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर, सपा शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष अमित यादव, ठाकुर श्याम सिंह, रंधीर ठाकुर, अमन खॉन, अजीम सिददीकी, विजय ठाकुर, मुकीम खॉन, मास्टर रामसेवक बाथम, डा. रविदत्त यादव, अरूण कुमार शर्मा, विजय गुप्ता, मनी गुप्ता, टिल्लू यादव सहित सैकडों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन करते पूर्व सांसद, विद्यायक व अन्य।

युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रही है ऑनलाइन गेमिंग

● बड़ी संख्या में युवा आ रहे जुए की चपेट में

संवाददाता। संडीला (हरदोई)

ऑनलाइन गेमिंग के आवरण के पीछे चल रहा जुए का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा हैए जबकि इसकी लत लगा बैठे युवा लगातार कंगाल हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन गेम दरअसल सट्टा कारोबार का आइसबर्ग स्वरूप है। दरअसल सट्टा कारोबारी मोबाइल ऐप के जरिए लोगों तक गेम पहुंचाते हैं। इस गेम को जीतने पर गिफ्ट या नकद धनराशि देने का ऑफर भी रहता है। सोशल मीडिया पर वर्तमान में कुछ ऐप जिसमें तीन पत्तीए क्रिकेट और लूडो के हैंए इन गेम्स में बड़े बड़े पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। ऑनलाइन गेम के जरिए जुए का खेल बहुत तेजी से फैला है। ऑनलाइन जुआ खिलाने वाले युवाओं को मोबाइल ऐप के माध्यम से गेम खेलने के लिए एक आईडी बनाकर देते हैं। गेम के जरिए खेलने वाले को एक रुपए में एक प्वाइंट दिया जाता है जो उसके मोबाइल ऐप में रहता है। इन्हीं प्वाइंट के माध्यम से जुआ होता है। जब यह प्वाइंट कोई व्यक्ति हार जाता हैए तो उसे फिर रुपए खर्च कर प्वाइंट खरीदना पड़ता है और इस तरह से यह सिलसिला बढ़ता रहता है और विशेष रूप से युवा इसकी चपेट में आते रहते हैं।

इस ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का शिकार स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे और युवा पीढ़ी के सदस्य हैं। ऑनलाइन सट्टेबाजी की बच्चों में लत पड़ने से न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि उसका दुषप्रभाव भी बच्चों के व्यवहार में नजर आ रहा है। ऑनलाइन गेमिंग बच्चों को जिद्दी बना रहा है। इसके अलावा युवा अपने कैरियर ध्यान केन्द्रित नही कर पा रहा है। साथ ही साथ ऑनलाइन सट्टेबाजी में बहुत से साइबर फ्रॉड भी सामने आ रहे हैं। अक्सर ऑनलाइन जुए और सट्टे में बड़ी धनराशि गवां बैठे युवा अनेक जघन्न घटनाओं को जाने अनजाने अंजाम देते पकड़े गए हैं।

क्षेत्र में युवाओं को ऑनलाइन जुआ बर्बादी के गर्त में ढकेल रहा है। ऑनलाइन जुआ खेलकर जल्दी से लखपति और करोड़पति बनने के चक्कर में वे सारा कामकाज छोड़ गेम के पीछे लगे रहते हैं। यह जुआ गेमों के नाम पर ऑनलाइन चलाया जा रहा है और गेमिंग कंपनियां बच्चों और युवाओं को इसकी लत लगाकर उनका भविष्य बर्बाद कर रही हैं और खुद मालामाल हो रही हैं। ऑनलाइन जुए से बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी को लेकर लोग चिंतित हैं लेकिन इसका प्रभावी रोक नहीं लग पा रही।

प्रेमी युगल ने ट्रेन से कट कर दे दी जान

बांदा। उत्तर प्रदेश के बाँदा जनपद में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है जहां पर प्रेमी और प्रेमिका ने मरने से पहले कहा साथ जियेंगे साथ मरेंगे क्योकी समाज हमको जीने नही देगा तो हम चैन से मर तो सकेंगे और दोनों ट्रेन के सामने कूद गए, ट्रेन से कट कर जान दे दिए वहीं, आयी विटनेश के अनुसार, दोनों जोड़े मरने के पहले चीख, चीख कर कह रहे थे पुलिस ने शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दी गई है वही मेरी जानकारी के अनुसार यह 21 जनवरी 2024 को लड़की की शादी हुई थी और वह ससुराल वालों से खुश नहीं थी।

आपको बात की पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत अवंती नगर के रेलवे ट्रैक से सामने आया है जहां पर आज एक प्रेमी युगल एक युवती और युवक केशव कटे हुए मिले वही मिली जानकारी के अनुसार युवक राम रूप कुशवाहा पुत्र विलास (25) अमृतपुर खेरवा पोस्ट गुखीया थाना अतर्रा और लड़की अर्चना कुशवाहा पत्नी भगवानदास निवासी ऐचिवारा थाना अतर्रा की आज रेलवे ट्रैक पर बॉडी कटी हुई मिली वही मिली जानकारी के अनुसार लड़की की 21 जनवरी 2024 को शादी कर दी गई थी और वह ससुराल वालों से खुश नहीं थी इसके बाद वह है अपने प्रेमी राम रूप कुशवाहा के साथ शादी के बाद सूरत चली गई थी जैसे ही लड़की के भाई को पता चला तो वह सूरत से उसे लगाकर दोबारा ससुराल भेज दिया वही 23 अप्रैल 2024 को गुमशुदी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी वही आज दोनों के शव रेलवे ट्रैक के पास पड़े हुए मिले पुलिस ने शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दी गई है आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक निवास मिश्रा ने पूरी डिटेल वीडियो बाइट दी है जिसमे महिला की पूर्ब की गई शादी और वहां पर न रहना अपने प्रेमी केशव के साथ राज्य दूर चली गयी अर्थात सूरत शहर में अपने प्रेमी के साथ रहने लगी, लेकिन समाज के लोगो और घर वालों को चैन नही पड़ी वह लड़की की गुमशुदगी कि रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस ने सर्विलांश के जरिये इनके फोन लगाकर सूरत से गिरफ्तार करके फिर से उस महिला को ससुराल भेज गया लेकिन महिला फिर अपने प्रेमी के साथ भगकर यह डिसीजन लिया कि हम जी गो नही सकते तो मर जरूर सकते है बस इसी धुन में प्रेमी ईगल ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर लो।

सलमान खुर्शीद उनकी भतीजी व सपा नेत्री मारिया आलम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

संवाददाता। फर्रुखाबाद

कायमगंज कोतवाली में चुनावी उड़ानदस्ता मजिस्ट्रेट ने कांग्रेस वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व उनकी भतीजी सपा नेत्री मारिया आलम द्वारा धर्म पर आधारित मुस्लिम समुदाय अल्पसंख्यकों से सपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का एक अखबार में प्रकाशित खबर एवं मारिया आलम का एक वीडियो वायरल होने के मामले को लेकर आज मंगलवार को आचार संहिता का उल्लघन किय जाने का एक मुकदमा दर्ज कराया गया। यह जानकारी आज मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने सायकाल कायमगंज कस्बा एवं कोतवाली क्षेत्र के चिलाका मोहल्ले मे सपा प्रत्याशी डॉ नवल किशोर शाक्य के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में श्री खुर्शीद व उनकी भतीजी सपा नेत्री मारिया आलम ने धर्म पर आधारित अल्पसंख्यक समुदाय से जेहादी सपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का ध्रुवीकृत भाषण किया गया ,जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ, इस आशय की खबर एक समाचार पत्र में प्रकाशित होने साथ ही मारिया आलम की वीडियो भी वायरल हुई।

पुलिस सूत्रों ने आगे बताया कि जिले के कायमगंज विधानसभा चुनावी उड़नदस्ता मजिस्ट्रेट उप मुख्य चिकित्साधिकारी(पशुपालन) मनोज कुमार शर्मा ने आज मंगलवार को 14.08वजे कांग्रेस वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व उनकी भतीजी सपा नेत्री मारिया आलम के विरुद्ध आचार संहिता का उल्लंघन किए जाने के मामले में धारा 188 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 295 ए ,125 के तहत मुकदमा तक कराया गया।

कांग्रेस अपनी हार का ठीकरा खरगे पर फोड़ेगी : अमित शाह

कोरबा (छत्तीसगढ़)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि भाजपा न तो अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को हटाएगी और न ही कांग्रेस को ऐसा करने देगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और कहा कि चार जून को वह अपनी हार का ठीकरा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फोड़ने वाली है। शाह कोरबा लोकसभा क्षेत्र के कटघोरा कस्बे में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए देश में आतंकवाद और नक्सलवाद का पोषण करती रही है। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी का एक सूत्र है- झूठ बोलो, जोर से बोलो, सार्वजनिक रूप से बोलो। वे कहते हैं कि मोदी जी को बहुमत मिलेगा तो आरक्षण हटा देंगे। उन्होंने मेरा एक फर्जी वीडियो प्रसारित किया है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि 10 साल से आपके आशीर्वाद से मोदी जी के पास बहुमत है। मोदी ने ना आरक्षण हटाया, ना हटाएंगे।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुमत का उपयोग अनुच्छेद 370 हटाने, राम जन्मभूमि पर मंदिर बनाने, सीएए लागू करने, तीन तलाक समाप्त करने और नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए किया। उन्होंने कहा, मैं आपको मोदी की गारंटी देने आया हूं, जब तक भारतीय जनता पार्टी का एक भी सांसद भारत की संसद में है, एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को ना हम हटाएंगे, ना ही कांग्रेस को हटाने देंगे। भाजपा नेता ने कोरबा लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी सरोज पांडेय को वोट देने की अपील की। इस सीट पर सात मई को मतदान है। कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, खरगे साहबजी क्यों एक परिवार के लिए झूठ बोल रहे हैं? चार जून (चुनाव परिणाम) को हारने के बाद हार का ठीकरा आप पर ही फूटने वाला है। आपको नहीं पता ए किसी के

नहीं होता। खरगे जी बड़ी लंबी सूची है। चार जून को कांग्रेस जैसे ही हारेगी भाई-बहन सुरक्षित रहेंगे, बेचारे 80 साल की आयु के खरगे जी पर ठीकरा फूटेगा। मैं खरगे जी को सलाह देना चाहता हूं कि इस परिवार के लिए आप झूठ मत बोला कीजिए।

शाह ने कांग्रेस पर चुनाव में फायदे के लिए देश में आतंकवाद और नक्सलवाद को पनपने देने का आरोप लगाया और कहा, क्या छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए कि नहीं? देश के अन्य राज्यों में नक्सलवाद की समस्या समाप्त हो गई है। लेकिन छत्तीसगढ़ में भूपेश कक्का (बघेल) की सरकार थी, वह नक्सलवाद को बढ़ावा देते रहे। जैसे ही राज्य में भाजपा की सरकार बनी चार महीने में ही 95 नक्सली ढेर हो गए और साढ़े तीन सौ से ज्यादा गिरफ्तार हुए।

उन्होंने कहा कि देश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने से दो वर्ष में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। हमारे सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाया और हाल ही में 29 नक्सलियों और कल (मंगलवार) 10 नक्सलियों को मार गिराया लेकिन भूपेश बघेल इसे फर्जी मुठभेड़ कहते हैं। जबकि नक्सलियों ने स्वीकार कर लिया कि उनका बड़ा नुकसान हुआ है। खरगे जी कहते हैं, मोदी जी आएंगे तो गरीबों का सत्यानाश होगा। मैं खरगे जी से पूछना चाहता हूं कि 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकलने से गरीबों का फायदा हुआ या नहीं हुआ? 80 करोड़ गरीबों को राशन देने से गरीबों का फायदा है या नहीं? देश में 12 करोड़ शौचालय बनाने से, माताओं को गैस का सिलेंडर देने से, घर में नल से जल देने से और देश के सात करोड़ लोगों का पांच लाख रुपए तक इलाज करने से गरीबों का फायदा हुआ या नहीं?

उच्च न्यायालय ने गिरफ्तार नेताओं को डिजिटल तरीके से प्रचार की अनुमति संबंधी याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गिरफ्तार नेताओं को लोकसभा चुनाव के लिए डिजिटल तरीके से चुनाव प्रचार करने की अनुमति देने संबंधी एक याचिका बुधवार को खारिज कर दी और कहा कि इससे खूंखार अपराधी, यहां तक कि दाऊद इब्राहिम भी, राजनीतिक पार्टी बना लेगा और चुनाव प्रचार करेगा। अदालत ने कहा कि यह अर्जी बहुत ही दुस्साहसिक एवं कानून के मौलिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी. एस. अरोड़ा की पीठ ने कहा कि अदालतें नीतिगत निर्णय नहीं लेती हैं और ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेना संसद का काम है।

पीठ ने कहा, आप चाहते हैं कि गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को डिजिटल तरीके से चुनाव प्रचार करने की अनुमति दी जाए...यदि ऐसा किया गया तो सभी खूंखार अपराधी राजनीतिक पार्टियां बना लेंगे और दाऊद इब्राहिम भी डिजिटल तरीके से प्रचार करेगा। पीठ ने कहा, हम ऐसे किसी भी व्यक्ति को चुनाव प्रचार करने की अनुमति नहीं दे सकते जो हिरासत में है। अन्यथा, सभी बलात्कारी, हत्यारे चुनाव से महज पहले राजनीतिक दल बनाने लगेंगे।

उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को जुर्माना लगाने की चेतावनी दी, लेकिन बाद में ऐसा न करने के आग्रह को तब स्वीकार कर लिया, जब उसके वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एक छात्र है। अदालत विधि छात्र अमरजीत गुप्ता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। गुप्ता निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता की घोषणा किए जाने के बाद नेताओं, खासकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, की गिरफ्तारी के समय को लेकर आहत हैं। पीठ ने कहा, ठीक है, हम जुर्माना नहीं लगाएंगे, लेकिन आप उन्हें (याचिकाकर्ता को) शक्तियों के विभाजन के बारे में बताइए।

केजरीवाल को 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, आप बहुत ही दुस्साहसी बन रहे हैं। यह बहुत ही दुस्साहसपूर्ण है। यह याचिका कानून के मौलिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। आप हमें कानून के विरुद्ध काम करने को कह रहे हैं। हम कानून नहीं बनाते हैं, हम नीतिगत निर्णय नहीं लेते हैं। पीठ ने कहा, हम राजनीति से दूर रहना चाहते हैं और आज ज्यादा से ज्यादा लोग हमें राजनीति में धकेल रहे हैं। आप हमें राजनीति में अधिक खींच रहे हैं। एक व्यक्ति आता है और कहता है कि उसे (केजरीवाल को ओर प्रत्यक्ष इशारा करते हुए) जेल से बाहर कीजिए, एक व्यक्ति कहता है कि उसे जेल में रखिए।

मिजोरम में 2023 में टीबी से 108 लोगों की जान गई

आइजोल। मिजोरम में पिछले साल टीबी से कुल 108 लोगों की मौत हुई। बुधवार को अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल कुल 17,432 लोगों के खून के नमूनों की जांच की गई थी और उनमें से 2,272 लोग टीबी से पीड़ित पाए गए। उन्होंने बताया कि कुल 2,272 मरीजों में से 164 में बहु-औषध प्रतिरोधी टीबी (मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंस ट्यूबरक्युलोसिस यानी एमडीआर-टीबी) पाया गया। इनमें से 86 प्रतिशत मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया, जबकि 108 लोगों की मौत हो गई।

इस साल जनवरी से मार्च के बीच खून के 3,761 नमूनों की जांच के बाद कुल 595 लोगों में टीबी का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 38 मरीजों में एमडीआर-टीबी पाया गया जबकि 57 मरीज टीबी और एचआईवी-एड्स दोनों से पीड़ित पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन मरीजों में से छह प्रतिशत को मधुमेह की समस्या है, 33 प्रतिशत मरीज तम्बाकू का सेवन करते हैं जबकि 16 प्रतिशत शराब पीते हैं।

इस साल अब तक आइजोल जिले में टीबी के सर्वाधिक 433 मरीज़ पाए गए हैं, वहीं कोलासिब जिले में 46 और लुंगलई जिले में 34 ऐसे मरीजों का पता चला है। पश्चिमी मिजोरम के मामित जिले में टीबी के सबसे कम, कुल पांच मामले हैं। राज्य के केवल 187 लोगों ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय प्लेटफार्म पर टीबी के मरीजों को सहायता प्रदान करने के लिए पंजीकरण कराया हैं। यह पहल सितंबर 2022 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुरु की गई थी, जिसका लक्ष्य 2025 तक भारत से टीबी को समाप्त करने की देश की प्रतिबद्धता पूरी करने में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना हैं।

भाजपा में शामिल हुईं अभिनेत्री रूपाली गांगुली

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले मशहूर अभिनेत्री और चर्चित टेलीविजन सीरियल अनुपमा में मुख्य किरदार निभाने वाली रुपाली गांगुली बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी और सह-प्रभारी संजय मयूख की मौजूदगी में उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गांगुली के साथ ही महाराष्ट्र के जानेमाने ज्योतिष और समाज सेवी अमेय जोशी भी केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो गए।

तावड़े ने गांगुली का पार्टी में स्वागत किया और इस अवसर का इस्तेमाल सपा नेता मारिया आलम की वोट जिहाद की अपील को लेकर विपक्षी दलों पर हमला करने के लिए किया। आलम ने फुर्खाबाद लोकसभा सीट से विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार के लिए वोट मांगते हुए वोट जिहाद का आह्वान किया था

और कहा था कि मौजूदा हालात में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करना जरूरी है। सपा नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, तावड़े ने कहा, झूठ फैलाने वाले विपक्षी दलों ने अब वोट जिहाद अभियान शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि वे हताश और निराश हैं।

उन्होंने कहा, एक तरफ वे ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे रहे हैं, दूसरी तरफ वे चुनाव के दौरान वोट जिहाद की बात कर रहे हैं। तावड़े ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या यह अभियान पार्टी आलाकमान के निर्देश पर शुरू किया गया है?

भाजपा में शामिल होने के बाद गांगुली ने कहा कि कला के पथ पर चलते-चलते वह भाजपा के जरिए राजनीति में आई हैं। उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत बड़ा फैन बताया और कहा कि वह जो कर रहे हैं, उसमें हर किसी को योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा, जब मैं विकास का महायज्ञ देखती हूं तो मुझे लगता है कि क्यों न मैं भी इसमें सहभागी बनूं। कुछ ऐसा करूं ताकि सभी को गर्व हो। मैं मोदी जी के बताए रास्ते पर चलकर देश सेवा करना चाहती हूं। जोशी ने भी कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सेवा करना चाहते हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद गांगुली और जोशी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

क्विक न्यूज

वाइस एडमिरल के. स्वामीनाथन ने नौसेना उपप्रमुख का पदभार संभाला

नई दिल्ली। संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला में अपनी दक्षता के लिए चर्चित वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने बुधवार को नौसेना उपप्रमुख का पदभार ग्रहण किया। वह इससे पहले नौसेना मुख्यालय में कार्मिक प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। स्वामीनाथन से पहले एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी नौसेना उपप्रमुख थे। त्रिपाठी ने मंगलवार को नौसेना के 26वें प्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। नौसेना के उपप्रमुख का पदभार ग्रहण करने के बाद स्वामीनाथन ने यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जाकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने शानदार करियर के दौरान स्वामीनाथन मिसाइल क्षमता से लैस आईएनएस विद्युत एवं आईएनएस विनाश पोत, आईएनएस कुलिश , निर्देशित मिसाइल विध्वसंक आईएनएस मैसूर और विमान वाहक आईएनएस विक्रमादित्य की कमान संभाल चुके हैं। एक जुलाई, 1987 को भारतीय नौसेना से जुड़े स्वामीनाथन संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला में पारंगत हैं। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खड़कवासला), ज्वाइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (श्रीवेनहम-ब्रिटेन), कॉलेज ऑफ नेवल वारफेयर (करंजा) और यूएस नेवल वॉर कॉलेज (न्यूपोर्ट- रोड आइसलैंड) के छात्र रह चुके हैं। अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित वाइस एडमिरल स्वामीनाथन की कई अहम अभियानगत, कर्मी एवं प्रशिक्षण नियुक्तियां रही हैं।

सीबीआई ने जमीन हथियाने के मामले में शाहजहां शेख के फरार भाई को समन जारी किया

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में कथित रूप से जमीन हथियाने के मामले की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित एवं गिरफ्तार नेता शाहजहां शेख के भाई को बुधवार को समन जारी किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाहजहां के भाई शेख सिराजुद्दीन फरार है तथा सीबीआई का मानना है कि उसने इस घोटाले में अहम भूमिका निभाई है। अधिकारी ने कहा, हमने शाहजहां के भाई को जमीन हथियाने के मामले में छह मई को कोलकाता में हमारे कार्यालय में हमारे अधिकारियों को पेश होने के लिए समन दिया है। हमारे अधिकारी उसकी तलाश में उसके घर पर गए थे लेकिन वह वहां नहीं था। उन्होंने अधिकारी ने बताया कि सीबीआई अधिकारियों ने वापस आने से पहले सिराजुद्दीन के घर पर समन का नोटिस लगा दिया। उन्होंने बताया कि सीबीआई अधिकारियों का एक अन्य दल बुधवार को उत्तरी 24 परगना जिले में संदेशखालि के शाहजहां मार्केट गया और वहां उसने इस मामले के सिलसिले में दुकानदारों से बातचीत की। अधिकारी ने कहा, ए व्यापारी शाहजहां के करीबी हैं और हो सकता है कि उन्होंने इस घोटाले में भूमिका निभाई हो। हमारे अधिकारियों ने उनसे बातचीत की। सीबीआई के अधिकारी इस घोटाले की जांच के सिलसिले में तकरीबन रोज संदेशखालि जा रहे हैं। इस माह के प्रारंभ में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखालि में महिलाओं के साथ अपराध तथा जबरन जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। संदेशखालि में इन मुद्दों पर प्रदर्शन भी हुआ था। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को उपरोक्त आरोपों की जांच कर समग्र रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में पांच जनवरी को जब शाहजहां शेख के परिसरों की तलाशी के लिए संदेशखालि गए थे तब भीड़ ने उनपर हमला किया था। शाहजहां शेख को तृणमूल निलंबित कर चुकी है।

भारत ने मिसाइल-आधारित कम भार वाली आयुध प्रणाली स्मार्ट का सफल परीक्षण किया

बालासोर (ओडिशा)। भारत ने बुधवार को ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मिसाइल-आधारित कम भार वाली एक आयुध प्रणाली सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (स्मार्ट) का सफल परीक्षण किया। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रणाली को सुबह करीब आठ बजकर 30 मिनट पर भूमि सचल प्रक्षेपक से प्रक्षेपित किया गया। सममिति पृथक्करण, निकासी, वेग नियंत्रण जैसे कई अत्याधुनिक मानकों को भी परखा गया तथा नतीजे उत्साहवर्द्धक रहे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट नई पीढ़ी की मिसाइल-आधारित कम भार वाली एक आयुध प्रणाली है, जिसमें एक हल्का टॉरपीडो लगाया जाता है और इस टॉरपीडो का इस्तेमाल पेलोड (मुखास्त्र) की तरह होता है। इसे भारतीय नौसेना की पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमता को कम वजन वाले हल्के टॉरपीडो की पारंपरिक सीमा से कहीं अधिक बढ़ाने के लिए डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ के पहिए बढ़ाएंगे पुरी रेलवे स्टेशन की शोभा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान बनाए जाने वाले तीनों रथों का एक-एक पहिया प्राप्त करेगा और उन्हें पुरी रेलवे स्टेशन के कॉनकोर्स के मध्य में स्थापित किया जाएगा। इस स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। रथ बनाने वाले प्रमुख वास्तुकारों में से एक मनोजय रथ ने बताया, हर साल रथयात्रा समाप्त होने के बाद तो तीन रथों को विखंडित कर उनकी लकड़ी का उपयोग मंदिर की रसोई में कोठा भोग (देवताओं के लिए व्यंजन) पकाने के लिए किया जाता है।

उन्होंने बताया, लेकिन भारतीय रेलवे हमारे डिजाइन के अनुसार इस साल जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में होने वाली आगामी रथ यात्रा के बाद तीनों रथों में से प्रत्एक से एक पहिया खरीदेगा और इन्हें विश्वस्तरीय बनने जा रहे पुरी रेलवे स्टेशन में स्थापित करेगा। पुरी रेलवे स्टेशन देश के उन l,321 स्टेशन में से एक है, जिन्हें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए पुनर्विकसित किया जा रहा है। इस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य जुलाई, 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है।

स्वीकृत की गई डिजाइन के मुताबिक तीन पहियों को पुरी रेलवे स्टेशन के कॉनकोर्स में रखा जाएगा। रेलवे स्टेशन या हवाई अड्डे के बाहर विशाल हॉल या खाली स्थान को कॉनकोर्स कहते हैं। एक अन्य वास्तुकार प्रतीक रथ ने बताया, रथ यात्रा के लिए हर वर्ष तीनों अराध्यों(भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा) के लिए लकड़ी के विशाल रथ बनाए जाते हैं जिन्हें भक्त खींचकर गुंडिचा मंदिर तक ले जाते हैं और वहां एक सप्ताह रहने के बाद रथ दोबारा जगन्नाथ मंदिर लाए जाते हैं।

कांग्रेस ने गुजरात मॉडल को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से पूछे कई सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुधवार को चुनाव प्रचार के लिए अपने गृह राज्य गुजरात की यात्रा पर आने के बीच उनसे कई सवाल पूछे। विपक्षी दल की ओर से पूछे गए सवालों में यह भी शामिल था कि गुजरात भारत की पेपर लीक राजधानी क्यों बन गया है? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी पूछा कि गुजरात मॉडल राज्य के लोगों को न्याय दिलाने में विफल क्यों रहा? उन्होंने दावा कि यह राज्य कई स्वास्थ्य और शिक्षा मानकों पर अन्य राज्यों से पिछड़ गया है।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज गुजरात जा रहे प्रधानमंत्री से हमारे सवाल: गुजरात भारत की पेपर लीक राजधानी क्यों बन गया है? नल से जल योजना में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्वाई न करके प्रधानमंत्री किसे बचा रहे हैं? गुजरात मॉडल गुजरात के लोगों को न्याय दिलाने में क्यों विफल रहा है?

उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात में पिछले 10 वर्ष में 14 पेपर लीक हुए हैं, जिनमें 2021 में सब ऑडिटर परीक्षा, 2022 में फॉरेस्ट गार्ड परीक्षा और 2023 में जूनियर क्लर्क परीक्षा शामिल हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, गुजरात भारत में पेपर लीक के केंद्र के रूप में जाना जाने लगा है। हाल में उत्तर प्रदेश के विशेष कार्य बल ने पुष्टि की है कि इस साल की उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर भी अहमदाबाद से लीक हुए थे। प्रधानमंत्री का गृह राज्य पेपर लीक का अड्डा क्यों बन गया है?

रमेश ने कहा, कांग्रेस के न्याय पत्र ने पेपर लीक से मुक्ति की गारंटी दी है। पेपर लीक को रोकने के लिए विश्वसनीय संस्थाएं और नीतियां बनाई जाएंगी। पेपर लीक मामलों के निपटारे के लिए त्वरित अदालतें होंगी और सभी पीड़ितों को मौद्रिक मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने पूछा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के पास क्या दृष्टिकोण है कि गुजरात और भारत के युवाओं को फिर कभी इस तरह के अन्याय का सामना नहीं करना पड़ेगा?

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि पिछले साल गुजरात विधानसभा के उपाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री की प्रमुख नल से जल योजना में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा, भ्रष्टाचार के इन आरोपों को भाजपा आलाकमान ने नजरअंदाज कर दिया। भाजपा किसे बचाने की कोशिश कर रही है? प्रधानमंत्री ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार क्यों किया? मोदी के गुजरात मॉडल पर उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट ने स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संकेतकों पर गुजरात के निराशाजनक प्रदर्शन को उजागर किया है। उन्होंने कहा, गुजरात की लगभग आधी ग्रामीण आबादी (44.45 प्रतिशत) कुपोषित है।

सलमान के घर के बाहर गोलीबारी मामले के आरोपी ने हवालात में आत्महत्या की

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर हुई गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी ने बुधवार को हवालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अनुज थापन पर खान के मुंबई के बांद्रा स्थित आवास के बाहर 14 अप्रैल को गोलीबारी को अंजाम देने वाले दो हमलावरों को हथियार मुहैया कराने का आरोप था। उसे मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्तालय परिसर में अपराध शाखा की इमारत है जिसकी पहली मंजिल पर बने हवालात के शौचालय में थापन ने चादर का फंदा बना कर फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि घटना अपराह्न एक बजे तब संज्ञान में आई जब अपराध शाखा के अधिकारी ने पाया कि थापन काफी देर से शौचालय में है। उन्होंने बताया कि जब दरवाजा तोड़ा गया तो उसे शौचालय की खिड़की में बंधे फंदे से लटका पाया गया। अधिकारी ने बताया कि थापन को तुरंत सरकारी गोकुलदास तेजपाल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय हवालात में पांच आरोपी थी। गोलीबारी में थापन के दो सह आरोपियों को जांच के लिए हवालात से बाहर लाया गया था। थापन (23) और सोनू कुमार बिश्नोई (32) को अपराध शाखा की टीम ने पंजाब की फाजिल्का से 26 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक दोनों ने सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी करने वाले हमलावर सागर पाल और विक्की गुप्ता को हथियार की आपूर्ति की थी। पुलिस ने बताया कि दोनों 15 मार्च को मुंबई के नजदीक पनवेल आए थे और पाल एवं गुप्ता को दो देसी पिस्तौल और 38 कारतूस की आपूर्ति की थी। थापन और सोनू का गांव पंजाब में है और जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गांव के करीब है। लॉरेंस इस समय अहमदाबाद की साबरमती जेल में कैद है और माना जा रहा है कि उसका छोटा भाई अनमोल बिश्नोई अमेरिका या कनाडा में है। उसे भी इस मामले में नामजद किया गया है।

पेज 1 का शेष

दिल्ली...

स्कूल अधिकारी जरूरत पड़ने पर अभिभावकों से संपर्क करेंगे। कुछ स्कूलों ने जहां अभिभावकों को अपने बच्चों को ले जाने के लिए संदेश भेजे तो कुछ ने उन्हें आश्वासन दिया कि बच्चे सुरक्षित हैं। नोएडा में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली पब्लिक स्कूल की नोएडा और ग्रेटर नोएडा स्थित शाखाओं और अन्य स्कूलों को भी धमकी भरे ईमेल भेजे गए। नोएडा की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कहा कि स्कूल प्रबन्धक व अभिभावक से अपील है कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा, जांच में कहीं भी धमकी जैसी कोई बात सामने नहीं आई है और साबित होता है कि ईमेल अफवाह फैलाने के मकसद से भेजा गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम की बम की धमकी की जांच दिल्ली पुलिस की आतंकरोधी सेल करेगी। मामला स्पेशल सेल में दर्ज किया है। मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। इसकी गहन जांच की जरूरत है। दक्षिण पश्चिम दिल्ली में आठ, उत्तरी दिल्ली के तीन, दक्षिणी दिल्ली के 18, पश्चिमी दिल्ली में 21, उत्तर पूर्वी दिल्ली में एक, पूर्वी दिल्ली में 24, पश्चिमी दिल्ली में 21 और बाहरी दिल्ली में 16 स्कूलों को ये धमकियां मिलीं। इसके अलावा वजीराबाद का दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल, मयूर विहार का मदर्स मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, साकेत का डीपीएस इंटरनेशनल, चाणक्यपुरी का संस्कृति स्कूल, सीआर पार्क का डॉन बॉस्को स्कूल और पश्चिम विहार का डीएवी पब्लिक स्कूल कुछ प्रमुख स्कूल थे जिन्हें धमकी मिली थी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, यह एक खतरे की घंटी हो सकती है क्योंकि पूरा देश और सुरक्षा बल लोक सभा चुनाव में व्यस्त है। इससे पहले पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित चाचा नेहरू अस्पताल को मंगलवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद यह बात सामने आई थी।

चुनाव आयोग..

अलग-अलग निर्दिष्ट अधिकारियों के पास होंगी। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) गिनती के खिलाफ वीवीपीएटी पर्चियों के 100 फीसदी सत्यापन की याचिका को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (26 अप्रैल) को चुनाव आयोग को सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) को 45 दिनों के लिए सील और सुरक्षित करने का निर्देश दिया। इसका मतलब यह है कि परिणाम के संबंध में कोई संदेह होने पर उम्मीदवार ईसीआई अधिकारियों से बीयू (बैलट यूनिट), सीयू (कंट्रोल यूनिट) और वीवीपीएटी में छेड़छाड़ के लिए एक बार प्रोग्राम करने योग्य सॉफ्टवेयर की जांच करने के लिए कह सकता है।

कांग्रेस को...

यह भी लिखा कि आप ने कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा, उपरोक्त स्थिति के बावजूद आप के साथ गठबंधन किया गया, ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस पार्टी आम आदमी पार्टी को क्लीन चिट देने का प्रयास कर रही है और आप के विकास के भ्रामक प्रचार की सराहना कर रही है। उन्होंने कहा अब वह ऐसे किसी प्रयास का हिस्सा नहीं बन सकते। नसीब सिंह ने अपने पत्र में कहा कि देवेंद्र यादव (पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भी हैं) ने अब तक पंजाब में केवल केजरीवाल के झूठे एजेंडे पर हमला करने के आधार पर एक अभियान चलाया है। उन्होंने कहा, और आज, उन्हें दिल्ली में आप और केजरीवाल की प्रशंसा और समर्थन करने का आदेश दिया जाएगा। पंजाब में कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन नहीं है। सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व ने उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर पूरी तरह बाहरी उन दो लोगों को टिकट देकर दिल्ली कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता का अपमान किया है, जिनका पार्टी की विचारधारा से कोई संबंध नहीं है। इससे पहले अरविंदर सिंह लवली ने भी दिल्ली पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने का यही कारण बताया था। कांग्रेस ने पूर्व विधायक देवेंद्र यादव को मंगलवार को अपनी दिल्ली इकाई का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया। अरविंदर सिंह लवली के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद यादव की नियुक्ति की गई है। पूर्व विधायक यादव मौजूदा समय में पंजाब के प्रभारी भी हैं।

प्रज्वल...

कानून के अनुसार जांच और मुकदमे का सामना कर सके। उन्होंने कहा, इस संबंध में मैं आपसे आग्रह करता हूं कि प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए विदेश और गृह मंत्रालय को स्थानांतरित करें और भारत सरकार के राजनयिक और पुलिस चैनलों का उपयोग करके ऐसे अन्य कदम उठाएं।

कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा की कंगना रनौत को खुली बहस की चुनौती दी

शिमला(भाषा)। हिमाचल प्रदेश के मंत्री और मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार कंगना रनौत को निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनके दृष्टिकोण पर खुली बहस की चुनौती दी। सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारा लोकतंत्र एक स्वस्थ लोकतंत्र है...उन्हें बहस में भाग लेना चाहिए और लोगों को अपने दृष्टिकोण के बारे में बताना चाहिए। मैं भी निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण के साथ लोगों को उन कार्यों के बारे में बताऊंगा जो मैंने मंडी के लिए किया है। उन्होंने चुनावी सभाओं में कंगना के भाषणों को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि वह जहां कहीं जाती हैं तो उनका एक ही एजेंडा होता है - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम दोहराते रहना। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने कहा, हालांकि हमारे मन में प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री पर पूरी तरह भरोसा करने के बजाय लोगों को कम से कम अपने दृष्टिकोण के बारे में बताना चाहिए। सिंह ने कहा, वह कहती हैं कि वह एक बड़ी अभिनेत्री हैं...उन्हें आगे आना चाहिए और मंडी के लोगों को बताना चाहिए कि वह उनके लिए क्या काम करेंगी और मुझे विश्वास है कि मंडी के युवा, महिलाएं और लोग इसकी सराहना करेंगे। सिंह ने दावा किया कि कंगना को राज्य के इतिहास और भूगोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, वह सिर्फ स्क्रिप्ट पढ़ती हैं जो उनके पटकथा लेखक उन्हें देते हैं और जब कोई उनसे सवाल पूछता है तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता।

कांग्रेस लिखित में गारंटी दे कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देगी

भाषा। बनासकांठा (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और उसके गठबंधन में शामिल घटकों को लिखित में यह गारंटी देने की चुनौती दी कि वे ऐसा कभी नहीं करेंगे। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से पहले बनासकांठा जिले के दीसा शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जब तक वह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में हैं, तब तक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को नौकरियों और शिक्षा में दिए गए आरक्षण की रक्षा की जाएगी।

भाजपा के दिग्गज नेता ने जोर देकर कहा, मैं कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए) के साथ-साथ उनकी पार्टी और उसके समर्थकों को चुनौती देता हूं कि वे घोषणा करें कि कभी भी धर्म के नाम पर आरक्षण का दुरुपयोग नहीं करेंगे, न ही कभी संविधान के साथ खिलवाड़ करेंगे या ना कभी धर्म के नाम पर आरक्षण देंगे। मोदी ने कहा, कांग्रेस को लिखकर देना चाहिए कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देगी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जब तक वह हैं, वह किसी को आरक्षण का खेल खेलने नहीं देंगे। कांग्रेस और इसके लोगों को ध्यान से सुनना चाहिए कि यह मोदी है। जब तक मोदी जिंदा है, मैं आपको संविधान के नाम पर आरक्षण का खेल नहीं खेलने दूंगा।

मोदी के गृह राज्य गुजरात में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संविधान को बदल देने के कांग्रेस के दावे पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी 70 वर्ष सत्ता में रहने के बावजूद पूरे देश में संविधान लागू नहीं कर सकी। उत्तरी गुजरात के हिम्मतनगर में साबरकांठा और मेहसाणा सीट से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि वह संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उनकी सरकार पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर में भी इसका लागू होना सुनिश्चित किया है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस नेता अब दावा कर रहे हैं कि संविधान खतरे में है और आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। हकीकत में कांग्रेस अपने 70 वर्ष के शासन में संविधान को पूरे देश में लागू नहीं कर पाई। कश्मीर में हमारा संविधान लागू नहीं हुआ... मोदी ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मोदी संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बिना भाजपा के स्टार प्रचारक ने कहा कि पार्टी का शहजादा अब दावा कर रहा है कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो देश जलेगा। उन्होंने कहाकि वास्तव में यह कांग्रेस है जो अब जल रही है। वे ऐसी बातें इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके सपने अब राख में बदल गए हैं।

कुणाल घोष को तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल महासचिव पद से हटाया गया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी के रुख से अलग बयान देने के लिए बुधवार को कुणाल घोष को पार्टी के पश्चिम बंगाल महासचिव पद से हटा दिया। तृणमूल ने यह कदम कोलकाता उत्तर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार तापस रॉय के साथ उनके मंच साझा करने और उनकी प्रशंसा करने के कुछ घंटों बाद उठाया। घोष पार्टी में नई पीढ़ी के नेताओं को अधिक महत्व दिए जाने पर जोर देते रहे हैं और उन्होंने मार्च में पार्टी प्रवक्ता एवं राज्य महासचिव पद से इस्तीफा देने की इच्छा व्यक्त की थी। इसके बाद पार्टी ने प्रवक्ता पद से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया लेकिन उन्हें महासचिव पद पर बने रहने को कहा।

तृणमूल ने एक बयान में कहा, कुणाल घोष ऐसे विचार व्यक्त कर रहे हैं जो पार्टी के रुख से मेल नहीं खाते हैं[8230]... श्री घोष को पहले पार्टी प्रवक्ता पद से मुक्त कर दिया गया था। अब उन्हें राज्य संगठन के महासचिव पद से हटा दिया गया है। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान में मीडिया संगठनों से कहा गया है कि वे घोष के विचारों को पार्टी के रुख से नहीं मिलाएं और ऐसा करने पर कानूनी कार्वाई की जा सकती है।

यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि ए उनके निजी विचार हैं... केवल एआईटीसी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस) मुख्यालय से जारी बयानों को ही पार्टी का आधिकारिक रुख माना जाना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता पद से हटाए जाने के बावजूद घोष मौजूदा लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान पार्टी मुख्यालय से लगातार संवाददाता सम्मेलन करते रहे हैं। तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि मार्च में उन्हें राज्य प्रवक्ता के पद से हटाया जाना एक चेतावनी थी और राज्य महासचिव पद से हटाया जाना अंतिम कार्वाई है। इससे पहले घोष ने कोलकाता उत्तर लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल उम्मीदवार सुदीप बंदोपाध्याय की रैली में हिस्सा नहीं लिया। घोष एक रक्तदान कार्यक्रम में शामिल हुए जहां भाजपा उम्मीदवार तापस भी मौजूद थे। घोष ने कार्यक्रम में कहा, तापस रॉय एक सच्चे नेता हैं। उनके दरवाजे पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों के लिए हमेशा खुले हैं। मैं उन्हें कई दशकों से जानता हूं। दुर्भाग्य से हमारे रास्ते अब अलग-अलग हैं... मैं आशावान हूं कि चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होंगे तथा इस सीट को बचाए रखने के लिए किसी अनैतिक तरीके का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। लोगों को स्वतंत्र रूप से वोट डालने दें। तृणमूल कांग्रेस के चार बार के विधायक रॉय मार्च में तब भाजपा में चले गए थे जब तृणमूल ने अपने निवर्तमान सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को कोलकाता उत्तर से फिर प्रत्याशी बना दिया।

कांग्रेस की हालत डायनासोर जैसी सपा का अर्थ समाप्त पार्टी : राजनाथ

भाषा। आगरा (उप्र)

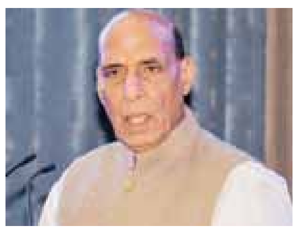

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को समाजवादी पार्टी को समाप्त पार्टी करार दिया और दावा किया कि कांग्रेस की हालत इस समय डायनासोर जैसी है जो कि विलुप्त हो रही है। सिंह आगरा में बाह की जरार मंडी में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फतेहपुर सीकरी से भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के समर्थन में वोट मांगे। सिंह ने दावा किया कि आने वाले दस साल में बच्चे कांग्रेस के बारे में कुछ नहीं बता पाएंगे। उन्होंने समाजवादी पार्टी के बारे में कहा कि सपा का मतलब समाप्त पार्टी होता है। जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, यही तहसील है, जहां से ताल्लुक रखने वाले अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री बने। उनका आशीर्वाद मुझे प्राप्त था। आज मंच पर बोलते हुए मुझे उनकी याद आ रही है।

रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई भारत को गंभीरता से नहीं लेता था लेकिन आज भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। उन्होंने कहा, मैं पूज्य महात्मा गांधी को याद करना चाहता हूं। जिन्होंने आजादी के बाद कहा था कि अब कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। बापू ने जो बात 1947 में कही थी वह आज आप कर रहे हैं। आप स्वयं महात्मा गांधी की इच्छा पूरी कर रहे हैं।

भाजपा को वोट देना बेहतर वाले बयान पर टीएमसी ने अधीर पर साधा निशाना

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पर बुधवार को निशाना साधते हुए उन्हें भारतीय जनता पार्टी की बी टीम बताया। दरअसल, कांग्रेस नेता चौधरी का एक कथित वीडियो सामने आया है जिसमें वह कहते सुने गए कि टीएमसी से बेहतर तो भाजपा को वोट देना है। इस पर टिप्पणी करते हुए, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में भाजपा की सीट कम करना है और टीएमसी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। कथित वीडियो में पश्चिम बंगाल के बहरामपुर सीट से मौजूदा सांसद एवं उम्मीदवार चौधरी एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह कहते हुए सुने गए, टीएमसी को वोट देने से अच्छा है कि भाजपा को वोट दे दो। पहले से ही चौधरी से खफा टीएमसी ने वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें कांग्रेस के साथ सीट बंटवारा न होने के लिए जिम्मेदार ठहराया और उन्हें बंगाल विरोधी करार दिया। टीएमसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, बंगाल में भाजपा की आंख और कानै के रूप में काम करने के बाद, चौधरी अब बंगाल में भाजपा का प्रचार कर रहे हैं।

टीएमसी ने कहा, सुनें कि कैसे बी-टीम का सदस्य खुलेआम लोगों से भाजपा को वोट देने के लिए कह रहा है। यह (भाजपा) एक ऐसी पार्टी है जिसने बंगाल का वाजिब हक देने से इनकार कर दिया और हमारे लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। एक बंगाल-विरोधी ही उस भाजपा के लिए प्रचार कर सकता है, जिसने बार-बार बंगाल के प्रतीकों का अपमान किया है। उसने कहा, 13 मई को बहरामपुर की जनता इस धोखे का करारा जवाब देगी।

टीएमसी के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने भी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता चौधरी पर हमला किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस की बंगाल इकाई प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने अपनी रैली में सार्वजनिक रूप से लोगों से टीएमसी के बजाय भाजपा को वोट देने के लिए कहा। जहां एक ओर ममता बनर्जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी एवं केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रही हैं, वहीं बंगाल कांग्रेस खुलेआम भाजपा के लिए वोट मांग रही है।

गोखले ने कहा, बंगाल में टीएमसी इंडिया की तरफ से भाजपा से मुकाबला कर रही है। इस बीच, कांग्रेस और माकपा ने मोदी के वफादार सिपाही बनना पसंद किया है। यह घृणित है और बेशर्मी से परे है। इस बीच, रमेश ने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य पश्चिम बंगाल में भाजपा की सीट की संख्या कम करना है। रमेश ने कहा, मुझे नहीं पता कि अधीर जी ने क्या कहा, लेकिन हमारा उद्देश्य पश्चिम बंगाल में भाजपा की सीट की संख्या को काफी कम करना है। उन्होंने कहा, उन्होंने (भाजपा) 18 सीट जीतीं, हमें उनकी सीट की संख्या कम करनी है और यही एकमात्र लक्ष्य है। ए विधानसभा चुनाव नहीं, ए लोकसभा चुनाव है। रमेश ने कहा, कांग्रेस, वाम दलों के साथ, इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने भी कहा है कि वे इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ने पर ममता ने जताई चिंता

फरक्का (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव के पहले दो चरण के मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़े देरी से जारी करने के लिए बुधवार को निर्वाचन आयोग की आलोचना की। ममता ने इन दो चरणों के मतदान प्रतिशत में अचानक वृद्धि पर भी चिंता जताई। अल्पसंख्यक बहुल मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों में लगातार दो रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने केंद्र पर राज्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, क्योंकि यहां अल्पसंख्यक और पिछड़े समुदायों का प्रतिशत अधिक है। आयोग ने 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुए पहले दो चरणों के मतदान प्रतिशत का अंतिम आंकड़ा मंगलवार शाम को सार्वजनिक किया। आयोग के अनुसार, लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान प्रतिशत 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत दर्ज किया गया। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, निर्वाचन आयोग ने पहले जो आंकड़े जारी किए थे, अंतिम मतदान प्रतिशत में उनसे करीब 5.75 प्रतिशत की अचानक वृद्धि चिंताजनक है। भाजपा द्वारा चुनाव परिणामों में हेरफेर किए जाने की आशंका है, क्योंकि कई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन कई दिन तक गुम रहीं। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मतदान प्रतिशत में अचानक वृद्धि न केवल चिंताजनक है, बल्कि ईवीएम की प्रामाणिकता पर भी गंभीर आशंका पैदा करती है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को ईवीएम निर्माताओं का ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए, क्योंकि भाजपा चुनाव जीतने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है। ममता ने भाजपा को जुमला पार्टी करार देते हुए कहा कि उसकी रुचि झूठे वादे करके केवल लोकप्रियता हासिल करने में है। रैली में ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस को वोट न दें, क्योंकि वे भाजपा के एजेंट हैं। माकपा या कांग्रेस को वोट देने का मतलब है भाजपा को वोट देना और भाजपा को वोट देने से आपके लोकतांत्रिक अधिकार छिन जाएंगे। ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। उन्होंने कहा, माकपा और कांग्रेस, दोनों ही दल अल्पसंख्यक बहुल सीट पर चुनाव लड़ रही हैं, ताकि वे तृणमूल के वोट काटकर भाजपा की मदद कर सकें। लोकसभा चुनाव के लिए सात चरणों में मतदान हो रहा है। पांच चरण का मतदान अभी बाकी है। मतगणना चार जून को एकसाथ होगी।

ओडिशा के सीएम ने 71 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की

बेरहामपुर (ओडिशा)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 71.07 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति घोषित की है। उनकी संपत्ति बीते पांच साल में सात करोड़ रुपए बढ़ गई है। मुख्यमंत्री द्वारा निर्वाचन आयोग में दाखिल किए गए हलफनामे से यह जानकारी मिली है। बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख ने 2019 में अपनी संपत्ति 63.87 करोड़ रुपए घोषित की थी। पटनायक ने मंगलवार को हिंजिली विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। वह पांच बार से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और छठी बार फिर मैदान में हैं। मुख्यमंत्री ने नामांकन पत्र के साथ 64 पन्नों का एक हलफनामा भी दाखिल किया है जिसमें उन्होंने 14.05 करोड़ रुपए की चल और 57.02 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति की जानकारी दी है। उनकी चल संपत्तियों में विभिन्न बैंकों और डाकघरों में जमा राशि शामिल है। वहीं उनकी अचल संपत्तियों में भुवनेश्वर में 13.66 करोड़ रुपए का नवीन निवास और दिल्ली में एजीपी अब्दुल कलाम रोड पर 43.35 करोड़ रुपए कीमत का घर शामिल है।पटनायक की दिल्ली स्थित घर में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी और भुवनेश्वर के नवीन निवास में दो-तिहाई हिस्सेदारी है। हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 45.77 ग्राम के माणिक, हीरे और चांदी जड़े बटन हैं जिनकी कीमत लगभग 4.17 लाख रुपए है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया है कि उनके पास 30,000 रुपए नकद और 1980 मॉडल की एक एंबेसडर कार है। गाड़ी की वर्तमान कीमत 6,434 रुपए है, जो पांच साल पहले 8,905 रुपए थी। उन्होंने कर रिटर्न में 2022-23 में अपनी आय 92,24,900 रुपए दिखाई है। पटनायक ने कहा कि उन पर कोई देनदारी नहीं है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है।

जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपए के पार

भाषा। नई दिल्ली

देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत बढ़कर 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। घरेलू लेनदेन तथा आयात में मजबूत वृद्धि से यह संग्रह बढ़ा है। यह पहला मौका है जब किसी महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह दो लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर संभव हो पाया।

मूल रूप से बेची गई वस्तुओं और दी गई सेवाओं पर लगने वाला कर जीएसटी मार्च के महीने में 1.78 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा जबकि एक साल पहले अप्रैल 2023 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपए था। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस उपलब्धि को हासिल करने में राजस्व विभाग के केंद्रीय व राज्य अधिकारियों तथा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के ईमानदार और सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। कर विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल में मजबूत जीएसटी राजस्व एक बढ़ती अर्थव्यवस्था, कंपनियों के स्तर पर अनुपालन पर जोर देने और समय पर लेखा परीक्षा एवं जांच के अलावा विभाग के स्तर पर उठाए गए कदमों को दर्शाता है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक, पिछले महीने केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपए और राज्य जीएसटी संग्रह 53,538 करोड़ रुपए रहा। एकीकृत जीएसटी 99,623 करोड़ रुपए रहा जिसमें आयातित वस्तुओं पर एकत्र 37,826 करोड़ रुपए शामिल हैं। अप्रैल में कुल उपकर संग्रह 13,260 करोड़ रुपए रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित।,008 करोड़ रुपए भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने एकीकृत जीएसटी संग्रह से केंद्रीय जीएसटी के लिए 50,307 करोड़ रुपए और राज्य जीएसटी के लिए 41,600 करोड़ रुपए का निपटान किया।

सीतारमण ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, एकीकृत जीएसटी निपटान के बाद राज्यों को कोई बकाया लंबित नहीं है। रिफंड के बाद अप्रैल 2024 के लिए शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.92 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15.5 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। डेलॉयट इंडिया में साझेदार महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह में लगातार बढ़ोतरी होने से जीएसटी प्रणाली में दूसरे दौर के सुधारों की दिशा में बढ़ने का मंच तैयार हो गया है।

टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विसेज में साझेदार विवेक जालान ने कहा कि जुलाई, 2017 में जीएसटी लागू होने के शुरुआती दौर में इसका औसत मासिक संग्रह करीब 0.90 लाख करोड़ रुपए था लेकिन अब यह 2.10 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस तरह जीएसटी राजस्व में औसतन 13 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के साझेदार प्रतीक जैन ने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद जीएसटी सुधारों को लेकर और कदम उठाने से जीएसटी संग्रह में तेजी आ सकती है। इससे सरकार को दरों को युक्तिसंगत बनाने या एटीएफ और प्राकृतिक गैस जैसे अन्य उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने जैसे साहसिक निर्णय लेने में भी मदद मिल सकती है। ईवाई के कर साझेदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह उभरते आर्थिक परिदृश्य के बीच कर प्रणाली के मजबूत जुझारूपन को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु को पांचवें स्थान पर धकेला

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश ने अप्रैल में कर राजस्व में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मासिक संग्रह में तमिलनाडु को पीछे छोड़ दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने उत्तर प्रदेश में जीएसटी संग्रह 19 प्रतिशत बढ़कर 12,290 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात के बाद सबसे अधिक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश जीएसटी संग्रह के मामले में चौथे स्थान पर पहुंच गया। वहीं तमिलनाडु 12,210 करोड़ रुपए के कर संग्रह के साथ चौथे से पांचवें स्थान पर खिसक गया। तमिलनाडु का जीएसटी संग्रह अप्रैल में छह प्रतिशत बढ़ा है। परंपरागत रूप से तमिलनाडु में जीएसटी संग्रह सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक रहता रहा है। अप्रैल, 2023 में तमिलनाडु का जीएसटी संग्रह 11,559 करोड़ रुपए था जबकि उत्तर प्रदेश का 10,320 करोड़ रुपए था। एक महीने पहले मार्च में तमिलनाडु का कर संग्रह 11,017 करोड़ रुपए था जबकि उत्तर प्रदेश ने 9,087 करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह किया था। फरवरी में भी तमिलनाडु का संग्रह 9,713 करोड़ रुपए था जो उत्तर प्रदेश के 8,054 करोड़ रुपए से अधिक था। राज्यों के कुल जीएसटी संग्रह के मामले में महाराष्ट्र 37,671 करोड़ रुपए के संग्रह के साथ सबसे आगे है। महाराष्ट्र में जीएसटी संग्रह अप्रैल में 13 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल में 15,978 करोड़ रुपए के संग्रह के साथ कर्नाटक जीएसटी राजस्व में दूसरा बड़ा योगदानकर्ता है जबकि गुजरात ने 13,301 करोड़ रुपए के राजस्व के साथ 13 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। जीएसटी संग्रह पहली बार एक महीने में दो लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर गया है। अप्रैल में यह 12.4 प्रतिशत बढ़कर 2.10 लाख करोड़ रुपए रहा है।

भाजपा ने संविधान को मजबूत किया, सामाजिक न्याय के लिए इसमें संशोधन किया : असीम अरुण

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मंत्री असीम अरुण ने बुधवार को कहा कि भाजपा ने संविधान को मजबूत किया और कांग्रेस के विपरीत केंद्र में अपने कार्यकाल के दौरान सामाजिक न्याय के लिए इसमें संशोधन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए संविधान की मूल संरचना को बदलने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास किया था। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में समाज कल्याण मंत्री अरुण ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि किसी को भी संविधान की मूल संरचना को बदलने का अधिकार नहीं है तथा दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी इसे बरकरार रखने के लिए तैयार है।

उन्होंने भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस ने कहा है कि वह धारा 370 वापस लाएगी, यानी कश्मीर में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को मिला आरक्षण भी वापस ले लिया जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस को ऐसा कोई मौका नहीं मिलेगा क्योंकि देश की जनता उसके खेल को समझ चुकी है।

अरुण की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया के अन्य घटक सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए आरोप लगा रहे हैं कि पार्टी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें मांग रही है क्योंकि वह संविधान को बदलना चाहती है और देश में एससी, एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने के लिए बनाए गए प्रावधानों को खत्म करना चाहती है। अरुण ने कहा, भाजपा शासन के दौरान संविधान को मजबूत करने, सामाजिक न्याय की लड़ाई और बी.आर. आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए संशोधन किए गए थे।

संविधान में संशोधन नहीं बल्कि बदलाव का सबसे दुर्भावनापूर्ण प्रयास दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था जब उच्च न्यायालय के फैसले के बाद वह प्रधानमंत्री का पद गंवाने की आशंका का सामना कर रही थीं। अरुण ने कहा कि पूर्ववर्ती इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लाए गए संशोधन में यह प्रावधान किया गया था कि उच्चतम न्यायालय सहित न्यायपालिका को अब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई का अधिकार होगा। भाजपा नेता ने कहा, विभिन्न अवसरों पर संविधान की मूल संरचना को बदलने का यह सबसे दुर्भावनापूर्ण प्रयास था। मैं न्यायपालिका की शक्ति को सलाम करता हूं जिसने इस संशोधन को रद्द कर दिया। बाद में, आपातकाल लगाया गया और उन्हें (इंदिरा गांधी) बचाने के लिए अन्य काम किए गए।

हिमंत विश्व शर्मा का अजमल के साथ गुप्त समझौताः प्रियंका वाद्रा

धुबरी (असम)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का एआईयूडीएफ (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) के नेता बदरुद्दीन अजमल से उसी तरह गुप्त समझौता है जैसा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का तेलंगाना में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी के साथ है और इन दोनों दलों का उद्देश्य कांग्रेस को हराना है। धुबरी जिले के बालाजान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने असम में माफिया राज होने का आरोप लगाया और दावा किया कि मुख्यमंत्री शर्मा राज्य में अनेक घोटालों में शामिल हैं। उन्होंने कर्नाटक में हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के आरोपों को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके लिए वोट मांगे और फिर उन्हें देश छोड़ने से नहीं रोका।

प्रियंका धुबरी से लोकसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस विधायक रकीबुल हसन के लिए प्रचार कर रही थीं। हसन का मुकाबला मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल और भाजपा समर्थित असम गण परिषद के उम्मीदवार तथा पूर्व विधायक जाबेद इस्लाम से है।

प्रियंका ने कहा, भाजपा और एआईयूडीएफ स्थानीय राजनीति को एक अलग दिशा में ले गए हैं। दोनों पार्टियों के बीच एक गुप्त समझौता है। असम के मुख्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि बदरुद्दीन दिल से चाहते थे कि वह (शर्मा) मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने दावा किया, तेलंगाना में उन्होंने ओवैसी के साथ गठबंधन करके वही किया ताकि वे कांग्रेस के वोटों को विभाजित कर सकें। जहां भी हम मजबूत हैं, बदरुद्दीन ने एआईयूडीएफ के उम्मीदवारों को केवल इसलिए खड़ा किया है क्योंकि वह चाहते हैं कि भाजपा जीत जाए।

कांग्रेस नेता ने शर्मा पर अजमल के इत्र कारोबार को फायदा पहुंचाने के लिए राज्य की नीतियां बदलने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा, वह (अजमल) खुद कहते हैं कि वह एक कारोबारी हैं। वह आपके साथ केवल

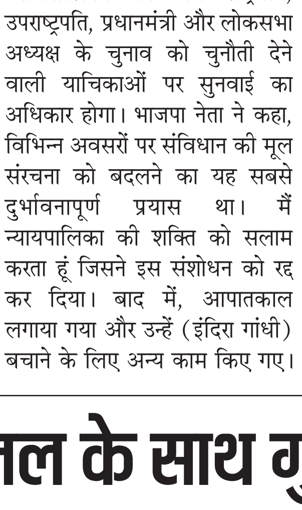

व्यपार कर रहे हैं, राजनीति और सेवा नहीं। जहां भी उन्हें फायदा दिख रहा है, वह वहां जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हिमंत दोनों अरबपतियों के लिए सरकार चला रहे हैं। मोदी, हिमंत, बदरुद्दीन अजमल सभी एक जैसे हैं। वे चाहते हैं कि चुनाव लोगों के मुद्दों को छोड़कर किसी अन्य मुद्दे पर लड़ा जाए।

राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए प्रियंका ने कहा, असम में माफिया राज है। जमीन, सुपारी, रेत, कोयला और अन्य सभी क्षेत्रों में माफिया काम कर रहे हैं। हर जगह जबरन वसूली हो रही है और माफिया काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में किसानों की संपत्तियां, पीपीई किट और फ्लाईओवर समेत सभी तरह के घोटाले और लगातार गौ तस्करी हो रही है, लेकिन केवल एक चीज नहीं हो रही है और वह राज्य में विकास। कांग्रेस नेता ने कहा कि शर्मा जब कांग्रेस में थे तो उनके खिलाफ कई आरोप थे लेकिन वह भाजपा की वॉशिंग मशीन में साफ हो गए। उन्होंने आरोप लगाया, असम में बेरोजगारी का बढ़ना एक अहम मुद्दा है लेकिन मुख्यमंत्री तथा उनके मंत्रियों को केवल अपने निजी हितों की चिंता है।

महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जब एक भूतपूर्व सैनिक की पत्नी को मणिपुर में निर्वस्त्र घुमाया गया और पदक विजेता महिला खिलाड़ियों ने एक भाजपा नेता पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए तो प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने आरोप लगाया, वह महिलाओं की सुरक्षा के बारे में बात करते हैं, लेकिन कर्नाटक में क्या हो रहा है? एक उम्मीदवार के हजारों वीडियो सामने आए, जो भाजपा के साथी हैं। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के आरोपी के साथ मंच साझा किया। बाद में, वह (प्रज्वल रेवन्ना) भारत से भाग गए, लेकिन मोदी और अमित शाह ने उन्हें नहीं रोका।

प्रियंका ने हाथरस और उन्नाव सामूहिक दुष्कर्म मामलों का भी जिक्र किया। कांग्रेस कोच-राजवंशी समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग का पूरा समर्थन करती है, इसीलिए जाति जनगणना कराई जाएगी ताकि वंचित समुदायों को उचित अवसर दिया जा सके। कांग्रेस नेता ने चुनावी बॉण्ड के मुद्दे पर भी भाजपा पर निशाना साधा और इसे मोदी द्वारा शुरू की गई भ्रष्टाचार योजना करार दिया। उन्होंने कहा, भाजपा सिर्फ 10 साल में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई, लेकिन कांग्रेस ने 70 साल में इतनी कमाई नहीं की...कोविड टीका निर्माता ने भाजपा को चंदा दिया और अब एक रिपोर्ट आई है कि उस टीके के कारण लोग बीमार पड़ सकते हैं।

पुलिस ने कोलंबिया विवि को फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों से खाली कराया, यूसीएलए में झड़प

एपी। न्यूयॉर्क

अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन नाटकीय तरीके से समाप्त हो गया। पुलिस दंगा रोधी उपकरणों के साथ बीती रात उस इमारत में दाखिल हुई जिसमें प्रदर्शनकारी जमे थे और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, दूसरी ओर लॉस एंजिलिस स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएलए) में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात फलस्तीन समर्थक और इजराइल समर्थक प्रतिद्वंद्वी समूहों में झड़प हो गई।

एक प्रवक्ता ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से मदद की गुजारिश किए जाने के बाद न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों ने मंगलवार देर रात कोलंबिया विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश किया।प्रवक्ता ने बताया कि मैदान पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए तंबुओं को हटा दिया गया जबकि हैमिल्टन हॉल को खाली कराने के लिए अधिकारियों को इमारत की दूसरी मंजिल में सीढ़ी के सहारे खिड़की के रास्ते प्रवेश करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने आइवी लीग विश्वविद्यालय से इजराइल या गाजा में युद्ध का समर्थन करने वाली कंपनियों के साथ व्यापार बंद करने का आह्वान करते हुए लगभग 20 घंटे पहले हॉल पर कब्जा कर लिया था।

विश्वविद्यालय ने बताया, जब संस्थान को रात को जानकारी मिली कि हैमिल्टन हॉल पर कब्जा कर लिया गया है, तोड़फोड़ की गई है और उसके रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है, तो हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा। विश्वविद्यालय ने कहा, न्यूयॉर्क पुलिस विभाग से संपर्क करने का मकसद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई था न कि उनके द्वारा की जा रही मांग को दबाना। हमने स्पष्ट कर दिया कि विश्वविद्यालय परिसर की गतिविधियों को प्रदर्शनकारी अनंतकाल तक बाधित नहीं कर सकते और वे नियम कायदों का उल्लंघन कर रहे थे।

● अमेरिका में अन्य परिसरों में फलस्तीन-इजराइल संघर्ष को लेकर किए जा रहे प्रदर्शनों पर भी कार्रवाई हुई है और 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार हुए हैं

पुलिस प्रवक्ता कार्लोस निस ने कहा कि उन्हें किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तब गिरफ्तार किया गया जब उन्होंने सोमवार को प्रदर्शन स्थल खाली करने की समय सीमा को मानने से इनकार कर दिया। निस ने बताया कि अन्य विश्वविद्यालयों ने कोलंबिया से प्रेरित प्रदर्शनों को समाप्त करने के प्रयास तेज कर दिए।

अकाउंट के प्रथम वर्ष के छात्र फैबियन लूगो ने कहा कि वह विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं थे लेकिन वह परिसर में पुलिस को बुलाने के विश्वविद्यालय के फैसले का विरोध करते हैं। इस बीच, फलस्तीन समर्थक और इजरायल समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच रात भर यूसीएलए परिसर में हिंसक झड़प हुई और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दंगा रोधी साजो-सामान के साथ पुलिस पहुंची लेकिन तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया।लोगों ने एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकीं और एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए। लाठियों से लैस कुछ लोग दूसरों को पीटते नजर आए। दंगा रोधी पुलिस के पहुंचने से पहले, एक समूह ने एक व्यक्ति को जमीन पर लिटा कर लात घूंसे से वार किया और बाद में अन्य लोगों ने उसे बचाया।

यूसीएलए की एक वरिष्ठ अधिकारी मैरी ओसाको ने कैंपस अखबार डेली ब्रुइन को बताया, आज रात परिसर में हिंसा की भयावह घटनाएं हुईं और हमने तुरंत मदद के लिए कानूनी एजेंसियों को बुलाया।

पुलिस ने पिछले दो हफ्तों में पूरे अमेरिका में अन्य परिसरों में फलस्तीन-इजराइल संघर्ष को लेकर किए जा रहे प्रदर्शनों पर भी कार्रवाई की है और करीब 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

इस बीच, इवी लीग में शामिल ब्राउन यूनिवर्सिटी ने रोड आईलैंड परिसर में प्रदर्शनकारियों से समझौता किया है। दोनों पक्षों में सहमति बनी है कि विश्वविद्यालय इस साल अक्टूबर में इजराइल की हिस्सेदारी कम करने पर विचार करेगा। पहली बार अमेरिका के किसी शैक्षणिक संस्थान ने प्रदर्शन की वजह से हिस्सेदारी घटाने पर सहमति जताई है। इस बीच, फ्लैगस्टाफ स्थित नार्थ एरिजोना यूनिवर्सिटी में दंगारोधी पुलिस ने मंगलवार देर रात प्रदर्शन स्थल को खाली करा लिया और प्रदर्शन कर रहे 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इससे पहले प्रदर्शनकारियों को स्थान खाली करने या फौजदारी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

पन्नू की हत्या की साजिश मामले में भारत के साथ लगातार काम कर रहे हैं: अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने संबंधी आरोपों की जांच के लिए अमेरिका, भारत के साथ लगातार काम कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब समाचार पत्र वाशिंगटन पोस्ट ने अपनी एक खबर में अज्ञात सूत्रों के हवाले से कहा है कि पिछले वर्ष अमेरिकी धरती पर पन्नू को मारने की कथित साजिश में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक अधिकारी शामिल थे।

भारत ने इन दावों को मंगलवार को सिरे से खारिज किया और कहा कि खबर में एक गंभीर मामले में अवांछित और निराधार आरोप लगाए गए हैं और मामले की जांच जारी है।

पटेल ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हम भारतीय जांच समिति की जांच के परिणामों के आधार पर भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं और हम लगातार उनके साथ काम कर रहे हैं...।

वाशिंगटन पोस्ट की खबर के संबंध में पूछे जाने पर पटेल ने कहा, हम भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त करते रहेंगे....।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा, रिपोर्ट में एक गंभीर मामले में अवांछित और निराधार आरोप लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कथित साजिश पर अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी की पड़ताल करने के लिए भारत द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय जांच समिति मामले में अब भी तफ्तीश कर रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने संगठित अपराधियों, आतंकवादियों तथा अन्य के नेटवर्क पर अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गईं सुरक्षा चिंताओं की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है जिसकी जांच जारी है।

जायसवाल द वाशिंगटन पोस्ट की खबर पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, इस पर काल्पनिक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों की जरूरत नहीं है।

द वाशिंगटन पोस्ट की खबर में रॉ के अधिकारी की पहचान विक्रम यादव के रूप में की गई है और आरोप लगाया गया है कि पन्नू को मारने की साजिश में वह शामिल थे।

पिछले साल नवंबर में अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर अमेरिका में सिख अलगाववादी पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भारत सरकार के एक आधिकारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया था।

भारत में आतंकवाद के आरोपों में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। उसे विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है।

इससे कुछ महीने पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर में ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का दावा किया था।

दक्षिणी चीन के राजमार्ग हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 24 हुई

एपी। बीजिंग

दक्षिणी चीन में बुधवार को राजमार्ग का एक हिस्सा ढह जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

राजमार्ग का 17.9 मीटर (58.7 फीट) हिस्सा ढह जाने से 18 कारें ढलान से नीचे गिर गईं। ग्वांगदोंग प्रांत के मीझोऊशहर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसा आधी रात के बाद करीब 2 बजे हुआ।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक बुधवार दोपहर तक मृतकों की संख्या 24 हो गई है।

बीते दो हफ्तो में ग्वांगदोंग प्रांत के हिस्सों में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे बाढ़ जैसे पैदा हालात हो गए हैं। मीझोऊ के कुछ गांवों में अप्रैल में बाढ़ आई और हाल के दिनों में शहर में भारी बारिश हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने सड़क का हिस्सा ढहने के तुरंत पहले ही वहां से गुजरते समय तेज आवाज सुनी और अपने पीछे कई मीटर चौड़ा गड्ढा बनते देखा।

चीन के स्थानीय मीडिया द्वारा दिखाए गए वीडियो और तस्वीरों में घटनास्थल पर धुंआ और आग दिखाई दे रही है। आग की लपटों में राजमार्ग पट्टी नीचे की तरफ झुक रही है। राजमार्ग से नीचे की ओर जाने वाली ढलान पर ध्वस्त हो चुकी कारों का ढेर भी देखा जा सकता था।

सड़क के टूटे हुए हिस्से के साथ ही राजमार्ग के नीचे की जमीन भी धंसी हुई दिखाई दे रही है। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी के मुताबिक बचावकर्मियों ने 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया।

यूक्रेन गश्ती पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक ड्रोन वीडियो से लिया गया यह चित्र पूर्वी यूक्रेनी शहर चासिव यार में तबाही दिखाता है। इस पर रूस हमला कर रहा है। सर्वनाश का दृश्य बखमुत और अवदीवका शहरों की याद दिलाता है जो यूक्रेन ने महीनों की बमबारी और क्रेमलिन की सेनाओं के भारी नुकसान के बाद हासिल किया था।

ब्रिटेन का दावा कि वीजा कार्रवाई के बाद छात्र आश्रितों की संख्या में भारी गिरावट आई

भाषा। लंदन

इस साल की शुरुआत से प्रभावी छात्र वीजा नियम के बाद विदेशी छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों या निकट परिजनों जैसे पति, पत्नी और बच्चों की संख्या में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली है। ब्रिटिश सरकार ने इसका स्वागत किया है। ब्रिटेन के गृह विभाग का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से लेकर मार्च के महीने में छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों की संख्या में 80 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा इस बार 26,000 से कम छात्रों ने वीजा का लिए आवेदन किया।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि आंकड़ों का मतलब है कि देश की वीजा प्रणाली में उनके द्वारा किए गए बदलाव काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, परिजनों और आश्रितों को ब्रिटेन लाने वाले छात्रों की संख्या बहुत अधिक थी। यह उचित नहीं था।

उन्होंने कहा, हमारे बदलाव काम कर रहे हैं – छात्रों के आश्रित लोगों की संख्या में अब 80 प्रतिशत की कमी आई है।

जनवरी से प्रभावी नियमों के तहत, अनुसंधान पाठ्यक्रमों को छोड़कर अधिकतर अंतरराष्ट्रीय छात्र परिजनों को साथ नहीं ला सकते हैं। अब वे अपना पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले अपना वीजा नहीं बदल सकते हैं। सरकार ने दावा किया है कि पहले ब्रिटेन में काम करने के लिए पिछले दरवाजे के रूप में छात्र वीजा का दुरुपयोग किया गया। नए नियम के तहत शिक्षा नहीं आव्रजन बेचने वाले संस्थानों पर गृह विभाग की तरफ से व्यापक दबाव बनाया गया है।

हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा मामले में भारतीयों सबसे आगे रहे हैं और ए आंकड़े दर्शाते हैं कि इस साल की शुरुआत में देखी गई गिरावट का मतलब यह हो सकता है कि कम भारतीय छात्र ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों को चुन रहे हैं।

ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली के कार्यालय ने उनकी वीजा कार्वाई के प्रभाव को उजागर करने के लिए अंतरिम आंकड़े जारी किए। क्लेवरली ने कहा, लगातार बढ़ती संख्या हमारी आव्रजन प्रणाली में ब्रिटिश लोगों का भरोसा कम कर रही है, सार्वजनिक सेवाओं पर बोझ डाल रही है और वेतन को कम कर रही है। उन्होंने कहा, जब मैंने कानूनी प्रवासन में अब तक की सबसे बड़ी कटौती करने का वादा किया, तो मुझे पता था कि हमें व्यावहारिक रूप से जल्द से जल्द अपनी कार्वाई का प्रभाव दिखाने के लिए भी काम करना चाहिए...यह रेखांकित करता है कि देखभाल कार्यकर्ता आश्रितों की अस्थिर संख्या में कटौती के लिए आवश्यक कार्वाई क्यों की गई थी।

चीन ने दक्षिण चीन सागर में तनाव के बीच तीसरे विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण शुरू किया

भाषा। बीजिंग

चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान का बुधवार को पहला समुद्री परीक्षण शुरू किया। फुजियान को सबसे उन्नत घरेलू युद्धपोत बताया जा रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच बीजिंग ने अपनी नौसैनिक शक्ति को बढ़ाते हुए इस युद्धपोत का परीक्षण शुरू किया है।

सरकार के स्वामित्व वाली शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, यह युद्धपोत समुद्री परीक्षण के लिए बुधवार सुबह शंघाई जियांगनान शिपयार्ड से रवाना हुआ। परीक्षण के दौरान विमान वाहक की प्रणोदन शक्ति और विद्युत प्रणालियों की विश्वसनीयता व स्थिरता की जांच की जाएगी। फुजियान को जून 2022 में पानी में उतारा गया था, जिसने नौबंध परीक्षण, उपकरण समायोजन और अन्य दूसरी जरूरी परीक्षण पूरे कर लिए हैं। युद्धपोत ने समुद्री परीक्षण के लिए जरूरी तकनीकी आवश्यकताएं भी पूरी कीं।

परीक्षण से पहले चीन ने यांगत्जे नदी के मुहाने के आसपास समुद्री यातायात नियंत्रण लगा दिया है, जहां जियांगनान शिपयार्ड सैन्य गतिविधियों के लिए तैनात है।

खबर के मुताबिक, यातायात नियंत्रण नौ मई तक रहेगा।

पिछली आधिकारिक खबरों के अनुसार, चीन ने विवादित दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में वर्ष 2035 तक पांच से छह विमान वाहक पोत तैनात करने की योजना बनाई है। बीजिंग, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपने कब्जे का दावा करता है तो वहीं ताइवान जलडमरूमध्य चीन की मुख्य भूमि को ताइवान से अलग करता है।

इतना ही नहीं चीन, हिंद महासागर में भी अपनी शक्ति को बढ़ा रहा है। वर्तमान में दक्षिण चीन सागर में चीनी नौसेना का अमेरिका समर्थित फिलीपीन के नौसैनिक जहाजों के साथ गतिरोध जारी है।

फिलीपीन, दक्षिण चीन सागर में सैकंड थॉमस टापू पर अपना दावा जताने की कोशिश कर रहा है जबकि चीन इसका कड़ा विरोध कर रहा है।

चीनी वैज्ञानिक को विरोध प्रदर्शन के बाद काम करने की अनुमति मिली

एपी। बीजिंग

चीन में कोविड-19 वायरस के अनुक्रमण से जुड़ी जानकारी सबसे पहले प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिक ने कहा कि उन्हें कई दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद अपनी प्रयोगशाला में शोधकार्य करने की अनुमति दे दी गई है।

वैज्ञानिक झांग योंगझेन ने बुधवार को सोशल मीडिया में अपने पोस्ट में लिखा कि प्रयोगशाला का जिम्मा संभालने वाले चिकित्सा केन्द्र ने आधी रात के बाद उन्हें और उनकी टीम को प्रयोगशाला में लौटने और शोध जारी रखने पर अस्थाई तौर पर अनुमति दी।

झांग ने चीन के सोशल मीडिया मंच वेइबो में लिखा, अब मेरी टीम के सदस्य प्रयोगशाला में बेरोक-टोक आ जा सकते हैं।

झांग और उनकी टीम को निर्माण कार्य के लिए बृहस्पति को अचानक प्रयोगशाला छोड़ने के लिए कहा गया था। झांग ने रविवार को अपनी प्रयोगशाला के बाहर धरना शुरू कर दिया। यह घटनाक्रम कोरोना वायरस पर अनुसंधान कर रहे वैज्ञानिकों पर बीजिंग के बढ़ते दबाव का संकेत देता है।

बारिश के बीच झांग जमीन पर रखी एक लकड़ी पर बैठ गए वहीं उनकी टीम एक बैनर लिए हुए थी जिसमें शोध कार्य प्रारंभ करने की अनुमति की मांग की गई थी।

इस विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच पर सार्वजनिक हो गईं और इससे स्थानीय प्रशासन पर दबाव बढ़ने लगा।

शंघाई पब्लिक हेल्थ क्लिनिकल सेंटर ने सोमवार को कहा था कि झांग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया जा रहा है और सुरक्षा कारणों से इसे बंद किया गया है। केन्द्र ने साथ ही कहा कि उसने झांग की टीम को वैकल्पिक प्रयोगशाला स्थल की पेशकश की थी लेकिन झांग ने कहा कि उनकी टीम को कोई विकल्प नहीं दिया गया और नई प्रयोगशाला अनुसंधान के लिए सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है।

झांग से जुड़ी यह घटना दिखाती है कि चीन कैसे वायरस से जुड़ी जानकारियों को नियंत्रित कर रहा है।

एसोसिएटेड प्रेस की जांच में पाया गया कि सरकार ने कोरोना वायरस फैलने के शुरुआती दिनों से ही इसके बारे में पता लगाने के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को रोकने की कोशिश की थी। यह सिलसिला अब भी जारी है, प्रयोगशालाएं बंद हैं, विदेशी वैज्ञानिकों को देश से जाने के लिए कहा गया और चीनी अनुसंधानकर्ताओं के देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है।

झांग के साथ टकराव की यह स्थिति तब शुरू हुई जब उन्होंने और उनकी टीम ने पांच जनवरी 2020 को वायरस को डिकोड किया और चीनी अधिकारियों को इसके फैलने की आशंका के बारे में चेतावनी दी। हालांकि झांग ने अनुक्रम को सार्वजनिक नहीं किया था।

इसके अगले दिन चीन के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी ने झांग की प्रयोगशाला को अस्थाई रूप से बंद करने का आदेश दिया।

शीघ्र ही विदेशी वैज्ञानिकों को पता चल गया कि झांग और अन्य चीनी वैज्ञानिकों ने वायरस के बारे में जानकारी जुटा ली है और उन्होंने चीन से इसका अनुक्रमण जारी करने का अनुरोध किया। चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों से अनुमति न मिलने के बावजूद झांग ने 11 जनवरी 2020 को इसे प्रकाशित किया।

किसी वायरस के अनुक्रमण के जारे में जानकारी इस लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके आधार पर ही आगे की जांच, बचाव के तरीके आदि तैयार करने में मदद मिलती है।

झांग को उनके काम के लिए विदेशों में सम्मानित किया गया लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने उन्हें चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र में उनके पद से हटा दिया और इससे उनके शोध में बाधा उत्पन्न हुई।

हालांकि झांग को सरकार में कुछ स्तर पर समर्थन हासिल है और उनके प्रदर्शन को चीन की नियंत्रित मीडिया में काफी जगह मिली। इससे यह संकेत मिलते हैं कि सरकार के भीतर ही झांग और उनकी टीम के साथ बर्ताव को लेकर मतभेद हैं।

स्कॉटलैंड की सरकार एक सप्ताह में ही गिर गई, क्या रही वजह

द कन्वरसेशन। ग्लासगो (यूके)

आम धारणा के विपरीत, गठबंधन सरकारें आम तौर पर स्थिर होती हैं और अमूमन अपना कार्यकाल पूरा करती हैं। इसलिए स्कॉटलैंड में जो कुछ हुआ है, उसपर चर्चा करने की आवश्यकता है।

मोटे तौर पर, स्वतंत्रता-समर्थक स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के पहले मंत्री हमजा यूसुफ ने सरकार में अपने भागीदारों, स्कॉटिश ग्रीन्स के साथ एक समझौते को अचानक समाप्त कर दिया, इससे पहले कि दूसरे पक्ष को ऐसा करने का मौका मिलता। यह कदम तुरंत ही उल्टा पड़ गया और यूसुफ को इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन सबसे पहले यह जान लेना जरूरी है कि वह इस स्थिति में कैसे पहुंचे?

2021 के स्कॉटिश चुनाव में, एसएनपी ने संसद की 129 सीटों में से 64 सीटें जीतीं – जो कुल बहुमत से एक कम है। अल्पमत सरकार एक व्यवहार्य विकल्प थी (और 2007 और 2016 में इसी तरह के परिणामों के बाद एसएनपी ने इसी तरह शासन किया था)।

हालाँकि, तत्कालीन नेता निकोला स्टर्जन के नेतृत्व में पार्टी ने ग्रीन्स के साथ गठबंधन बनाने का विकल्प चुना।

ग्रीन्स स्कॉटिश स्वतंत्रता के भी समर्थक हैं और उन्होंने 2016-2021 की संसद में एसएनपी के साथ अमूमन सहयोग किया है। हालाँकि यह कार्यकाल कोई ज्यादा परेशान करने वाला नहीं था, लेकिन एसएनपी हर बिल के लिए विपक्ष का समर्थन मांगते-मांगते थक जाती थी और गठबंधन की निश्चितता को लेकर सदा संदेह में रहती थी।

ग्रीन्स के दृष्टिकोण से भी, गठबंधन बेहतर विकल्प था।

एसएनपी की एक सीट की बढ़त का मतलब संसद में एक प्रभावी सरकार-विपक्ष गठबंधन था, जिससे विपक्षी दलों की कानून को प्रभावित करने की क्षमता कम हो गई। ऐसे में एक समझौता प्रभावी अवसर लग रहा था, लिहाजा दोनों पार्टियों ने ब्यूट हाउस समझौता तैयार किया, जिसमें ग्रीन्स के लिए कनिष्ठ मंत्री पद और एक साझा नीति मंच शामिल था, लेकिन इससे हटने के विकल्प भी शामिल थे।

गड़बड़ कहां हुई?

फरवरी 2023 में स्टर्जन के जाने के बाद गठबंधन के लिए चीजें गलत होने लगीं। उनके अचानक चले जाने से पार्टी से एक प्रमुख व्यक्ति दूर हो गया और कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं बचा।

एसएनपी के शीर्ष पर प्रतिभा की कमी उजागर हुई और नेतृत्व अभियान यूसुफ (स्टर्जेनाइट सामाजिक लोकतांत्रिक उम्मीदवार के रूप में) और पूर्व वित्त मंत्री केट फोर्ब्स के बीच एक करीबी मुकाबले में समाप्त हुआ। फोर्ब्स ने पार्टी के दक्षिणपंथी धड़े का प्रतिनिधित्व किया, जो आर्थिक रूप से वामपंथी और सामाजिक रूप से उदारवादी (विशेष रूप से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर) के रूप में ग्रीन्स के प्रति शत्रुतापूर्ण था, उनका तर्क था कि उन्होंने मतदाताओं को अलग-थलग कर दिया। यूसुफ ने मामूली जीत हासिल की और ग्रीन्स सरकार में बने रहने के लिए सहमत हो गए।

हालाँकि यूसुफ शुरू में ब्यूट हाउस समझौते के प्रति प्रतिबद्ध रहे, लेकिन उन्हें (स्टर्जन के विपरीत) इसकी बहुत मुखर आंतरिक आलोचना का सामना करना पड़ा।

इस बीच, एसएनपी उथल-पुथल ने स्कॉटिश लेबर पार्टी में नई जान फूंक दी, जिससे वे लंबे समय में पहली बार एक सार्थक खतरा बन गए।

नेतृत्व चयन ने एसएनपी में गहरी दरार को उजागर कर दिया और समझौते के दक्षिणपंथी आलोचकों के हौंसले बढ़ गए। इसके बाद एसएनपी ने तेजी दिखाई और एकतरफा कार्वाई करना शुरू कर दिया। एक प्रमुख उदाहरण लेबर उप-चुनाव की जीत के बाद अक्टूबर 2023 में काउंसिल टैक्स में प्रस्तावित सुधारों को रद्द करना था। डरा हुआ यूसुफ एसएनपी की काउंसिल टैक्स फ्रीज़ की पिछली नीति (स्थानीय सरकार के बढ़ते फंडिंग संकट के बावजूद) पर लौट आया, और ग्रीन्स को नाराज कर दिया।

इस अवधि के दौरान एसएनपी नेतृत्व ने मीडिया और विपक्षी आख्यानों को अपने साथ ले लिया कि ग्रीन्स की नीतियां और सरकार में उपस्थिति एसएनपी की लोकप्रियता को कम कर रही है। लेकिन यह वास्तव में सच नहीं है – जो मतदाता कह रहे हैं कि ग्रीन्स का बहुत अधिक प्रभावै है, वे पहले से ही कंजर्वेटिवों के लिए मतदान कर रहे हैं।

यह कथा कई घोटालों के कारण एसएनपी की प्रतिष्ठा को हुए भारी नुकसान के साथ-साथ एनएचएस में बढ़ती विफलताओं और जीवनयापन की लागत के मुद्दों को भी नजरअंदाज करती है।

यूसुफ ने क्यों दिया इस्तीफा?

संकट की तात्कालिक शुरुआत 18 अप्रैल को हुई, जब सरकार ने घोषणा की कि वह ग्रीन्स के साथ न्यूनतम परामर्श के साथ, ब्यूट हाउस समझौते में लिखे गए अत्यधिक महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को रद्द कर रही है।

ग्रीन समर्थन को बनाए रखने का यह अंतिम सिरा था। पार्टी के सह-नेताओं पैट्रिक हार्वी और लोर्ना स्लेटर ने घोषणा की कि वे ग्रीन सदस्यों से मई में इस बात पर मतदान करने के लिए कहेंगे कि पार्टी को गठबंधन में बने रहना चाहिए या नहीं।

यूसुफ इसे जारी रखने का विकल्प चुन सकते थे और ग्रीन्स को सरकार से हटने का खामियाजा भुगतना पड़ सकता था। मतदाता आम तौर पर सरकारी अस्थिरता पैदा करने वाली पार्टियों को पसंद नहीं करते हैं, और ग्रीन्स की एक ऐसी पार्टी के रूप में अंतर्निहित प्रतिष्ठा है कि वह सरकार के लिए उपयुक्त नहीं है।

इसके बजाय, रहस्यमय तरीके से, यूसुफ ने ग्रीन्स को छोड़ने का फैसला किया, इससे पहले कि उन्हें उसे छोड़ने का मौका मिले। जाहिर तौर पर, उन्होंने कल्पना की होगी कि इससे वे निर्णायक दिखेंगे और इससे यह आभास होगा कि उन्होंने गणना की थी कि ग्रीन्स 2016-21 में एक मित्र के रूप में अपनी भूमिका में खुशी से लौटेंगे, लेकिन सरकार में भागीदार के रूप में नहीं।

यदि यह उनका इरादा था, तो यह विचित्र है कि उन्होंने गठबंधन को समाप्त करने के लिए बातचीत करने और ग्रीन्स को ढीली व्यवस्था पर आवाज उठाने से रोकने का कोई प्रयास नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने उन्हें समझौते की समाप्ति के बारे में संक्षेप में सूचित किया। यह पूरी तरह से अनुचित नहीं है कि छोटी पार्टी इस संबंध में उदासीन थी।

जब कंजर्वेटिव ने यूसुफ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, तो गलती स्पष्ट थी। जैसा कि संसदीय अंकगणित था, ग्रीन्स ने अब उनका भाग्य अपने हाथों में ले लिया। यदि वे प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने में विपक्ष में शामिल हो गए – जिसकी उन्होंने तुरंत पुष्टि की कि वे ऐसा करेंगे – तो उन्हें हटने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

यूसुफ के लिए अपनी स्थिति सुरक्षित करने का एकमात्र तरीका पूर्व एसएनपी-नेता एलेक्स सैल्मंड की अल्बा पार्टी से एकमात्र एमएसपी के साथ समझौता करना था – कुछ ऐसा जो वह स्वीकार नहीं कर सकते थे। एक दिन बाद, स्कॉटिश लेबर ने अविश्वास का दूसरा वोट पेश किया – इस बार पूरी सरकार में। इसके परिणाम पूरी पार्टी के लिए और भी गंभीर हुए, और यूसुफ के पास बहुत कम विकल्प बचे थे।

यूसुफ-युग के ख़त्म होने के साथ, अब उनके उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज़ हो गई हैं। जॉन स्वाइनी, स्टर्जन के नेतृत्व में एक प्रमुख व्यक्ति, सबसे आगे चल रहे हैं। कई मायनों में, उनकी नियुक्ति यूसुफ से सीखे गए सबक को दर्शाती है – वह मंत्री पद की क्षमता और राजनीतिक ज्ञान के एक मान्यता प्राप्त ट्रैक रिकॉर्ड वाले नेता होंगे। स्वाइनी अपनी शासन क्षमता के दम पर एसएनपी की कुछ हद तक खराब हुई प्रतिष्ठा को बहाल कर सकते हैं और उन्हें विश्वसनीय संसदीय सहयोगियों को सुरक्षित करने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। ग्रीन्स 2021 में पूर्ण गठबंधन में प्रवेश करने के बारे में काफी सतर्क थे, लेकिन यकीनन उनके द्वारा किए गए कमजोर समझौते के कारण वह सरकार की दिशा को नियंत्रित करने की क्षमता गंवा बैठे। यदि उनके सामने दोबारा कोई विकल्प आए तो उन्हें सावधानी से सोचना चाहिए।

मार्श की अगुवाई में आस्ट्रेलिया की टी20 विश्वकप टीम घोषित, स्मिथ , मकगुर्क को जगह नहीं

मेलबर्न। हरफनमौला मिचेल मार्श को टी20 विश्व कप के लिए आस्ट्रेलिया की 15 सदस्ईय प्रारंभिक टीम का कप्तान चुना गया जबकि अनुभवी स्टीव स्मिथ और युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क को टीम में जगह नहीं मिली है। यह एक दशक में पहली बार है कि पूर्व कप्तान और आस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक स्मिथ को विश्व कप टीम से बाहर रखा गया है। चयनकर्ताओं ने ट्रेविस हेड, डेविड वॉर्नर और मार्श पर भरोसा जताया है। आईपीएल में किसी टीम के साथ करार नहीं होने से भी स्मिथ को नुकसान हुआ। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में शुमार स्मिथ ने 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 125 . 45 की स्ट्राइक रेट से 1094 रन बनाए हैं। टीमों के पास 25 मई तक बदलाव का मौका होगा जिसके बाद आईसीसी इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी लेनी होगी।

आस्ट्रेलियाई टीम : मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टोन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर , एडम जम्पा।

फिटनेस समस्याओं के कारण पाकिस्तान की विश्वकप टीम की घोषणा में देरी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन संबंधी समस्याओं के कारण अपनी विश्व कप टीम की घोषणा को मई के अंत तक टाल दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान 23 या 24 मई को अपनी टी20 विश्व कप टीम की घोषणा करेगा जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा प्रतिस्पर्धी टीमों के लिए विश्व कप तकनीकी समिति से अनुमति के बिना अपनी टीम में बदलाव करने के लिए निर्धारित समय सीमा भी है। प्रबंधन और चयनकर्ता मुहम्मद रिजवान, आजम खान, इरफान खान नियाजी और हारिस राउफ की मामूली चोटों से चिंतित हैं और आयरलैंड तथा इंग्लैंड में उनके प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। चयनकर्ता गुरुवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा करेंगे। टीम प्रबंधन और चयनकर्ता विश्व कप टीम की घोषणा करने से पहले चयनित खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन का आकलन करेंगे। अब तक भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने अपनी विश्व कप टीमों की घोषणा की है। सूत्र ने कहा, इससे (देरी से) कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि ए सभी देश 24 मई तक अपनी पूरी टीम बदल सकते हैं, उसके बाद तकनीकी समिति की मंजूरी से फिटनेस या चोट के आधार पर ही बदलाव की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि पीसीबी और चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड में पहले मैच के बाद तक रुकने का फैसला किया है।

अफगानिस्तान की टी20 विश्व कप टीम में आठ आईपीएल खिलाड़ी

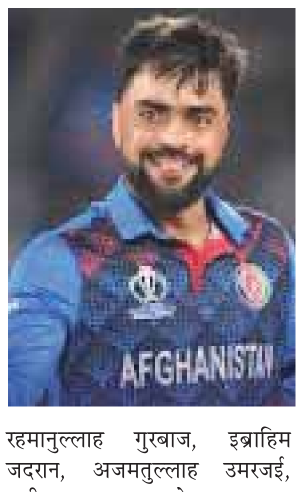

काबुल। टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान की टीम में इंडियन प्रीमियर लीग खेल रहे आठ खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जबकि कप्तान स्टार हरफनमौला राशिद खान होंगे। विश्व कप 2023 में टीम के कप्तान रहे हशमतुल्लाह शाहिदी को 15 सदस्ईय टीम में जगह नहीं मिली है। हजरतुल्लाह जजाई, सेदिकुल्लाह अतल और मोहम्मद सलीम सैफी को रिजर्व के तौर पर टीम में रखा गया है। राशिद, अजमतुल्लाह उमरजई, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीनुल हक, मोहम्मद नबी, रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदन नायब इस समय आईपीएल खेल रहे हैं। अफगानस्तान को 20 टीमों के टूर्नामेंट में ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, युगांडा और पापुआ न्यू गिनी के साथ रखा गया है। उसे तीन जून को प्रोविडेंस में युगांडा से पहला मैच खेलना है।

अफगानिस्तान टीम : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदन नायब, करीम जनत, नांगयाल खरोती, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद, नवीनुल हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

रिजर्व : सेदिकुल्लाह अतल, हजरतुल्लाह जजाइ, मोहम्मद सलीम सैफी।

इलियास टी20 विश्व कप में ओमान की कप्तानी करेंगे, नेपाल की कमान पौडेल को

मस्कट। टी20 विश्व कप में तीसरी बार चुनौती पेश करने को तैयार ओमान ने बुधवार को यहां आकिब इलियास के नेतृत्व में 15 सदस्ईय टीम की घोषणा की। टीम की बल्लेबाजी इकाई में इलियास के अलावा पूर्व कप्तान जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, नसीम खुशी, प्रतीक अठावले और अयान खान जैसे नाम है। ओमान विश्व कप में अपने अभियान का आगाज दो जून को बारबाडोस में नामीबिया के खिलाफ करेगा और उसे ग्रुप बी में गत चैंपियन इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए दूसरी बार क्वालीफाई करने वाले नेपाल की टीम हरफनमौला रोहित पौडेल की कप्तानी में मैदान पर उतरेगी। टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों का चयन एसीसी प्रीमियर कप और वेस्टइंडीज ए के खिलाफ मौजूदा टी20 श्रृंखला में प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। टीम में आतिशी बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी भी हैं। उन्होंने हाल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। नेपाल अपना अभियान चार जून को डलास में नीदरलैंड के खिलाफ शुरू करेगा। उन्हें ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और नीदरलैंड के साथ रखा गया है।

टी20 विश्व कप के लिए ओमान टीम: आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले (विकेटकीपर), अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी (विकेटकीपर), मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद।

टी20 विश्व कप के लिए नेपाल टीम: रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्तेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिश जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा , सागर ढकाल और कमल सिंह ऐरी।

पंजाब किंग्स ने सीएसके को सात विकेट से हराया

बेयरस्टो-रूसो की अहम पारियां हरप्रीत बरार और राहुल चाहर को 2-2 विकेट मिले

भाषा। चेन्नई

चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार टीम के साथियों के साथ चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए।

पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में बुधवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को सात विकेट से शिकस्त दी। सीएसके को सात विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद पंजाब किंग्स ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब के लिए जॉनी बेयरस्टो ने 46 और रिली रोसेयु ने 43 रन की आक्रामक पारी खेली।चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बुधवार को पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी हैं। चेन्नई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 17०5 ओवर में 3 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान सैम करन 26 और शशांक सिंह 25 रन पर नाबाद लौटे।च्ठझ्ै के ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 46 और राइली रूसों ने 43 रन की अहम पारियां खेलीं। शार्दूल ठाकुरए रिचर्ड ग्लीसन और शिवम दुबे को एक.एक विकेट मिला।ब्ैज्ञ के कप्तान ऋ्रुराज गायकवाड ने 48 बॉल पर 62 रन बनाए। उन्होंने सीजन में चौथा अर्धशतक जमाया। यह गायकवाड का लगातार तीसरा 50 स्कोर है। गायकवाड के अलावाए अजिंक्य रहाणे ने 29 और समीर रिजवी ने 21 रन का योगदान दिया। हरप्रीत बरार ने 2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और राहुल चाहर को एक.एक विकेट मिला। इससे पहले कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की 48 गेंद में 62 रन की पारी के बावजूद राहुल चाहर और हरप्रीत बराड़ की शानदार फिरकी से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में बुधवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को सात विकेट पर 162 रन पर रोक दिया। राहुल चाहर और बराड़ ने दो-दो विकेट चटकाने के अलावा अपने कोटे के चार-चार ओवर में बिना कोई बाउंड्री खाए क्रमश: 16 और 17 रन दिए। बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में गायकवाड़ ने एक छोर संभाले रखा और 48 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाकर लगातार दूसरा अर्धशतक बनाया। वह इससे साथ ही इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उनके नाम 10 मैचों में 509 रन हो गए हैं। गायकवाड़ ने दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह (52 रन पर एक विकेट) के खिलाफ दो चौके जड़े लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने शुरुआती चार ओवर में चेन्नई के सलामी बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। पांचवें ओवर में गायकवाड़ ने फिर से इस गेंदबाज के खिलाफ दो चौके जड़े जबकि अजिंक्य रहाणे (29) ने छठे ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर सैम कुरने के खिलाफ चौके लगाकर पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। पावरप्ले में टीम ने बिना किसी नुकसान के 55 रन बनाए। पावरप्ले के बाद कप्तान कुरेन ने गेंद स्पिनरों को सौंपी। राहुल चाहर और बराड़ ने अगले सात ओवर में सिर्फ 30 रन खर्च कर तीन विकेट चटकाए। बराड़ ने नौवें ओवर में लगातार गेंदों पर रहाणे और शिवम दुबे (शून्य) को चलता किया। टीम ने 15वें ओवर में रनों का शतक पूरा किया। अगले ओवर में रिजवी ने कागिसो रबाडा (23 रन पर एक विकेट) के खिलाफ चौका लगाया। चेन्नई के लिए 55 गेंद के अंतराल पर बल्ले से यह चौका आया था। वह हालांकि अगली गेंद पर थर्ड मैन की दिशा में हर्षल पटेल को कैच थमा बैठे। रुतुराज ने 17वें ओवर में सैम कुरेन के खिलाफ छक्का लगाकर 44 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया मोईन ने अर्शदीप के खिलाफ छक्का और चौका लगाया लेकिन बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने गायकवाड़ की शानदार पारी को खत्म किया।

पंड्या के प्रदर्शन और भारतीय क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठ रहे हैं: पठान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षो मे हार्दिक पंड्या की भारतीय क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठते रहे है और जसप्रीत बुमराह जैसा खिलाड़ी अमेरिका और वेस्टइंडीज मे होने वाले आगामी टी20 विश्व कप मे भारतीय टीम के उप कप्तान की भूमिका निभाने मे अधिक सक्षम है। टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे पठान लंबे समय से पंड्या के मुखर आलोचक रहे है और बड़ौदा के रहने वाले भारतीय ऑलराउंडर पर लगातार निशाना साधते रहे है। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम मे कहा, टी20 विश्व कप के बाद एक नई योजना थी। उन्होने पंड्या और सूर्या (सूर्यकुमार यादव) के संभावित कप्तान के रूप मे एक युवा टीम बनाने का लक्ष्य रखा। फिर भी पंड्या के प्रदर्शन की निरंतरता और भारतीय क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठे। पंड्या ने बड़ौदा के लिए करीब पांच साल से कोई घरेलू क्रिकेट नही खेला है और पठान उनकी अनुपस्थिति से खुश नही है।उन्होने कहा, पूरे साल भारतीय क्रिकेट की सेवा करने के लिए घरेलू क्रिकेट मे नियमित भागीदारी आवश्यक है। चोट लगना अपरिहार्य है लेकिन घरेलू क्रिकेट सहित लगातार मैच खेलने वाली उचित योजना खिलाड़ी की वापसी के लिए महत्वपूर्ण है। पठान ने कहा, लेकिन फिर एक खिलाड़ी ऐसा भी है जो उन्ही आवश्यकताओ को पूरा किए बिना चोट से वापसी करता है। ऐसा नही होना चाहिए क्योंकि इससे टीम के बाकी खिलाड़ियों को गलत संदेश जाता है। पठान ने पंड्या को विशेष छूट देने की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, जब वे (खिलाड़ी) देखते है कि एक खिलाड़ी को विशेष तरजीह मिल रही है तो इससे टीम का माहौल खराब होता है। क्रिकेट टेनिस की तरह नही है, यह एक टीम खेल है जहां समानता महत्वपूर्ण है। प्रत्एक खिलाड़ी के साथ निष्पक्ष और समान व्यवहार किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे सभी प्रारूपो मे 300 से अधिक विकेट और 2700 से अधिक रन बनाने वाले पठान का मानना है कि पंड्या भारत के उप कप्तान बनने के हकदार नही है। उन्होने कहा, तो अब हार्दिक पंड्या को उप कप्तान बनाने के बारे मे आपके सवाल पर वापस आते हुए, मै नेतृत्व मे निरंतरता के महत्व के कारण इसके पीछे के तर्क को समझता हूं। हालांकि मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओ द्वारा निरंतरता का विकल्प चुनना समझ मे आता है। फिर भी मेरा मानना है कि बुमराह जैसा कोई व्यक्ति बुरा विकल्प नही होता।

मयंक के वापसी करते हुए पहले ही मैच में चोटिल होने के लिए लखनऊका नेतृत्व जिम्मेदार: ली

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने मयंक यादव की चोट का सही तरह से प्रबंधन नही किया। उन्होने सुझाव दिया कि पेट मे दर्द के कारण बाहर होने के बाद इस युवा तेज गेंदबाज को समय से पहले आईपीएल मे वापस लाया गया। इक्कीस साल के मयंक को सात अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट मे जकड़न महसूस हुई। यह उनका तीसरा आईपीएल मैच था और उन्होंने अपनी तेज गति से सभी को प्रभावित किया और अपने शुरुआती दोनो मैच मे मैन ऑफ द मैच बने। उन्होंने मंगलवार को लखनऊमे मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर जाइंट्स की जीत के दौरान वापसी की लेकिन चोटिल होने के कारण अपना चौथा ओवर पूरा किए बिना मैदान से बाहर चले गए। लखनऊके कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि इस युवा तेज गेंदबाज को उसी स्थान पर दर्द महसूस हो रहा है जिसके कारण वह

राजस्थान के खिलाफ अपने अभियान को ढर्रे पर लाना चाहेंगे सनराइजर्स

हैदराबाद। लक्ष्य का पीछा करते हुए भटकने वाली सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अपने अभियान को ढर्रे पर लाना चाहेगी। रॉयल्स का प्लेआफ में स्थान लगभग पक्का है लेकिन सनराइजर्स के लिए इस मैच में बहुत कुछ दाव पर है। कुछ दिन पहले तक शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। इन पराजयों के बाद टीम शीर्ष चार से बाहर हो गई। चार जीत और चार हार के बाद अब दस अंक लेकर 2016 चैम्पियन टीम पांचवें स्थान पर है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम के शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए नाकाम रहे हैं जिससे कोच डेनियल विटोरी को स्वीकार करना पड़ा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अति आक्रामक खेलने की रणनीति गलत रही। सनराइजर्स ने इस सत्र में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो बार 250 से अधिक स्कोर बनाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक का स्कोर एक बार भी हासिल नहीं कर सकी। मुख्य कोच विटोरी ने आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था , हम लक्ष्य देने में कामयाब रहे हैं और अब लक्ष्य का पीछा करना भी सीखना होगा। सनराइजर्स बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा पर काफी निर्भर है। दोनों के फ्लॉप होने पर सनराइजर्स की पारी भी चरमरा जाती है। एडेन मार्क्रम को अब अपने चिर परिचित फॉर्म में लौटना होगा जिनका बल्ला अभी तक खामोश रहा है। दूसरी ओर रॉयल्स का अब तक का सफर बेदाग रहा है। पहले सत्र की विजेता टीम ने हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया है और 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। उसके पास जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं।

इंडोनेशिया से ।-4 से हारा भारत ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर रहा

चेंगदू (चीन)। गत चैंपियन भारत बुधवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया की मजबूत टीम के खिलाफ।-4 से हार गया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाया। भारत और इंडोनेशिया दोनों पहले ही अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं लेकिन इंडोनेशिया ग्रुप सी के विजेता के रूप में नॉकआउट में जाएगा। थॉमस कप 2022 के फाइनल भारत ने इंडोनेशिया को ही 3-0 से हराकर खिताब जीता था। पुरुष एकल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी एचएस प्रणय ने शुरुआती मैच में पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए एंथनी गिंटिंग को 13-21, 21-12, 21-12 से हराकर टीम को।-0 से आगे कर दिया। पहले पुरुष युगल मैच में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागस मौलाना से हार गई। इसी जोड़ी ने पिछली ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भारतीय जोड़ी को हराया था। इंडोनेशिया की जोड़ी ने सात्विक और चिराग को 22-24, 24-22, 21-19 से हराया जिससे मुकाबला।-। से बराबर हो गया। लक्ष्य सेन इसके बाद ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पुरुष एकल विजेता जोनाथन क्रिस्टी से 18-21, 21-16, 17-21 से हार गए जिससे भारत।-2 से पिछड़ गया। 22 वर्षीय लक्ष्य ने नेट पर अपने प्रभावशाली खेल से दूसरा गेम जीतकर उम्मीदें जगाई थीं लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में क्रिस्टी ने बाजी मार ली।

बटलर ने टी20 विश्व कप टीम के इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल प्ले-ऑफ से हटाने पर जोर दिया: रॉब की

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बताया कि कप्तान जोस बटर ने टी20 विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग के प्ले-ऑफ से इंग्लैंड के खिलाड़ियों को हटाने पर जोर दिया था। आईपीएल प्लेऑफ 21-26 मई तक निर्धारित है। यह तारीख पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की चार मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से टकरा रही है।इंग्लैंड टीम प्रबंधन चाहता है कि चार जून को बारबाडोस में आयरलैंड (टी20 विश्व कप में) के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले के लिए गत चैंपियन इंग्लैंड के खिलाड़ी अंतिम चरण की तैयारी के लिए उपलब्ध रहें। रॉब की ने ईएसपीनक्रिकइंफो से कहा, मैंने उनसे (बटलर से) बहुत पहले ही पूछा और कहा, देखिए, इंग्लैंड के कप्तान के रूप मे, आपको किसी भी हाल मे पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। आप इसे कैसे देखते है? उन्होने तुरंत इसके जवाब मे कहा, मै वापस आना चाहता हूं और विश्व कप से ठीक पहले उस श्रृंखला मे तैयारी शुरू करना चाहता हूं। बटलर ने आईपीएल तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के लिए दो शतक लगाए है। उनकी कप्तानी मे टीम ने 2022 मे दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। बटलर के अलावा इंग्लैंड की विश्व कप टीम के कई अन्य खिलाड़ी आईपीएल मे खेल रहे है। इसमें फिल साल्ट (कोलकाता नाइट राइडर्स), विल जैक तथा रीस टॉपले (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), मोईन अली (चेन्नई सुपर किंग्स), सैम कुरेन, जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन (पंजाब किंग्स) शामिल है।

चार भारतीय मुक्केबाज पहुंचे सेमीफाइनल में

अस्ताना (कजाखस्तान)। भारतीय मुक्केबाजों आर्यन, यशवर्धन सिंह, प्रियांशु और साहिल ने बुधवार को यहां अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। आर्यन ने 51 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के जुराएव शाकरबाय को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद यशवर्धन (63.5 किग्रा) ने पहले दौर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ईरान के मिराहमादी बाबाहेदारी को 4-। से हराया। दूसरी तरफ प्रियांशु (71 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) को अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा और उन्होंने क्रमश: चीनी ताइपे के वू यू एन और तुर्कमेनिस्तान के यकलीमोव अब्दिरहमा के खिलाफ रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) के फैसले के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। जतिन हालांकि 57 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के ए नोदिरबेक के खिलाफ।-4 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। युवा वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले शुक्रवार को खेले जाएंगे। आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) बुधवार रात अपने-अपने युवा वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे। मंगलवार देर रात जुगनू (86 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) ने जीत हासिल करके अंडर-22 सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

मैड्रिड। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए चूंकि यहां वह आखिरी बार खेल रहे हैं। पांच बार के चैम्पियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7 . 5, 6 . 4 से हराया। हार के बाद नडाल ने कहा , यह काफी कठिन दिन है लेकिन यही हकीकत है। मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिए यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें सदैव मेरे साथ रहेंगी। नडाल के हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6 . 3, 6 . 7, 7 . 6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5 . 7, 6 . 3, 6 . 3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7 . 6, 6 . 4 से हराया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4 . 6, 6 . 0, 6 . 2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0 . 6, 7 . 5, 6 . । से हराया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त बोपन्ना एबडेन की जोड़ी मैड्रिड मास्टर्स से बाहर

मैड्रिड। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पहले दौर में सेबेस्टियन कोरडा और जोर्डन थाम्पसन से अप्रत्याशित हार के बाद एटीपी मुटुआ मैड्रिड ओपन से बाहर हो गई। आस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल चैम्पियन बोपन्ना और एबडेन को एक घंटे 17 मिनट तक चले मैच में अमेरिका और आस्ट्रेलिया की जोड़ी से 7 . 6, 7 . 5 से पराजय झेलनी पड़ी। पिछले साल बोपन्ना और एबडेन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स जीता था और 43 वर्ष के बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 चैम्पियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। दोनों विम्बलडन पुरूष युगल सेमीफाइनल और अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे थे।

आर वैशाली ने आधिकारिक तौर पर ग्रैंडमास्टर दर्जा मिलने पर खुशी जताई

चेन्नई। शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे द्वारा हाल में आधिकारिक रूप से ग्रैंडमास्टर का दर्जा मिलने के बाद भारतीय शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने खुलासा किया है कि ऐसा भी समय था जब वह इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर अनिश्चित थीं लेकिन अच्छे सहयोगी ढांचे की बदौलत ऐसा करने में सफल रहीं।वैशाली ने स्पेन में लोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट में जरूरी 2500 ईएलओ अंक जुटा लिए थे और कोनेरू हंपी तथा हरिका द्रोणावल्ली के बाद ग्रैंडमास्टर बनने वाली तीसरी महिला बनीं थी। वैशाली को हालांकि आधिकारिक तौर पर यह दर्जा पिछले महीने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के दौरान फिडे परिषद की बैठक के बाद दिया गया। वैशाली ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, (महिला ग्रैंडमास्टर) बनने के बाद मुझे पता था कि किसी दिन यह ग्रैंडमास्टर में बदल जाएगा। मैंने इस उपाधि के बारे में इतना अधिक नहीं सोचा। उन्होंने कहा, हां, इसे आधिकारिक होने में कुछ समय लगा लेकिन मुझे खुशी है कि अंतत: यह दर्जा मिल गया। मुझे इससे (देरी से) कोई दिक्कत नहीं थी। बाइस साल की वैशाली ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार पांच बाजी जीती और संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।वह 2018 में लातविया के रीगा में रीगा टेक्निकल यूनिवर्सिटी ओपन के दौरान अपना अंतिम महिला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल करके महिला ग्रैंडमास्टर बनीं।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।